वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

• वर्ष 8 • अंक 148 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली बुधवार 5 अगस्त 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

500 वर्षों का सपना होगा साकार

पीएम नरेंद्र मोदी आज अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखेंगे

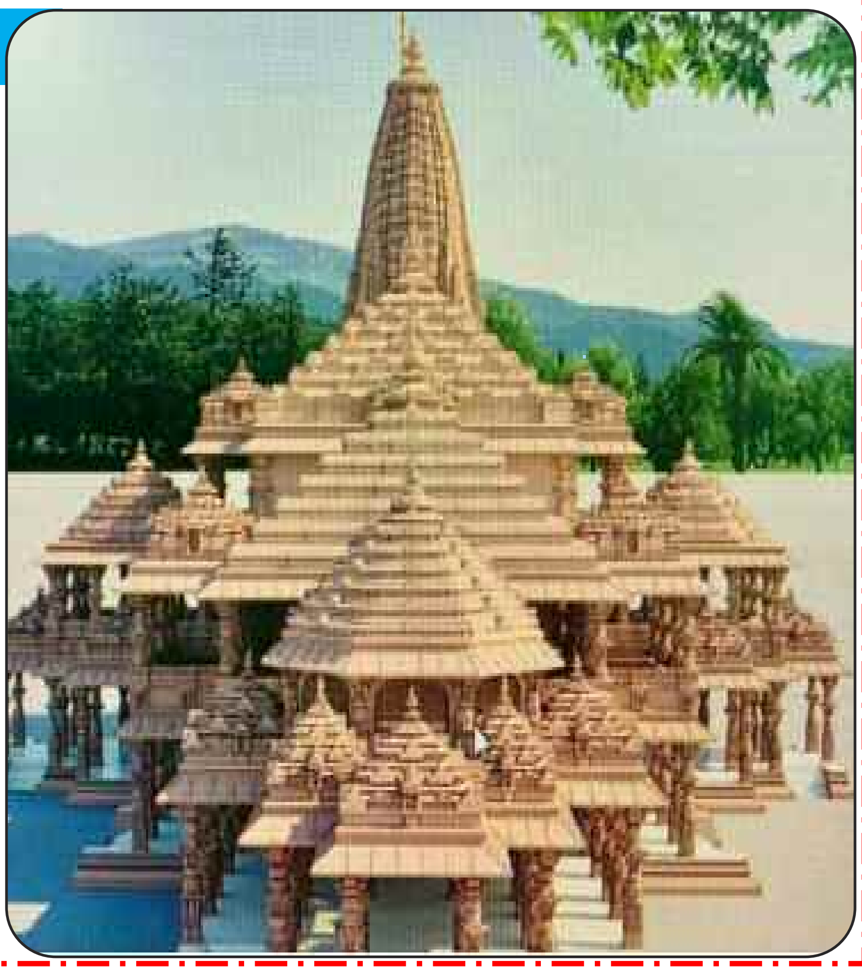

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली/अयोध्या 4 अगस्त। बुधवार की दोपहर ठीक 12 बजकर 44 मिनट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोलेंगे प्रतिष्ठापियामी, इसके साथ ही राम मंदिर का भूमि पूजन संपन्न हो जाएगा। राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंदेव गिरी ने बताया कि 5 अगस्त की सुबह शिलाओं की स्थापना का काम करीब साढ़े 8 बजे से शुरू हो जाएगा। वह साढ़े 12 बजे तक पूरा हो जाएगा। साढ़े 12 बजे पीएम वहां पर पहुंच जाएंगे उनके हाथों से 15 मिनट तक पूजा होगी। इसमें वह संकल्प भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि इस कार्यक्रम से पहले मोदी हनुमानगढ़ी में पूजा और दर्शन करेंगे। हनुमानगढ़ी में पूजा अर्चना के बाद प्रधानमंत्री श्री राम जन्मभूमि जाएंगे जहां वह भगवान श्री रामलला विराजमान की पूजा और दर्शन में शामिल होंगे। बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री पारिजात का पौधा लगाएंगे और फिर भूमि पूजन करेंगे। मंदिर निर्माण की आधारशिला रखने के लिए वह एक पट्टिका का अनावरण करेंगे और इस मौके पर श्री राम जन्मभूमि मंदिर पर एक स्मारक डाक टिकट भी जारी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम जन्मभूमि पहुंचकर कुर्म शिला की पूजा करेंगे। कुर्म शिला के ठीक ऊपर राम लला विराजेंगे। 8 शिलाओं का भी पीएम पूजन करेंगे लेकिन उनका सामान्य पूजन होगा क्योंकि उनकी पूजन और सारे संस्कार पहले हो चुके हैं। मुख्य पूजन कुर्म शिला का होगा।पीएम

संकल्प लेंगे, फिर गणपति पूजन होगा। शिलाओं के पूजन के बाद अभिमंत्रित किया हुआ बकुल वृक्ष के शंकु का भी पूजन होगा। इसमें अनेक अभिमंत्रित पदार्थ भरे हुए हैं उनका भी पूजन होगा।

पीएम कुर्म शिला के ऊपर एक पंच धातु के एक कमल पुष्प को अर्पित करेंगे। इसमें नवरत्न जड़े हुए हैं। फिर पीएम ठीक 12 बजकर 44 मिनट पर बोलेंगे प्रतिष्ठापयामी और अक्षत और फूल चढ़ाएंगे। राम मंदिर तीर्थ ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंदेव गिरी ने कहा कि पूजन के बाद सारी सामग्री वहां से भगवान राम लला के मंदिर में स्थानांतरित करके सुरक्षा के साथ वहां पर विराजमान करेंगे। जब हमें वहां पर बड़ा गड्ढा करने की अनुमति मिलेगी तो उस गड्ढे में उसकी स्थापना हो जाएगी। गोविंददेव गिरी ने बताया कि ट्रस्ट की तरफ से कोई उपहार देने के बारे में विचार नहीं किया गया था। लेकिन कांची पीठाधीश्वर ने संतों के लिए रजन की मुद्राएं (चांदी का सिक्का) भेजी हैं। इन्हें कार्यक्रम में आए सभी अतिथि संतों को प्रसाद के तौर पर दिया जाएगा।बता दें कि अयोध्या नगरी राम की नगरी है और यहां हर कोने कोने में बंदर भी हैं।

भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान बंदरों के लिए भी खास इंतजाम किया गया है। कार्यक्रम स्थल के पास पांच जगहें चिन्हिंत की गई है जहां भूमि पूजन शुरू होने से पहले बंदरों के लिए चने और जलेबी रख दी जाएगी। ऐसा इसलिए भी किया जा रहा है ताकि बंदर वहां मंच या आसपास ना चढ़े। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरी ने बताया कि अब तक करीब तीस करोड़ से अधिक की राशि एकत्र हो गई है। बुधवार सुबह 11 करोड़ रुपये संत मुरारी बाबू की तरफ से मिलने वाले हैं। उनकी तरफ से ही सात करोड़ रुपए और एफसीआरए की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद मिलेंगे। यह विदेश की राशि है। 21 करोड़ रुपए देने का संकल्प पुणे के विश्वनाथ कराड ने और डॉ. विजय भटकल ने किया है वह भी मिलेगा। राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स भूमि पूजन कार्यक्रम के लिए खास रंगोली भी बना रहे हैं।

पायलट खेमे के MLA से हो सकती है बात, तोड़नी होगी BJP से दोस्ती

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली । कांग्रेस पार्टी राजस्थान के बागी नेता सचिन पायलट खेमे से बातचीत शुरू कर सकती है बशर्ते वे हरियाणा के भाजपाई मुख्यमंत्री मनोहर लाल की मेजबानी से बाहर निकल आएं। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि उन्हें भाजपा से दोस्ती तोड़नी होगी तथा घर लौटना होगा।

सुरजेवाला ने कहा, हरियाणा में आए दिन बच्चों की हत्याएं हो रही है, सामूहिक दुष्कर्म हो रहे हैं, गुरुग्राम में लोगों को सरेराह पीटा जा रहा है और इसके लिए पुलिस उपलब्ध नहीं है। लेकिन इन 19 विधायकों की सुरक्षा के लिए एक हजार के करीब पुलिस कर्मी लगाए गए हैं। कांग्रेस के नाराज विधायकों को भाजपा जो सुरक्षा दे रही

है उसके क्या मायने हैं। राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व से नाराज होकर बागी हुए सचिन पायलट सहित 19 कांग्रेस विधायकों की वापसी की संभावना के सवाल पर सुरजेवाला ने कहा, सबसे पहले बागी विधायक वार्तालाप करें और उसको करने के लिए पहली शर्त है कि भाजपा की मेजबानी छोड़ें।

मनोहर लाल की अगुवाई वाली हरियाणा की भाजपा सरकार का सुरक्षा चक्र छोड़ें। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस व उसके समर्थक विधायक जैसलमेर के एक निजी होटल में रुके हुए हैं। जबकि सचिन पायलट की अगुवाई में 19 बागी विधायकों के हरियाणा के होटल में रुके होने के समाचार हैं।

राज्य विधानसभा का सत्र 14 अगस्त से शुरू होनेवाला। पार्टी ने सुरजेवाला, राजस्थान कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे और वरिष्ठ नेता अजय माकन को केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में राजस्थान भेजा है।

महिला अफसरों को स्थायी कमीशन देने की प्रक्रिया शुरू

महिला अधिकारी डब्ल्यूएसईएस और एसएससी के जरिए सेना में शामिल हुई थी, उन पर विचार

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 4 अगस्त । भारतीय सेना ने पात्र महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे करीब दो हफ्ते पहले रक्षा मंत्रालय ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

अधिकारियों ने बताया कि सेना मुख्यालय ने महिला विशेष प्रवेश योजना (ईएसईएस) और लघु सेवा कमीशन (एसएससी) के तहत भर्ती हुई महिला अधिकारियों से 31 अगस्त तक स्थायी कमीशन के लिए आवेदन मांगे हैं। सेना ने एक बयान में बताया, भारतीय सेना में महिला अधिकारियों के स्थायी कमीशन देने के संबंध में सरकार से आधिकारिक मंजूरी पत्र मिलने के बाद, सेना मुख्यालय स्थायी कमीशन देने के लिए महिला अफसरों की स्क्रीनिंग करने के वास्ते एक विशेष संख्या चयन बोर्ड आहूत करने

की प्रक्रिया में है। अधिकारियों ने बताया कि जो महिला अधिकारी डब्ल्यूएसईएस और एसएससी के जरिए सेना में शामिल हुई थी, स्थायी कमीशन देने के लिए उन पर विचार किया जा रहा है। पिछले महीने, रक्षा मंत्रालय ने सेना में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने के लिए एक आदेश जारी किया था। एक ऐतिहासिक फैसले में शीर्ष अदालत ने फरवरी में निर्देश दिया था कि लघु सेवा योजना के तहत भर्ती सेवारत सभी महिला अफसरों को स्थायी कमीशन देने के बारे में विचार किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि 10 विभागों में महिलाओं के लिए स्थायी कमीशन उपलब्ध कराया जा रहा है जिनमें सेना, हवाई रक्षा, सिग्नल, इंजीनियर, सेना विमानन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मकेनिकल इंजीनियर, सेना सेवा कोर और गुप्तचर कोर शामिल हैं। फिलहाल, सेना महिला अधिकारियों को दो शाखाओं में स्थायी कमीशन की पेशकश करती है जिनमें न्यायाधीश, महा अधिवक्ता और शिक्षा शामिल है। एसएससी के तहत, महिला अधिकारियों को शुरू में पांच साल के लिए भर्ती किया जाता है जिसे 14 साल तक के लिए बढ़ाया जा सकता है। स्थायी कमीशन के तहत वे महिला सेवानिवृत्ति की आयु तक सेवा दे सकेंगी। सेना एसएससी के तहत, हवाई रक्षा, इंजीनियड्क्षरग, सिग्नल और सेवा विभाग में भर्ती करती है तथा वे अधिकतम 14 साल तक सेवा दे सकती हैं। तीनों सेना (थल, वायु, नौसेना) चुनिदा शाखाओं में महिलाओं को स्थायी कमीशन देते हैं। इनमें चिकित्सा, शिक्षा, विधि, सिग्नल, साजोसमान व इंजीनियरिग शामिल है। वायुसेना में एसएससी के जरिए भर्ती होने वाली महिला अधिकारियों को उड़ान शाखा को छोड़कर सभी शाखाओं में स्थायी कमीशन मांगने का विकल्प होता है। नौसेना कई विभागों में महिलाओं को स्थायी कमीशन देती है, जिनमें नौसेना डिजाइनिग, हवाई यातायात नियंत्रण, इंजीनियरिग और विधि शामिल है।

सुशांत सिंह की मौत की सीबीआई जांच होगी

(विशेष संवाददाता)

पटना, 4 अगस्त । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को कहा कि सुशांत सिह राजपूत के पिता के के सिह द्वारा पटना में दर्ज कराए गए मामले की सीबीआई से जांच कराने के लिए राज्य सरकार ने अनुशंसा भेज दी है। नीतीश ने ट्वीट कर मंगलवार को कहा, सुशांत सिह राजपूत के पिता के के सिह द्वारा पटना में सुशांत की मौत से संबंधित दर्ज कराए गए मामले की सीबीआई से जांच कराने हेतु राज्य सरकार ने अनुशंसा भेज दी है। मुख्यमंत्री ने

बिहार सरकार ने अनुशंसा भेज दी: नीतीश

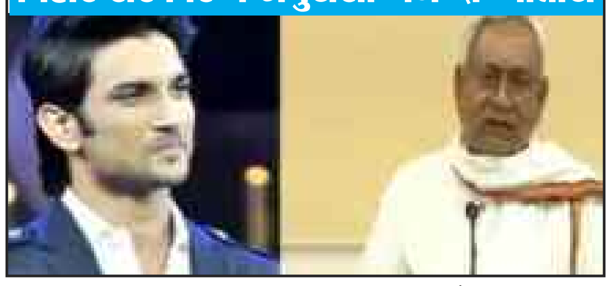

इससे पूर्व कहा था, आज सुबह ही हमारे डीजीपी (गुप्तेश्वर पांडेय) से उनकी (दिवंगत अभिनेता के पिता की) बातचीत हुई और उन्होंने अपनी सहमति दे दी है। इसकी सूचना डीजीपी ने दी तथा सीबीआई जांच के लिए अनुशंसा भेजी जा रही है।'' उन्होंने कहा, सुशांत के पिताजी ने यहां प्राथमिकी दर्ज करायी थी जिसके आधार पर बिहार पुलिस ने जांच का काम शुरू किया । टीम भी भेजी। यहां से गए आईपीएस अधिकारी के साथ वहां दुर्व्यवहार हुआ। नीतीश ने कहा, बिहार पुलिस के साथ वहां बिल्कुल गलत व्यवहार हुआ । जहां भी प्राथमिकी दर्ज होगी, कानूनी रूप से हमारे राज्य की पुलिस की जिम्मेदारी थी और उसके हिसाब से वे जांच के लिए वहां (मुंबई) गए । वहां उन्हें सहयोग करना चाहिए था ।'' उन्होंने कहा, सुशांत यहां के थे और उनकी जिस तरह मृत्य हुई है, उसको लेकर केवल बिहार ही नहीं पूरे देश के लोगों को इ्क्षचता है और सभी लोग इस बात को समझ रहे हैं कि सुशांत के साथ निश्चित रूप से अन्याय हुआ है । यह आम धारणा है...यहां प्राथमिकी दर्ज होने पर सूचना देकर वहां टीम भेजी गयी है और सूचना देकर गए आईपीएस आधिकारी को पृथकवास में भेजना क्या उचित है?'' नीतीश ने कहा, यह सही बात नहीं है। वहां का सहयोग मिलना चाहिए था, वह नहीं मिल रहा था । हमारे डीजीपी वहां फोन करें और वहां कोई फोन नहीं उठाए तो यह कितना आश्चर्यजनक है ।

J&K: दो आतंकी हमले सरपंच को मारी गोली

(विशेष संवाददाता)

श्रीनगर । अनुच्छेद 370 हटने के एक साल पूरे होने से पहले बुधवार शाम कश्मीर घाटी में दो बड़े आतंकी हमले हुए हैं। हमले की पहली वारदात कुलगाम में हुई है बीजेपी के एक सरपंच को आतंकियों ने गोली मारी है। इसके अलावा पुलवामा जिले में पुलिस टीम पर एक आतंकी हमला हुआ है, जिसमें दो जवान गंभीर रूप से घायल हैं। जम्मूकश्मीर के पुलवामा जिले के काकपोरा में बुधवार को आतंकियों ने पुलिस पार्टी पर हमला किया है। इस हमले में 2 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जिन्हें

इलाज के लिए श्रीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा कुलगाम जिले में आतंकियों ने एक सरपंच को गोली मारी है। सरपंच पर हमले की घटना कुलगाम के पास काजीगुंड इलाके में हुई है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, कुलगाम में सरपंच को उनके घर के पास गोली मारी गई है। उनकी हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस वारदात के बाद मौके पर सेना, पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों को हमलावरों की तलाश के लिए भेजा गया है। दूसरी वारदात पुलवामा के काकपोरा इलाके में हुई है। यहां आतंकियों ने एक पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग की है।

प्रदीप सिंह ने किया टॉप, महिलाओं में प्रतिभा वर्मा बनी IAS टापर

सिविल सेवा परीक्षा, 2019 के परिणाम घोषित, 829 प्रतियोगी हुए पास

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 4 अगस्त । संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने मंगलवार को सिविल सेवा परीक्षा, 2019 के परिणाम घोषित कर दिये। भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी प्रदीप सिंह ने इस परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया है। यूपीएससी ने बयान जारी कर परीक्षा परिणाम की जानकारी दी। बयान के अनुसार, जतिन किशोर ने द्वितीय और प्रतिभा वर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया है। किशोर और प्रतिभा वर्मा भी सेवारत अधिकारी हैं ।

सिंह हरियाणा के निवासी हैं जबकि किशोर दिल्ली और वर्मा उत्तर प्रदेश से हैं । सिंह ने सोनीपत से फोन पर बताया, यह एक सपने के साकार होने जैसा है । यह सुखद आश्चर्य है। मैं हमेशा आईएएस अधिकारी बनना चाहता था । मैं समाज के कमजोर वर्गों के लिये काम करना चाहूंगा। भारतीय राजस्व सेवा के 2019 बैच के अधिकारी 29 वर्षीय सिंह अभी फरीदाबाद में राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं नार्कोटिक्स अकादमी में पर्यवेक्षण पर हैं । उन्होंने कहा कि उनका जोर शिक्षा और कृषि क्षेत्र को बेहतर बनाने पर होगा क्योंकि वे भारतीय प्रशासनिक सेवा का हिस्सा बनेंगे । सिंह ने कहा, मैंने आईएएस के लिये प्रदेश कैडर के रूप में अपने गृह राज्य हरियाणा को चुना है। मुझे खुशी है कि मुझे अपने राज्य के लिये काम करने का अवसर मिलेगा । उन्होंने परीक्षा की तैयारी के लिये छुट्टी ली थी । यूपीएससी परीक्षा में दूसरा स्थान हासिल करने वाले जतिन किशोर भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) के 2018 बैच के अधिकारी हैं और अभी ग्रामीण विकास मंत्रालय में सहायक निदेशक के पद पर हैं । उन्होंने पीटीआईभाषा

से कहा, सिविल सेवा परीक्षा के लिये यह मेरा दूसरा प्रयास था । मुझे प्रसन्नता है कि मुझे द्वितीय स्थान मिला ।' 26 वर्षीय किशोर ने कहा कि शिक्षा और पर्यावरण उनके लिये मुख्य क्षेत्र होगा। वहीं, भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) की अधिकारी वर्मा ने कहा कि वह बचपन से ही आईएएस अधिकारी बनना चाहती थी ।

उन्होंने कहा, किसी भी संकट के समय आईएएस अधिकारी जिस तरह सबसे पहले प्रतिक्रिया देते हैं, उससे मैं काफी प्रभावित रही । वे कठिन परिस्थिति में हमेशा अग्रिम मोर्चे पर रहते हैं । इसीलिए मैंने फिर परीक्षा की तैयारी करने का फैसला किया (आईआरएस में चयन होने के बाद) । '' वर्मा को यूपीएससी की 2018 की परीक्षा में 489 वीं रैंक हासिल हुई थी। उन्होंने कहा कि वह महिला सशक्तिकरण और बच्चों से जुड़े विषयों और खासकर अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश में काम करना चाहूंगी । उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर की निवासी वर्मा ने कहा कि उनके माता पिता ने सिविल सेवा के लिये प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी । यूपीएससी के अनुसार, कुल 829 प्रतिभागियों की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) सहित अन्य सिविल सेवाओं के लिए अनुशंसा की गई है। कुल उत्तीर्ण प्रतिभागियों में 304 सामान्य श्रेणी, 78 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), 251 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), 129 अनुसूचित जाति, 67 अनुसूचित जनजाति श्रेणी के हैं । बयान के अनुसार, 182 अन्य प्रतिभागियों को आरक्षित (रिजर्व) सूची में रखा गया है। सरकार द्वारा घोषित 927 रिक्तियों के लिये चयन किया गया है। यूपीएससी ने कहा, 11 प्रतिभागियों का परिणाम रोका गया है।'' सिविल सेवा परीक्षा हर साल तीन चरणों में आयोजित की जाती है, जिसमें प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार शामिल होता है। इसमें चयनित उम्मीदवार प्रतिष्ठित लोक सेवा में योगदान करते हैं । परिणाम यूपीएससी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।आयोग ने कहा, परीक्षा में प्राप्त अंक परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि से 15 दिनों के भीतर वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।

अब पाक ने खेला नक्शे का खेल लद्दाख-जूनागढ़ पर ठोका दावा

इस्लामाबाद । भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद होने के बाद जिस तरह नेपाल सरकार ने बिना बातचीत के अपने देश का नक्शा जारी कर विवादित क्षेत्रों को अपना बता डाला, पाकिस्तान ने भी अब उससे सीखना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को एक बैठक के दौरान देश का नया नक्शा जारी कर डाला है और इसमें लद्दाख , जम्मूकश्मीर के सियाचिन समेत गुजरात के जूनागढ़ तक पर दावा ठोका गया है। पाकिस्तान यह कदम 5 अगस्त से पहले उठाया है जब जम्मूकश्मीर से भारत सरकार के आर्टिकल 370 हटाए जाने को एक साल पूरा होने वाला है। इमरान खान ने कैबिनेट की बैठक के बाद देश का नया पॉलिटिकल मैप जारी किया है। इस मैप में सियाचिन को पाकिस्तान का हिस्सा बताया गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने यह ऐलान करते हुए दावा किया है कि भारत ने यहां अवैध तरीके से निर्माण करा रखा है। यही नहीं, यह मानते हुए कि सर क्रीक में भारत के साथ उसका विवाद है, पाकिस्तान ने साफ कह दिया है कि उसने इस इलाके को अपने नक्शे में शामिल कर लिया है। जम्मूकश्मीर और लद्दाख में पाकिस्तान पहले भी दावा ठोकता रहा है। खास बात यह है कि इस बार उसने गुजरात के जूनागढ़ को भी अपने हिस्से में शामिल कर लिया है। पाकिस्तान ने नए मैप में जहां भारतीय क्षेत्रों पर अपना दावा ठोका है, वहीं जिन हिस्सों को लेकर चीन और भारत के बीच विवाद चल रहा है, उन्हें अनडिफाइंड फ्रंटियर करार दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अब पाकिस्तान यह नक्शा संयुक्त राष्ट्र के सामने पेश करने की तैयारी में है। गौर करने वाली बात है कि एक दिन पहले ही नियंत्रण रेखा पर शाह और देश के रक्षामंत्री पहुंचे थे ।

एक नजर

गूगल का 'पिक्सल 4ए' अक्टूबर में आएगा भारत

नई दिल्ली। गूगल अपने नए स्मार्टफोन 'पिक्सल 4ए' को अक्टूबर में भारतीय बाजार में पेश करेगी। हालांकि कंपनी अपना 5जी प्रौद्योगिकी आधारित 'पिक्सल 5' और 'पिक्सल 4ए(5जी)' भारत और सिंगापुर के बाजार में नहीं उतारेगी। पिछले साल अक्टूबर में कंपनी ने अपने 'पिक्सल 4' और 'पिक्सल 4एक्सएल' को भी भारतीय बाजार में पेश नहीं किया था। गूगल ने एक ब्लॉग में कहा, ''पिछले साल 'पिक्सल 3ए' ने लोगों को सस्ती कीमतों पर पिक्सल के अच्छे फीचर उपयोग करने का मौका दिया। इस साल 'पिक्सल 4ए' से उन्हें अतुल्नीय कैमरा और कई अन्य फीचर उपयोग करने का मौका मिलेगा जो समय के साथ उनके फोन को बेहतर बनाएंगे। इसे अक्टूबर में भारत में पेश किया जाएगा।'' फोन की कीमत के बारे में गूगल ने कहा कि वह इसकी घोषणा इसे पेश करने के आसपास करेगी। गूगल ने कहा कि इस साल आने वाले 'पिक्सल 5' और 'पिक्सल 4ए (5जी)' भारत और सिंगापुर में उपलब्ध नहीं होंगे। 'पिक्सल 4ए' में 5.8 इंच की स्क्रीन, क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 730जी मोबाइल प्रोसेसर, 6जीबी रैम और 128जीबी की इंटरनल मेमोरी होगी।

घर से क्लैट परीक्षा देने की याचिका पर अदालत ने केंद्र एनएलयू से जवाब मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कोविड 19 महामारी के बीच संयुक्त विधि प्रवेश परीक्षा (क्लैट), 2020 के लिए परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होने की आवश्यकता को चुनौती देने वाली एक विधि स्नातक छात्र की याचिका पर केंद्र और राष्टीय विधि विश्वविद्यालयों (एनएलयू) के कंसोर्टियम से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति जयंत नाथ ने केंद्र सरकार से अदालत को यह बताने के लिए कहा कि क्या मौजूदा महामारी के मद्देनजर इस तरह की परीक्षा आयोजित करना उचित होगा। अदालत ने केंद्र सरकार और एनएलयू को नोटिस जारी किया और याचिका पर उनसे 10 अगस्त तक अपना पक्ष रखने को कहा गया है। याचिका में कहा गया है कि ऑनलाइन क्लैट परीक्षा को घर से देने की अनुमति दी जानी चाहिए। क्लैट देश में 22 एनएलयू में विधि में स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक केंद्रीकृत परीक्षा है और यह इसके कंसोर्टियम द्वारा आयोजित की जाती है। क्लैट 2020 की अधिसूचना के अनुसार, परीक्षा अधिसूचित केंद्रों पर ऑनलाइन आयोजित की जाएगी, जहां उम्मीदवारों के लिए कंप्यूटर स्थापित किए जाएंगे।

दिल्ली में छिनैती और लूट के कई मामलों में शामिल दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में छिनैती और लूट की कई घटनाओं में शामिल दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हथियार मुहैया कराने वाले इनके सहयोगी को भी पकड़ा है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि 27 वर्षीय सुनील लूट और छिनैती के 47 मामलों में शामिल था, जबकि 22 वर्षीय अमित 15 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। वहीं 22 वर्षीय तरुण को इन दोनों को हथियार मुहैया कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि अमित को चेहरा पहचानने वाली तकनीक की मदद से गिरफ्तार किया गया। इन दोनों के पास से छीने गए तीन फोन और दो पिस्तौल जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार कांस्टेबल मुकेश 27 जुलाई को उत्तरपश्चिमी दिल्ली के पीतमपुरा में गश्त कर रहे था और इसी दौरान उन्होंने बाइक सवार दो लोगों को रोका, क्योंकि इन दोनों ने मास्क नहीं पहन रखा था। कोविड 19 महामारी की वजह से मास्क पहनना अनिवार्य है।

जनता से पैसा लेकर 10800 कंपनियों ने दिल्ली सरकार को नहीं दिए पूरे टैक्स

जनवरी से मार्च तक दिल्ली सरकार को 970 कंपनियों ने बिल्कुल भी नहीं जमा किया है टैक्स

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 04 अगस्त। दिल्ली सरकार ने जनता से पैसा लेकर टैक्स जमा नहीं करने वाली कंपनियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इस दिशा में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने जीएसटी विभाग के साथ मंगलवार को बैठक कर टैक्स जमा करने की स्थिति का विश्लेषण किया। जनवरी से मार्च 202021 के बीच कुल 10800 कंपनियों ने कम या शून्य टैक्स जमा किया है। इसमें 970 कंपनियों ने कोई टैक्स जमा नहीं किया। दिल्ली सरकार डिफॉल्टर कंपनियों की लिस्ट तैयार कर चुकी है और सभी को जीएसटी एक्ट के सेक्शन 3ए के तहत नोटिस भेज कर 15 दिन के अंदर टैक्स जमा करने का निर्देश दे रही है। इसके अलावा दिल्ली सरकार दिल्ली में जीएसटी एक्ट के तहत पंजीकृत सात लाख कंपनियों के डाटा का भी अध्ययन कर रही है। उनमें टैक्स जमा में गड़बड़ी मिली तो उन कंपनियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सभी कंपनियों से जल्द से जल्द बकाया टैक्स जमा करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कंपनियां पैसा जमा नहीं करती हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह पैसा जनता का है, जिसे जनता के हित में लगाना है।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आज जीएसटी विभाग के अधिकारियों के साथ करदाताओं के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक की। दिल्ली सरकार सभी करदाताओं का विश्लेषण कर रही है। इस विश्लेषण

से पता चला है कि दिल्ली सरकार को जनवरी 2020 से मार्च 2020 तक मात्र 3777 करोड़ रुपये का टैक्स ही मिल पाया है। वहीं, 201920 में सरकार को 5792 करोड़ रुपये टैक्स मिला था। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 2015 करोड़ रुपये कम टैक्स मिला है। दिल्ली सरकार के विश्लेषण से पता चला है कि दिल्ली में करीब 10800 कंपनियां हैं, जिन्होंने जनवरी से मार्च तक कम या शून्य टैक्स दिया है। इसमें से 970 कंपनियां ऐसी हैं, जिन्होंने बिल्कुल भी टैक्स जमा नहीं किया है। 15 हजार कंपनियों के टैक्स विश्लेषण में यह जानकारी मिली है।

टैक्स जमा करने के मामले में बड़ी संख्या में कंपनियां डिफॉल्टर हैं। इन कंपनियों से टैक्स वसूलने को लेकर दिल्ली सरकार सख्त हो गई है। सरकार का कहना है कि कंपनियों ने पब्लिक से टैक्स का पैसा लिया, लेकिन उसे सरकार को नहीं दिया है। दिल्ली सरकार ऐसे डिफॉल्टर करदाताओं की लिस्ट बना ली है। जीएसटी एक्ट के सेक्शन 3ए के तहत 10800 कंपनियों को नोटिस भेजी जा रही है।

करदाताओं को टैक्स जमा करने के लिए 15 दिन की मोहलत दी जाएगी। यदि निर्धारित समय के अंदर टैक्स जमा नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली में 111 ऐसी शराब कंपनियां हैं, जिन्होंने जनवरी से मार्च तक के वैट का पैसा नहीं दिया है, इन्हें भी नोटिस दी जा रही है।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सभी कंपनियों से अपील की है कि जिन्होंने ने भी जनवरी से मार्च तक का पूरा टैक्स जमा नहीं किया है, वह जल्द से जल्द टैक्स जमा कर दें। यह आम जनता का पैसा है। जिसे कंपनियों ने लोगों से वसूल लिया, लेकिन सरकार को नहीं दिया। इससे कोरोना समेत जनसेवा व जन उपयोग के काम प्रभावित होंगे। सरकार ऐसी कंपनी की पूरी लिस्ट तैयार कर चुकी है। इन कंपनियों ने टैक्स जमा नहीं किया तो, इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उल्लेखनीय है कि दिल्ली राज्य व्यापार और कर विभाग ने पंजीकृत बड़े टर्न ओवर वाले 15000 करदाताओं के रिटर्न फाइलिंग स्थिति का विश्लेषण करना शुरू कर दिया है। विश्लेषण में पाया गया गया है कि केंद्र और राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में शामिल करीब 970 करदाताओं ने 201920 और 202021 का रिटर्न दाखिल नहीं किया है। कुल 10800 कंपनियां ऐसी हैं, जिन्होंने कम या शून्य टैक्स जमा किया है। इन कंपनियों को टैक्स जमा करने के लिए 31 जुलाई तक समय मिला था, जो अब समाप्त हो चुका है।

तबलीगी जमातः प्राथमिकियां रद्द करने की याचिका पर उच्च न्यायालय ने केंद्र, पुलिस से जवाब मांगा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 04 अगस्त। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 23 विदेशी नागरिकों की दो अलगअलग याचिकाओं पर मंगलवार को केंद्र और पुलिस से जवाब मांगा। इन लोगों ने यहां तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल होने और वीजा के नियमों का उल्लंघन कर मिशनरी गतिविधियों में कथित तौर पर संलिप्त होने तथा कोविड19 के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के कारण अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों को रद्द करने का अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंबानी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनवाई करते हुए केंद्र और दिल्ली पुलिस से कहा कि सुनवाई की अगली तारीख दस अगस्त से पहले इस मुद्दे पर स्थिति रिपोर्ट पेश करें। दस अगस्त को इस तरह की अन्य याचिकाएं भी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हैं। उच्च न्यायालय ने पुलिस से कहा कि सभी प्राथमिकियों और निचली अदालत के समक्ष पेश या पेश होने वाले सभी आरोप पत्रों का सारांश पेश करें और उनकी वर्तमान स्थिति के बारे में भी बताएं। अदालत को बताया गया कि

दो अलगअलग याचिकाएं दायर करने वाले इन 23 विदेशी नागरिकों ने दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा द्वारा मामले में दर्ज प्राथमिकी में अपना दोष स्वीकार कर लिया है और प्ली बार्गेनिंग प्रावधानों के तहत कम दंड की याचना की है। विदेशियों की वकील ने कहा कि अलगअलग जुर्माना राशि भरने और कोविड19 लॉकडाउन के उल्लंघन जैसे छोटे मामलों में दोष स्वीकार करने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें वापस भेजने के आदेश भी जारी किए गए थे। विदेशी नागरिकों का प्रतिनिधित्व कर रही वकील अशिमा मंडला ने कहा कि यहां के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज अन्य प्राथमिकियां लंबित होने के कारण वे अपने देश नहीं लौट सके। उन्होंने कहा कि जब याचिकाकर्ता अपने देश लौटना चाह रहे थे तो पता चला कि उनमें से प्रत्येक पर एक और प्राथमिकी दर्ज है और निचली अदालत में आरोप पत्र दायर हो चुका है। ये 23 याचिकाकर्ता ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और श्रीलंका के नागरिक हैं और पुलिस द्वारा दायर आरोप पत्रों में इन्हें आरोपी बनाया गया है। वकील ने उच्च न्यायालय को यह भी सूचित किया कि अमेरिका के दो नागरिकों ने प्ली बार्गेनिंग करने से इंकार कर दिया है और वे मुकदमे का सामना करेंगे।

जमकर बांटे गये शहर में राम नाम के दीये लोग खुद आये आगे

नई दिल्ली। अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मन्दिर निर्माण की शुरवात के मौके पर राजधानी दिल्ली में अनेक संस्थाओं और निजी तौर पर बहुत से लोगों ने दीपोत्सव मनाने के लिए लोगों के बीच पहुंच दीप बांटें। ब्रजराज गौ सेवा ट्रस्ट द्वारा रामदीप पैकेटों का वितरण मोहन पार्क में किया गया। संस्था की ओर से विधायक जितेंद्र महाजन, पूर्व महापौर हर्ष मल्होत्रा, भजपा पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष कैलाश जैन, निगम पार्षद अजय शर्मा को भी रामदीप पैकेट दिए। भाजपा के शहरी केंद्र प्रमुख सन्दीप अग्रवाल, किसान मोर्चा अध्यक्ष ब्रह्मपाल ने प्रयास की सराहना करी। वही ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सिंह का कहना है कोरोना महामारी के कारण कुछ प्रतिबंधो के चलते हम सबका अयोध्या पहुचना सम्भव नही है हमारा ऐसा प्रयास है कि क्षेत्र को ही अयोध्या नगरी बनाया जा सके। इस मौके पर वही संस्था के सदस्य दिपांशु अग्रवाल का कहना है कि हर घर मने दीपोत्सव ऐसा है प्रयास।

कोरोना वायरस के स्ट्रेन में बहुत कम परिवर्तनशीलताः अध्ययन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 04 अगस्त । कोविड 19 के टीके पर काम कर रहे वैज्ञानिकों के लिए यह खबर अच्छी हो सकती है कि एक नये अध्ययन के अनुसार इस बीमारी को फैलाने वाले सार्ससीओवी2 वायरस के कम से कम छह प्रकार (स्ट्रेन) होने के बाद भी यह बहुत कम परिवर्तनशीलता प्रदर्शित करता है।

पत्रिका 'फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायलॉजी' में प्रकाशित और सार्ससीओवी2 पर अब तक के सबसे गहन अध्ययन में कोरोना वायरस के 48,635 जीनोम का विश्लेषण किया गया है।

इन जीनोम को दुनियाभर में अनुसंधानकर्ताओं ने प्रयोगशालाओं से प्राप्त किया। इटली के बोलोना विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने वायरस के सभी महाद्वीपों में फैलने के दौरान इसके फैलाव और उत्परिवर्तन की मैपिंग की। अध्ययन के निष्कर्ष में सामने आया कि नोवेल कोरोना वायरस बहुत कम परिवर्तनशीलता (वैरिएबिलबटी), प्रति नमूने करीब सात उत्परिवर्तन प्रदर्शित करता है। अनुसंधानकर्ताओं

के अनुसा रसामान्य इन्फ्लुएंजा में परिवर्तनशीलता की दर दुगुने से अधिक होती है। बोलोना विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ता फेडेरिको गियोर्जी ने कहा, ''सार्स सीओवी2 कोरोना वायरस संभवतः पहले ही मानव जाति को प्रभावित करने के स्तर पर पहुंच चुका है और यह उसके विकास क्रम में बहुत कम बदलाव को इंगित करता है।'' उन्होंने कहा, ''इसका आशय हुआ कि हम इसके खिलाफ कोई टीका समेत अन्य जो भी उपचार तरीके विकसित कर रहे हैं, वे सभी तरह के वायरस के खिलाफ प्रभावी हो सकते हैं।'' अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि इस समय नोवेल कोरोना वायरस के छह प्रकार सामने आये हैं। उन्होंने कहा कि इनमें सबसे मौलिक 'एल' स्ट्रेन है जो दिसंबर 2019 में वुहान में सामने आया था।

इसके पहले उत्परिवर्तन के बाद 'एस' स्ट्रेन सामने आया जिसका पता 2020 की शुरुआत में चला, वहीं जनवरी के मध्य में 'वी' और 'जी' स्ट्रेन सामने आये। अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार आज की तारीख में सबसे ज्यादा प्रकोप स्ट्रेन 'जी' का है जो फरवरी के अंत तक 'जीआर' तथा 'जीएस' स्ट्रेन में उत्परिवर्तित हुआ।

अवैध ऑनलाइन प्रयोगशालाओं पर प्रतिबंध लगाने के लिए उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर

नई दिल्ली, 04 अगस्त । दिल्ली उच्च न्यायालय में मंगलवार को एक जनहित याचिका दायर कर कथित तौर पर अवैध ऑनलाइन स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई, जो कोविड19 संक्रमण की जांच के लिए नमूने एकत्रित कर रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि इस तरह की संस्थाएं ''खुद को चिकित्सा जांच प्रयोगशाला बताकर गुमराह'' कर रही हैं। याचिका सुनवाई के लिए बुधवार को सूचीबद्ध हो सकती है। इसमें कहा गया है कि इस तरह के स्वास्थ्य सेवा प्रदाता ''आम लोगों के जीवन और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।'' चिकित्सक रोहित जैन की तरफ से दायर याचिका में केंद्र, दिल्ली सरकार और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् को निर्देश देने का आग्रह किया गया कि ''ऑनलाइन सेवा प्रदाताओं के पंजीकरण और नमूना एकत्रीकरण के लिए न्यूनतम मानक के दिशानिर्देश जारी किए जाएं और सेवा प्रदाताओं के नमूना एकत्र करने वाले प्रतिनिधियों की न्यूनतम अर्हता तय की जाए।'' वकील शशांक देव सुधी के मार्फत दायर याचिका में अनुरोध किया गया कि इस तरह के सेवा प्रदाता का पंजीकरण राज्य प्रदूषण नियंत्रण निकायों में हो ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि वे जैव चिकित्सकीय अपशिष्टों के निस्तारण के नियमों का पालन कर सकें। जैन ने याचिका में कहा कि ऑनलाइन स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं पर नियंत्रण के लिए नियमन का अभाव है ओर ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से ''निर्बाध संचालन'' के कारण आम लोगों में उनकी वैधता को लेकर भ्रम है।

जुलाई में निर्यात लगभग पिछले साल के स्तर पर पहुंचाः गोयल

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 04 अगस्त । देश के निर्यात में उल्लेखनीय सुधार दिख रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि जुलाई में निर्यात पिछले साल के समान महीने के स्तर के करीब रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कई संकेतक हैं जिनसे पता चलता है कि देश में आर्थिक गतिविधियों की स्थिति सुधर रही है। गोयल ने कहा, ''हमारा निर्यात पिछले साल के जुलाई के स्तर पर पहुंच गया है। जुलाई, 2019 का करीब 90 प्रतिशत निर्यात का आंकड़ा हमने पा लिया है। वास्तव में हम इसमें तेल से संबंधित निर्यात हटा दें, जिसका मूल्य से हिसाब से हिस्सा काफी कम होता है, तो जुलाई में हमारा निर्यात पिछले साल के समान महीने के 95 प्रतिशत

से अधिक रहा है।'' मंत्री ने कहा, ''आज देश का 'मूड' सिर्फ आर्थिक गतिविधियों को पटरी पर लाने का ही नहीं है, बल्कि आज हम आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। हम अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारना चाहते हैं और उनकी कीमतों को प्रतिस्पर्धी करना चाहते हैं।'' वाणिज्य मंत्रालय जुलाई के निर्यात के आधिकारिक आंकड़े अगस्त मध्य में जारी करेगा। जून में लगातार चैथे महीने देश के निर्यात में गिरावट आई थी। हालांकि, इस दौरान आयात में अधिक बड़ी 47.59 प्रतिशत की गिरावट की वजह से देश 18 साल में पहली बार व्यापार अधिशेष की स्थिति में पहुंचा था। कोविड19 की वजह से कमजोर वैश्विक मांग से जून में मूल्य के हिसाब से देश का निर्यात 12.41 प्रतिशत घटकर 21.91 अरब डॉलर रहा था।

होटल, हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में 75 फीसदी कर्मचारियों की नौकरियों पर लटकी तलवार

नई दिल्ली, 04 अगस्त (वेबवार्ता)। कोरोना काल में बुरी तरह प्रभावित होटल व हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में करीब 75 फीसदी कर्मचारियों की नौकरियों पर तलवार लटकी हुई है। ये होटलों के स्थाई कर्मचारी हैं, जबकि अस्थाई व ठेके पर काम करने वालों की छुट्टी तो पहले ही हो चुकी है। उद्योग सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, छंटनी की प्रक्रिया लगातार जारी है और जिनकी नौकरियां बची हुई हैं, उनको 20 से 50 फीसदी तक वेतन कटौती का सामना करना पड़ रहा है। होटल कारोबार के जानकार बताते हैं कि होटल व हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के हालात काफी खराब हैं और इसमें अगले दो महीनों में सुधार नहीं आया तो 60 से 75 फीसदी तक कर्मचारियों को अपनी नौकरियां गंवानी पड़ सकती है। होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वाइस प्रेसीडेंट के.बी. कचरू से इस संबंध में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि स्थिति वास्तव में बेहद गंभीर है और इस सेक्टर में काम करने वाले करीब पांच करोड़ लोगों के सामने रोजगार का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने स्वीकार किया कि अगले महीने दो महीने में हालात में सुधार नहीं आया तो 60 फीसदी तक लोगों की नौकरियां जा सकती हैं। कचरू ने बताया कि चाहे फाइव स्टार होटल हों, बजट होटल, सभी की वित्तीय स्थिति खराब है, इसलिए होटल कर्मचारियों के लिए रोजगार का संकट बना हुआ है। जानकार सूत्र बताते हैं कि 3040 फीसदी तक छंटनी हो चुकी है।

प्रधानाचार्य स्कूल के गार्डियन, उनके नेतृत्व में सरकार को भरोसा

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली के 19 स्कूलों के प्रधानाचार्यों से की मुलाकात

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 4 अगस्त। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने अपने स्कूल में पिछली बार की तुलना में इस बार सबसे ज्यादा पास पर्सेंटेज या क्वालिटी इंडेक्स में बढ़त दर्ज करने वाले सरकारी स्कूलों के 19 प्राचार्यों से आज बातचीत की।

सिसोदिया ने कहा कि स्कूल में प्राचार्य ही सभी बच्चों के अभिभावक हैं, इसलिए उनपर सबसे ज्यादा दायित्व है। सिसोदिया ने कहा कि आपके नेतृत्व पर हमें पूर्ण भरोसा है और बार्ड परीक्षाओं में शानदार रिजल्ट आपलोगों की बदौलत ही संभव हुआ है। दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस बैठक में सिसोदिया ने खास तौर पर उन रणनीतियों के बारे में बात की जिसके कारण बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे नतीजे हासिल हुए। सिसोदिया ने भविष्य में शतप्रतिशत नतीजे हासिल करने की दिशा में सुझाव भी मांगे और अब तक की कमियों पर भी खुलकर विचार मांगे। सिसोदिया ने कहा कि पांच साल पहले जब दिल्ली मेंअरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में सरकार बनी थी, तब हमने शिक्षा को पहली

प्राथमिकता में रखा था। आज लगता है कि हमारा वह निर्णय बिल्कुल सही था। हमें पांच साल के भीतर काफी उत्साहवर्द्धक नतीजे देखने को मिले हैं। समाज के ऐसे पीछे छूटे हुए वंचित तबके के बच्चे भी अब अच्छी तरह पढ़कर टॉपर बन रहे हैं और मांबाप का नाम रोशन कर रहे हैं। सिसोदिया ने कहा कि दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन के पीछे आपके शिक्षण दृष्टिकोण और रणनीतियों को समझने तथा आपको व्यक्तिगत रूप से बधाई देने के उद्देश्य से आपको आमंत्रित किया है।

हम इस पर भी खुलकर चर्चा करें कि अब तक क्या कमी रह गई और आगे हम किस रणनीति पर चलें ताकि शतप्रतिशत परिणाम हासिल हों। सिसोदिया ने कहा कि इस बातचीत के जरिए हम आपके अनुभव को समझने की कोशिश कर रहे हैं ताकि उन मुद्दों को समझा जा सके जहां हमें काम करने की जरूरत है। श्री सिसोदिया ने कहा कि हर प्राचार्य के पास सफलता और अनुभवों की अपनी अलग कहानी है। हम एक दूसरे से सीखें और अपनी कमियों को दूर करें। आने वाले वर्षों में यही अनुभव हमें शत प्रतिशत नतीजों का रास्ता दिखाएंगे।

चर्चा के दौरान कई प्रायार्यों ने कहा कि मिशन बुनियाद के कारण शानदार सफलता मिली है। जो बच्चे किसी वजह से पढ़ाई में पीछे छूट गए थे, उनके लिए विशेष व्यवस्था करने के कारण काफी सकारात्मक माहौल बना। उन बच्चों को भी एहसास हुआ कि विद्यालय को उनकी चिंता है। इसलिए उन्होंने पूरी लगन से पढ़ाई की। चर्चा में यह बात भी सामने आई कि ईएमसी कक्षाओं में माइंडफुलनेस गतिविधियों ने छात्रों में एकाग्रता बनाने में मदद की।

इसने कक्षा में शिक्षकोंछात्रों को जोड़ने में मदद की। पहले धारणा थी कि शिक्षक केवल तेज, स्मार्ट, मुखर बच्चों पर ध्यान देते हैं। लेकिन इन कक्षाओं के कारण शिक्षकों ने उन सभी छात्रों के साथ बातचीत की जो संकोची स्वभाव के थे या कक्षा में कम बात करते थे।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी वेब वार्ता®
पल-पल की खबर हर पल
JAS-ANZ
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

ऑनलाइन बी2बी ज्वैलरी प्रदर्शनी की घोषणा

नई दिल्ली। इन्फॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया तथा इन्फॉर्मा मार्केट्स के ज्वैलरी ग्रुप द्वारा संचालित एक व्यापक डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए पेशेवर खरीदारों और विक्रेताओं को एक साथ लाने वाली ऑनलाइन बी2बी कम्युनिटी, ज्वैलरी नेट ने साथ मिलकर 19 अगस्त से दो दिवसीय 'ज्वैलरी एंड जेम्स वर्चुअल एग्जीबिशन' की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस वर्चुअल शो में महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, जम्मू कश्मीर, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल के अलावा कई अन्य राज्यों के कारोबारी भाग लेंगे। ज्वैलरी एंड जेम्स वर्चुअल एग्जीबिशन को द बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन, मालीवारा ज्वैलर्स एसोसिएशन, दिल्ली, मेरठ बुलियन ट्रेडर्स एसोसिएशन, दिल्ली ज्वैलर्स एसोसिएशन, हाईटेक सिटी ज्वैलरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और ज्वैलरी एंड मशीनरी एसोसिएशन का समर्थन प्राप्त है, और यह एग्जीबिशन रत्न एवं आभूषण बिरादरी से जुड़े जानेमाने ब्रांडों, सलाहकारों, व्यापार क्षेत्र के विशेषज्ञों तथा प्रमुख सरकारी अधिकारियों को एक वर्चुअल प्लेटफार्म पर एक साथ लाएगी। इस प्रदर्शनी में आभूषणों के थोक विक्रेता, रिटेलर, आयातक एवं निर्यातक, आभूषण निर्माता, हीरा, रत्न तथा मोतियों के आपूर्तिकर्ता और व्यापारी, कीमती धातु और आभूषणों का कारोबार करने वाले एवं आपूर्तिकर्ता, तथा व्यापार और सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगें।

हमारे विनिर्माण संयंत्र 70 प्रतिशत क्षमता पर परिचालन कर रहे हैं: एशियन पेंट्स

नई दिल्ली। कोविड महामारी और लॉकडाउन की वजह से एशियन पेंट्स के विनिर्माण संयंत्र 70 प्रतिशत क्षमता पर परिचालन कर रहे हैं। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि दूसरी, तीसरी और चैथी श्रेणी के शहरों में मांग की स्थिति बेहतर है और उसका कारोबार तेजी से सुधर रहा है। लेकिन महानगरों और पहली श्रेणी के शहरों में सुधार की रफ्तार धीमी है।

शेयर बाजारों को भेजी सूचना में एशियन पेंट्स ने कहा, ''मार्च, 2020 की शुरुआत से जो भी परिचालन बाधित हुआ था, वह मई के प्रारंभ से शुरू हो गया है। संबंधित सरकारी मंजूरियों के बाद कंपनी के सभी विनिर्माण संयंत्रों में परिचालन शुरू हो चुका है।'' कंपनी ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में सीमित परिचालन की अनुमति मिली है, जबकि कुछ में पूर्ण क्षमता से परिचालन की अनुमति है। एशियन पेंट्स ने कहा कि इस समय उसके विनिर्माण संयंत्र 60 से 70 प्रतिशत क्षमता पर परिचालन कर रहे हैं। कंपनी ने बताया कि सुरक्षा, सामाजिक दूरी तथा साफसफाई से संबंधित सभी सावधानियों के साथ उसके 95 प्रतिशत बिक्री कार्यालय फिर खुल चुके हैं। जून में समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एशियन पेंट्स का एकीकृत शुद्ध लाभ 67.32 प्रतिशत घटकर 219.61 करोड़ रुपये रहा था।

दक्षिण कोरिया के राजदूत ने की कोविड- 19 से मुकाबला करने के दिल्ली मॉडल की तारीफ

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 04 अगस्त । दक्षिण कोरिया के राजदूत एच.ई. शिन बोंग किल ने मंगलवार को कोविड महामारी से निपटने के लिए दिल्ली मॉडल की जमकर तारीफ की। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली मॉडल की प्रशंसा करने के लिए दक्षिण कोरिया के राजदूत को धन्यवाद दिया है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे खुशी है कि दिल्ली मॉडल को दुनिया भर में पहचाना जा रहा है और कोविड 19 से लड़ने और उसे हराने के लिए सभी देशों को एक साथ हाथ मिलाने की जरूरत है। एक वीडियो संदेश में, दक्षिण कोरिया के राजदूत एच.ई. शिन बोंगकिल ने कहा, ''मैं दिल्ली मॉडल से बहुत प्रभावित हूं। वास्तव में, कोरियाई मॉडल 3टी टेस्ट, ट्रेस एंड ट्रीट पर आधारित है। वहीं, दिल्ली मॉडल टेस्ट और होम क्वारंटीन पर आधारित है, और यह एक बहुत ही प्रभावी और बुद्धिमानी भरा उपाय है,

जो भारत और विशेष रूप से दिल्ली की परिस्थिति के मद्देनजर बनाया गया है। मैं बहुत खुश हूं और मैं दिल्ली सरकार को बधाई देना चाहूंगा कि उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। शिन बोंगकिल को धन्यवाद देते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''मुझे खुशी है कि हमारे दिल्ली मॉडल को दुनिया भर में पहचाना जा रहा है। मैं दक्षिण कोरिया के राजदूत एच शिन बोंगकिल को उनके उत्साह बढ़ाने वाले शब्दों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। सभी देश कोविड को हराने के लिए एक साथ आ रहे हैं और यह समय की जरूरत है। दिल्ली में पिछले 24 घण्टे में एक्टिव केस की संख्या में भारी गिरावट देखी गई है। एक्टिव केस 10,000 से कम हो गए हैं। पिछले 24 घंटे में होने वाली मौतों की संख्या भी घटकर केवल 12 हो गई है। होम आईसोलेशन, अधिक जांच, बेड की संख्या में वृद्धि और बेहतर चिकित्सा बुनियादी ढांचे ने दिल्ली में कोविड के सकारात्मकता और मृत्यु दर को कम किया है।

दिल्ली में स्मॉग टावर लगाने का काम केन्द्र जल्द शुरू करे

वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिये पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार में स्मॉग टावर लगाने के निर्देश

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 4 अगस्त । उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को केन्द्र से कहा कि वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिये पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार में स्मॉग टावर लगाने का काम जल्द से जल्द शुरू किया जाये। न्यायमूर्ति अरूण मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ को केन्द्र की ओर से सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने सूचित किया कि वायु प्रदूषण कम करने के लिये विशाल आकार के एयर प्यूरीफायर का ढांचा तैयार करने और स्मॉग टावर लगाने में दस महीने का वक्त लगेगा और प्राधिकारी यह समयसीमा कम करने की स्थिति में नहीं हैं। पीठ ने कहा, ठीक है लेकिन यह काम जल्द से जल्द शुरू होना चाहिए।'' शीर्ष अदालत ने मेहता से कहा कि वह इस परियोजना की समय सीमा के बारे में 10 अगस्त को न्यायालय को जानकारी दें और यह

भी बतायें कि स्मॉग टावर लगाने का काम कब तक शुरू हो सकता है। इस मामले की वीडियो कॉन्फ्रेन्स के माध्यम से सुनवाई के दौरान मेहता ने कहा कि यह काम आईआईटी, मुंबई की देखरेख में किया जायेगा जबकि इसके लिये धन सरकार मुहैया करायेगी। इससे पहले, केन्द्र ने 30 जुलाई को न्यायालय को सूचित किया कि पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार में स्मॉग टावर लगाने के लिये सहमति पत्र तैयार हो गया है और इस पर सभी हितधारक हस्ताक्षर करेंगे।

न्यायालय ने सरकार से जानना चाहा था कि इस परियोजना को तीन महीने के भीतर पूरा करने के उसके 13 जनवरी के आदेश का अनुपालन क्यों नहीं हुआ। शीर्ष अदालत को बताया गया था कि पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार में स्मॉग टावर परियोजना से आईआईटी मुंबई पीछे हट गया है। न्यायालय ने इस घटनाक्रम पर निराशा व्यक्त की थी और कहा था कि उसे न्यायालय के आदेश का उल्लंघन करने और पीछे हटने के मामले में आईआईटी, मुंबई और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ेगी क्योंकि यह आदेश उसी के आधार पर दिया गया था। हालांकि, सॉलिसीटर जनरल ने पीठ को बताया था कि केन्द्र ने आईआईटी, मुंबई और केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित अन्य से संपर्क किया था और अब इस परियोजना के लिये सहमति पत्र तैयार हो गया है। न्यायालय ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बड़ी संख्या में निर्माण कार्य, खदानों में खनन और ऐसी ही अन्य गतिविधियों की वजह से वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुये स्मॉग टावर लगाने का निर्देश दिया था।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2,901 विचाराधीन कैदियों की अंतरिम जमानत 45 दिन बढ़ाई

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 04 अगस्त । दिल्ली उच्च न्यायालय ने कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर यहां की जेलों भीड़भाड़ कम करने के लिये मंगलवार को 2,901 विचाराधीन कैदियों की अंतरिम जमानत की अवधि 45 दिन के लिये बढ़ा दी। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति तलवंत सिंह ने उच्चाधिकार प्राप्त समिति के इस अवलोकन के मद्देनजर यह आदेश जारी किया कि इस वक्त अदालत के सामान्य कामकाज शुरू

होने की कोई समय सीमा का अनुमान नहीं किया जा सकता। साथ ही, इस बारे में भी निश्चितता नहीं है कि महामारी का खतरा कब जा कर सामाजिक दूरी में कमी लाने की जरूरत को कम करेगा। अदालत ने कहा कि इन विचाराधीन कैदियों की अंतरिम जमानत राहत समाप्त होने की तारीख से पूर्व के समान नियम एवं शर्तों पर 45 दिन के लिये बढ़ाई जाती है। वीडियो कांफ्रेंस के जरिये सुनवाई करते हुए पीठ ने महानिदेशक (कारागार) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी 2,901 विचाराधीन कैदियों को टेलीफोन एवं अन्य उपलब्ध माध्यम से अदालत के आदेश से अवगत कराया जाए। बहरहाल, अदालत ने अगली सुनवाई के लिये 18 सितंबर की तारीख निर्धारित कर दी। उल्लेखनीय है कि न्यायाधीश हिमा कोहली की अध्यक्षता वाली समिति ने 31 जुलाई की अपनी बैठक में कहा था कि उसका यह विचार है कि अंतरित जमानत की अवधि बढ़ाने और इसकी सिफारिश करने के लिये एक न्यायिक आदेश की जरूरत होगी। सुनवाई के दौरान पीठ ने महामारी के मद्देनजर अब तक जमानत पर रिहा किये गये विचाराधीन कैदियों की संख्या और जेल में मौजूद कैदियों की संख्या के बारे में भी पूछा। दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव कंवल जीत अरोड़ा ने पीठ को बताया कि 30 जुलाई तक कुल 4,439 विचाराधीन कैदियों, दोषियों को अंतरित जमानत या पैरोल या सजा में कमी करते हुए रिहा किया गया तथा करीब 14,000 कैदी अभी जेल में हैं, जबकि जेल की क्षमता 10,026 कैदियों की है। जेलों में भीड़भाड़ कम करने से पहले यह संख्या 18,000 थी। इस पर, पीठ ने कहा, ''आप अवश्य ही इसे उच्चाधिकार प्राप्त समिति के संज्ञान में लाएं।''

कोरोना योद्धा सफाई कर्मचारी के परिजनों को 10 लाख रूपए का चैक सौंपा

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के महापौर निर्मल जैन ने निगम मुख्यालय में कोरोना योद्धा सफाई कर्मचारी मनोज कुमार के परिवार को पूर्वी दिल्ली नगर निगम की ओर से 10 लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान की। पूर्वी दिल्ली नगर निगम के शाहदरा (उत्तरी) क्षेत्र में सफाई कर्मचारी के तौर पर कार्यरत मनोज कुमार की कोविड19 से कार्य करते हुए मृत्यु हो गई थी।

महापौर, निर्मल जैन ने मनोज कुमार की पत्नी श्रपूजा को सफाई कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में आर्थिक सहायता का चैक सौंपा। महापौर जैन ने कहा कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम के कर्मचारी, विशेषकर सफाई कर्मचारी कोरोना महामारी के दौरान भी निरंतरता व समर्पण के साथ अपने कार्य में लगे हुए हैं और पूर्वी दिल्ली की जनता की सेवा कर रहे हैं।जैन ने ऐसे ही एक कोरोना योद्धा, मनोज कुमार की मृत्यु पर निगम परिवार की ओर से शोक प्रकट किया और ईश्वर से दिवंगत के परिवार को मनोबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

डीयू से डिग्री प्रमाणपत्र हासिल करने में डॉक्टर कर रहे हैं संघर्ष: अदालत

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नयी दिल्ली । दिल्ली उच न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से डॉक्टरों के लिये डिग्री प्रमाणपत्र हासिल करना टेढ़ी खीर हो गई है क्योंकि ये लोग कोविड19 मरीजों के इलाज में व्यस्त होने के बावजूद विश्वविद्यालय से प्रमाणपत्र हासिल करने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। स्नातक हो चुके छात्रों को डिजिटल डिग्री जारी करने के लिये उपयुक्त कदम नहीं उठाने के डीयू के आचरण से नाखुश न्यायमूर्ति प्रतिभा एम इक्ससह ने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रशासन पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है और यह दयनीय स्थिति को प्रर्दशित करता है।

उच न्यायालय 21 डॉक्टरों की याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिन्होंने 2018 और 2019 में लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और यूनिर्विसटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज से एमबीबीएस का पाठ्यक्रम पूरा किया था। लेकिन आज की तारीख तक उन्हें डिग्री प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं हुआ है। ये संस्थान डीयू से संबद्ध हैं। अदालत ने कहा कि विश्वविद्यालय को पर्याप्त समय दिय जाने के बावजूद उसने उपयुक्त कदम नहीं उठाये और डिजिटल डिग्री जारी करने में पूरी तरह से मानसिक बाधा नजर आती है। अदालत ने कहा, डिग्री जारी होने पर खुशी का माहौल होता है, लेकिन यह इन डॉक्टरों के लिये टेढ़ी खीर हो गई है, जो कोविड 19 मरीजों के इलाज में व्यस्त हैं।'' न्यायमूर्ति सिह ने डिजिटल दस्तावेज जारी करने पर काम करने के लिये तीन अधिकारियों की एक समिति गठित की है , जिनमें दिल्ली उच न्यायालय के आईटी विभाग के एक अधिकारी, डिजिलॉकर से एक वरिष्ठ अधिकारी और डीयू कंप्यूटर साइंस सेंटर के संयुक्त निदेशक संजीव सिह शामिल हैं। अदालत ने निर्देश दिया कि अधिकारी बुधवार को डीयू कार्यालय में सिह से मिलेंगे और एक याचिककार्ता की डिग्री का एक नमूना प्राप्त करेंगे तथा उस पर डिजिटल हस्ताक्षर कराएंगे।

अदालत ने कहा कि डिग्री प्रमाणपत्र का नमूना सुनवाई की अगली तारीख सात अगस्त को उसके समक्ष पेश किया जाए और समिति को स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया।

सैल्यूट तिरंगा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा ने की सुशांत सिंह केस में सीबीआई जांच की मांग

(नीरज पांडे/वूमेन एक्सप्रेस)

नई दिल्ली। विगत 14 जून को बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या की खबर ने देश में सनसनी पैदा कर दी । मुंबई पुलिस के अनुसार उनकी मौत एक आत्महत्या थी मगर जांच अभी जारी है, किन्तु पिछले हफ्ते उनकी गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती के खिलाफ सुशांत को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और पैसे ऐंठने का मामला सामने आया है। सुशांत के परिवार की ओर से रिया के खिलाफ मानसिक प्रताड़ना देकर आत्महत्या के लिए मजबूर करने जैसे आरोप लगाकर केस दर्ज कराया गया है। जिसके बाद बिहार पुलिस इस मामले की जांच में लगी, तभी से जांच को लेकर बिहार पुलिस और मुंबई पुलिस के बीच थोड़ी खींचातानी के आरोप लग रहे हैं। इस विषय में सैल्यूट तिरंगा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा ने बिहार के बेटे सुशांत सिंह राजपूत की मौत की सी बी आई जांच की मांग की है। राजेश झा ने इस विषय पर संवाददाता से कहा कि बिहार के प्रतिभाशाली युवा सुशांत सिंह राजपूत जो बिहार के युवाओं के

लिए प्रेरणा श्रोत थे उनके मौत की सीबीआई जांच हो। उनके मौत के कुछ दिन पहले उनकी स्पीच जो उन्होंने आईआईटी के मंच पर दी थी वो मैंने सुनी थी, ऐसे प्रतिभावान सुशांत सिंह राजपूत के मौत की सीबीआई जांच हो और दोषी को कठोर से कठोर सजा दी जाए कि फिर भविष्य में किसी और के साथ ऐसी घटना नहीं हो सके।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पूर्वोत्तर राज्यों को मिल रहा है न्याय: जावड़ेकर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 04 अगस्त। केन्द्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने मंगलवार को दूरदर्शन (डीडी) असम चैनल का डिजीटल माध्यम से लॉन्च किया। इससे पहले वहां सभी पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक चैनल हुआ करता था लेकिन मंगलवार से असम राज्य के लिए चैबीस घंटे के चैनल की शुरुआत की गई। इस मौके पर डिजीटल माध्यम से असम के राज्यपाल जगदीश मुखी, मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल, सूचना व प्रसारण सचिव अमित खरे सहित दूरदर्शन के कई अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर केन्द्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने डीडी असम के शुभारंभ पर खुशी जताते हुए कहा कि असम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अच्छा काम हो रहा है। यहां के लोगों को डीडी असम चैनल मिला है जिसे लोग सेटटॉप बॉक्स लगाकर निःशुल्क देख सकते हैं। इस फ्री सेट

टॉप बॉक्स के बारे में लोगों को बताना चाहिए ताकि वे दूरदर्शन के सभी 104 चैनल फ्री में देख सकें। इसके साथ डीडी के छह राष्ट्रीय चैनल है। कोरोना काल में इस पर रेट्रो कार्यक्रम के प्रसारण की शुरुआत प्रयोग के तौर पर हुई, जिस पर पुराने सीरियल दिखाए जाते हैं। प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि साल 2000 में पूर्वोत्तर राज्यों के लिए डीडी चैनल की शुरुआत हुई थी लेकिन अब पूर्वोत्तर राज्यों में अलग अलग चैनल की शुरुआत होनी शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का विजन है कि पूर्वोत्तर राज्य देश के लिए विकास इंजन बनेगा।

असम प्राकृतिक विविधता से भरा हुआ है, यहां मेहनती लोग है, सेवा उद्योग की अपार संभावनाएं हैं, थोड़ी कनेक्टिविटी की कमी थी, इस पर भी पिछले छह महीनों में काफी काम हुआ है और उस कमी को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि असम सर्विस हब बन जाएगा, हाल के दिनों में रेलवे, हवाई यातायात और सभी तरह के यातायात के साधनों में बढ़ोतरी हुई है।

शीघ्र न्याय दिलाना सुनिश्चित करे सरकार व न्यायपालिका: नायडू

नई दिल्ली, 04 अगस्त (वेबवार्ता)। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने उच्चतम न्यायालय सहित विभिन्न अदालतों में लंबित मामले की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए मंगलवार को सरकार एवं न्यायपालिका से अपील की कि विलंब के मुद्दों पर ध्यान देकर शीघ्र न्याय दिलाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

नायडू ने न्याय निष्पादन में तेजी लाने और इसे वहन योग्य बनाने की जरूरत को रेखांकित किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मामलों की सुनवाई स्थगित होने का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि इससे न्याय महंगा हो गया है। उपराष्ट्रपति वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आंध्र प्रदेश के डा. वी आर आंबेडकर विधि कालेज के प्लेटिनम जुबली समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (जनहित याचिका) को व्यक्तिगत, राजनीतिक और आर्थिक कारणों से प्राइवेट इंटरेस्ट लिटिगेशन (निजी हित याचिका) नहीं बनना चाहिए। अगर यह (जनहित याचिका) व्यापक लोक हित में है, तो कई बुराई नहीं है। नायडू ने विधि छात्रों से ऐसे लोगों की आवाज बनने को कहा जो अपनी आवाज नहीं पहुंचा पाते। उन्होंने विधि छात्रों से अपने कानूनी ज्ञान का उपयोग कमजोर वर्ग के लोगों के लिये करने और उनकी कानूनी मदद करने के लिये कहा। उपराष्ट्रपति ने विधि छात्रों से पेशेवर तौर तरीका एवं नैतिक आचरण विकसित करने को कहा। उन्होंने भयमुक्त एवं निष्पक्ष तरीके से अपने कर्तव्य का पालन करने को कहा। नायडु ने कहा कि कानून को सामान्य होना चाहिए और उलझा हुआ नहीं होना चाहिए। इसका ध्यान केवल शब्दों पर नहीं बल्कि इसकी भावना पर होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''कानून का मकसद और उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए।''

बुरा दौर बीता, कृषि क्षेत्र कोविड से प्रभावित अर्थव्यवस्था को उबारने में मदद करेगा

नई दिल्ली, 04 अगस्त (वेबवार्ता)। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बुरा दौर अब संभवतः बीत चुका है। वित्त मंत्रालय की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बेहतर मानसून की संभावना को देखते हुए कृषि क्षेत्र कोरोना वायरस से प्रभावित अर्थव्यवस्था को उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आर्थिक मामलों के विभाग की ओर से जारी जुलाई की वृहद आर्थिक रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल के संकट के बाद भारत अब पुनरोद्धार की राह पर है। इसमें सरकार और केंद्रीय बैंक की नीतियों से समर्थन मिला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अनलॉक के चरण में हैं। इससे पता चलता है कि अर्थव्यवस्था का बुरा समय बीत गया है। हालांकि, कोविड19 के बढ़ते मामलों और विभिन्न राज्यों में बारीबारी से लग रहे लॉकडाउन से जोखिम कायम है। रिपोर्ट कहती है कि कोविड19 के मामलों में बढ़ोतरी तथा इसकी वजह से राज्यों द्वारा कुछकुछ दिनों लिए लगाए जा रहे लॉकडाउन से सुधार की संभावनाएं कमजोर पड़ रही हैं। ऐसे में इसकी निरंतर निगरानी करने की जरूरत है। हालांकि, रिपोर्ट में कृषि क्षेत्र को लेकर भरोसा जताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था को कोविड 19 के झटकों से उबरने में कृषि क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि क्षेत्र को कोविड 19 की वजह से लागू लॉकडाउन से जल्दी और सही समय पर छूट दी गई, जिससे रबी फसलों की कटाई समय पर हो सकी। साथ ही खरीफ फसलों की बुवाई भी की जा सकी। रिपोर्ट कहती है कि गेहूं की रिकॉर्ड खरीद से किसानों के हाथों में 75,000 करोड़ रुपये गए हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों में निजी उपभोग बढ़ाने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर, 2019 से व्यापार का रुख कृषि क्षेत्र की ओर हुआ है जिससे ग्रामीण मांग बढ़ाने में मदद मिली है। इससे मार्च से जून, 2020 से ग्रामीण क्षेत्रों की मुख्य मुद्रास्फीति बढ़ी है। रिपोर्ट में हालिया कृषि क्षेत्र के सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि इससे कृषि क्षेत्र नियंत्रण मुक्त हुआ है। साथ ही इनसे किसान सशक्त हुए हैं और वे भारत के विकास की कहानी का एक बड़ा और अधिक स्थिर भागीदार बन सके हैं। अर्थव्यवस्था में सुधार के कुछ संकेतों का उल्लेख करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है ।

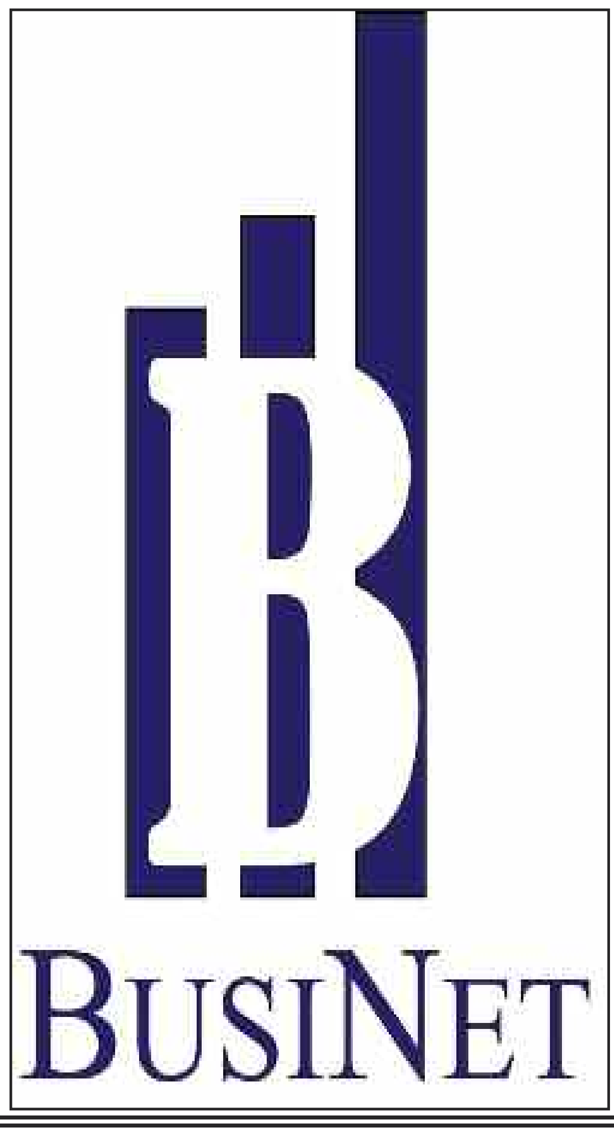

संपादकीय

जीवन के हर क्षेत्र में प्रेरणास्रोत और प्रकाश स्तंभ हैं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम भारत की आत्मा हैं। राम भारतीय संस्कृति के भव्यदिव्य मंदिर के न केवल चमकते शिखर हैं, अपितु वे वास्तव में उसके आधार भी हैं। इसलिए राम का जीवन उनके समय से लेकर आज तक प्रासंगिक है। उनका जीवन प्रकाश स्तम्भ की तरह है, जो अंधेरे में हमारा मार्ग प्रशस्त करता है। संसार का ऐसा कोई प्रश्न नहीं है, जिसका व्यवहारिक आदर्श उत्तर राम ने अपने आचरण से नहीं दिया हो। उनके जीवन में सारा जग समाया हुआ है। बाबा तुलसीदास लिखते हैं 'सिय राम मय सब जग जानी, करहु प्रणाम जोरी जुग पानी।' राष्ट्र एवं समाज जीवन की दिशा क्या होनी चाहिए, यह रामकथा में राम के जीवन से अनुभूत की जा सकती है। वह ऐसे नरश्रेष्ठ या अवतार हैं, जिन्होंने वाणी से नहीं अपितु आचरण से जीवनदर्शन को प्रस्तुत किया। इसलिए वह सीधे लोक से जुड़ते हैं। असाधारण होकर भी अपने साधारण जीवन से समूचे लोक का नेतृत्व करते हैं। राम भारतीय संस्कृति के ऐसे नायक हैं, जिन्होंने समाज के सुखदुःख और उसकी रचना को नजदीक से देखासमझा। अयोध्या के राजकुमारराजा से कहीं अधिक बड़ी भूमिका में राम हमें एक ऐसे जननायक के रूप में दिखाई पड़ते हैं, जिन्होंने उत्तर से दक्षिण तक दुष्ट राजाओं के आतंक से भयाक्रांत भारतीय समाज के साहस को जगाया और उन्हें एकजुट किया। अन्याय के विरुद्ध प्रतिकार और पराक्रम का बल दिया। राष्ट्र के सोये हुए भाग्य को जगाने का काम लोकनायक करते हैं, वही प्रभु राम ने किया।

शक्तिशाली राज्य अयोध्या के महाराज दशरथ के वीर पुत्र और भावी सम्राट होने मात्र से राम जनता के नायक नहीं हो जाते। वह अपने व्यक्तित्व को इस प्रकार गढ़ते हैं कि जनता उन्हें स्वाभाविक तौर पर अपना नायक मानती है। जनमानस में राम के प्रति कितना समर्पण था, उनके प्रति कितनी आस्थाभक्ति थी, व्यापक स्तर पर उसका पहला प्रकटीकरण तब होता है, जब राम अयोध्या का भव्य महल छोड़कर वन की ओर निकलते हैं। अयोध्या के समस्त मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। राम को रोकने के लिए जनसैलाब उमड़ आया है। रथ के आगे लोग लेट गए हैं। राम उनसे दूर जाएं, अयोध्या का कोई भी जन यह स्वीकार करने को तैयार नहीं। अयोध्या में आर्तनाद छा गया। यह अगाध श्रद्धा, अपनत्व, ममत्व, स्नेह और भक्ति राम ने अपने आचरण से कमाई थी। अयोध्या का हाल देखकर भरत अपने भाई को वापस लाने के लिए चित्रकूट में पहुँचते हैं। राम से लौटकर चलने के लिए मनुहार करते हैं। करबद्ध प्रार्थना करते हैं। किंतु, राम को मर्यादा की स्थापना करनी है। वह भरत को मना कर देते हैं। परंतु, अयोध्या का क्या, जो दशरथ के बाद राम की है। राम ही अयोध्या को नेतृत्व दे सकते हैं। क्योंकि, अयोध्या की जनता सिर्फ 'रामराज्य' चाहती है। राम के विरह की अग्नि अभी ठण्डी भी कहाँ हुई थी? ऐसे में भरत स्वप्न में भी अयोध्या के सिंहासन पर बैठने की सोच नहीं सकते। भाई राम के प्रति भी भरत के मन में जो श्रद्धा है, वह भी इसकी अनुमति नहीं देती। भले ही माता कैकयी भरत को राजा के रूप में सिंहासन पर बैठे देखना चाहती थीं। यदि किसी दबाव में भरत यह करते तो जनमानस उनके विरुद्ध हो सकता था। अयोध्या को सिर्फ राम संभाल सकते थे। इसलिए भरत ने राम की चरणपादुकाएं लीं और अयोध्या लौट गए। महल छोड़कर राम जब वन पहुँचते हैं, तब उन्हें ज्ञात होता है कि समाज किन कठिनाइयों से गुजर रहा है। हालाँकि, गुरु वशिष्ठ उन्हें पहले भी समाज की समस्याओं से साक्षात्कार करा चुके थे। समाज को अत्यंत समीप से देखने के बाद राम उसे संगठित और जागृत करना चाहते थे। इसलिए भी संभव है कि राम अयोध्यावासियों और अपने प्रिय भाई भरत की प्रार्थनाओं को अस्वीकार कर देते हैं। वह साधारण जीवन जी कर समाज के सामने अनेक प्रकार के उदाहरण प्रस्तुत करना चाहते हैं। वह चाहते तो वन में किसी एक जगह सुंदर और साधनसम्पन्न कुटिया बना कर रह सकते थे।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
निएर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : मनोज श्रीवास्तव
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : सत्य प्रकाश
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

इलाहाबाद कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइनस।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

पूरी मानवता को समर्पित थे: सद्गुरु माता सविंदर हरदेव जी

निरंकारी मिशन के प्रमुख चौथे सद्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के ब्रह्मलीन होने के बाद माता सविंदर हरदेव जी निरंकारी मिशन के पाँचवे सद्गुरुरूप में प्रकट हुए। वह इस मानवता के मिशन की स्थापना के लिए सदैव ही यत्नशील रहे। माता सविंदर हरदेव जी सामाजिक कार्य और जनकल्याण के लिए लगातार भक्तों के साथ प्रेमभाव, आदरमान और सांसारिक भाईचारे के लिए कार्यशील थे और सभी को जाति पाति, ऊँचनीच, वर्ण, मज़हब, आश्रम पर आधारित भेदभावों से मुक्त करते रहे। माता सविंदर हरदेव जी का जन्म 12 जनवरी 1957 को पिता मनमोहन सिंह और माता अमृत कौर के घर में हुआ था। इनका पालनपोषण गुरमुख सिंह आनंद और माता मदन कौर ने फरुखाबाद (उतर प्रदेश) में रहकर किया। जिन्होनें इन्हें गोद लिया था,किन्तु उस समय पर शायद उनको भी पता नहीं होगा कि वह किस महान हस्ती को अपने घर लेकर जा रहे थे। यह गोद लेने वाला काम शहनशाह बाबा अवतार सिंह के आशीर्वाद के साथ हुआ था। इनका बचपन बहुत ही सादगी और सरलतापूर्वक बीता।माता सविंदर हरदेव की प्राथमिक शिक्षा फरुखाबाद (उतर प्रदेश) में हुई। उसके बाद 1966 में इन्होंने मंसूरी के एक लैरिश इंस्टीट्यूट, कॉन्वेंट ऑफ जीसस एंड मैरीमें दाखिला कर वहाँ से 1973 में सीनियर सैकेण्ड्री की शिक्षा प्राप्त की। वह बचपन से ही प्रतिभाशाली विद्यार्थी रहीं। यही कारण था कि हर विषय में इनके शतप्रतिशत अंक आते थे। सीनियर सैकेण्ड्री स्तर तक इन्होंने अंग्रेज़ी भाषा तथा साहित्य के अतिरिक्त, इतिहास, भूगोल, हिंन्दी एवम्सामाजिक विज्ञान विषयों का अध्ययन किया। पी. दास और विना भारद्वाज, जो कि इनके स्कूल के अध्यापक रहे, उन्होंने बताया कि वह बहुत ही प्रतिभाशाली और मेहनती छात्रा थी। अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व से इन्होंने अपने हर अध्यापक का दिल जीत लिया। बाद में उच्च शिक्षा के लिए वह दिल्ली आ गईं और प्रसिद्ध दौलत राम कॉलेज से शिक्षा हासिल की।14 नवंबर, 1975 को दिल्ली में इनका विवाह सद्गुरु बाबा हरदेव सिंह के साथ हुआ और इस तरह यह विश्व प्रसिद्ध सद्गुरुबाबा गुरबचन सिंह के परिवार का हिस्सा बन गईं। इसके बाद इन्होंने विश्वमुक्ति दौरे पर इटली, स्विजरलैंड, फ्राँस, बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया आदि देशों की यात्रा कीं, और निरंकारी मिशन का प्रचार किया। 24 अप्रैल 1980 में एक दुःखदायी घड़ी आई और सद्गुरु बाबा गुरुबचन

5 अगस्त 2020 पर विशेष

सिंह भ्रमित मानसिकता की हिंसा के शिकार हो गए। इस घटना के साथ पूरे निरंकारी जगत में शोक की लहर दौड़ गई और हर ओर घोरअंधेरा छा गया। इस समय बाबा हरदेव सिंह को गुरगद्दी सौंप दी गई। बाबाजी के सद्गुरु रूप में आने के बाद साध संगत ने इनको पूज्य माताजी का दर्जा दिया। उसके बाद यह हमेशा ही बाबाजी के साथ कंधे के साथ कंधा मिलाकर निरंकारी मिशन और निरंकारप्रभु के प्रचार प्रसार में लग गईं। इन्होंने हमेशा ही अपने आपको बाबा जी की गुरसिख समझकर ज़िंदगी जी और सांसारिक रिश्तों को ज़्यादा एहमियत नहीं दी। इनके घर में तीन पुत्रियों समता जी, रेणुका जी और सुदीक्षा जी ने जन्म लिया जोकि पूरी तरह गुरु भक्ति को समर्पित है। माता सविंदर जी ने बाबा हरदेव सिंह जी के साथ केवल भारत के अलगअलग प्रान्तों में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में फैले हुए निरंकारी भक्तों के साथ वह मिली और भक्तों के घरों में जाकर भी आशीर्वाद दिया। इन्होंने 36 साल तक बाबा हरदेव सिंह के साथ मिलकर मानव मात्र को अज्ञानता के अंधेरे से निकालकर भलाई की ओर आगे बढ़ाते हुए नारी को पुरुष के समान होने का सबूत दिया।सद्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी के ब्रह्मलीन होने के बाद, जब माहौल बेहद भावुक था, श्रद्धालु भक्त घोर सोगी माहौल में विचर रहे थे तब सद्गुरु रूप में माता सविंदर जी ने अपने पहले सम्बोधन के दौरान ही इन्होंने स्पष्ट कर दिया कि परमात्मा का ईश्वरीय आदेश अटल है, हम सबने इस भाणे के अंदर रहकर बाबाजी के मानवता के उत्थान के लिए चलाए जा रहे कामों को आगे बढ़ाना है। माता सविंदर जी हर तरह से समाज का विकास चाहती थी। इसके साथ ही बच्चों और महिलाओं को भी आगे बढ़ते हुए देखना चाहती थी। सद्गुरु माता सविंदर हरदेव जी ने औरतों को सांसारिक उपलब्धियों के लिए कठिन मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिलाओं को अपना समय और ऊर्जा आध्यात्मिक मार्ग पर चलते हुए सेवा और सत्संग में लगाने के लिए भी प्रेरित किया। वह बच्चों को समझाकर आगे बढने के लिए प्रेरित करते थे। उन्होंने बताया कि बच्चों को दी गई प्रशिक्षण में उनके भविष्य का दिशानिर्देश तो होना ही चाहिए। उन्होंने समाज की भलाई के कई काम जैसे स्वच्छ भारत अभियान, रक्तदान कैंप, नेत्रदान, मैडीकल कैंप, कुदरती आपदाओं के शिकार लोगों की सहायता के लिए कार्य किये।सद्गुरु माता सविन्दर हरदेव जी का जीवन सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने 16 जुलाई 2018 को निरंकारी मिशन की गुरुगद्दी अपनी छोटी बेटी सुदीक्षा जी को देने की घोषणा की और 17 जुलाई 2018 को लाखों संगतों की हाजिऱी में हुए विशाल संत समागम के दौरान अपनी गुरुगद्दी बहन सुदीक्षा जी को सौंप दी। अब सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज निरंकारी मिशन के छठे सद्गुरु के रूप में सेवा निभा रहे हैं। सद्गुरु माता सविंदर हरदेव का 5 अगस्त 2018 को दिल्ली में निरंकार की ज्योति में समा गए। 5 अगस्त 2020 का दिन सद्गुरु माता सविन्दर हरदेव जी के महान परोपकारी और कल्याणकारी जीवन एवं उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेने के लिए समर्पित होगा।

प्रमोद धीर, जैतो

www.womenexpress.in

थी कसम राम की खाई अब मंदिर बनने की बारी आई

जिस शुभ घड़ी का इंतजार देश ही नहीं दुनिया को था आखिर वह आ ही गई राम मंदिर के लिए देश ने जो सपना देखा था वह पूरा हो रहा है देखने वाले राम मंदिर को भले ही धार्मिक नजरिए से देखें लेकिन वह इससे कहीं अलग भारत की सद्भावना और शान का मुद्दा बनता गया और अंततः एक पहचान भी राम अपने जन्म स्थान में रहेंगे यही तो सब चाहते थे यहां तक कि वो पक्षकार भी जिनका इससे सीधा सरोकार था राम मंदिर को लेकर देश भर में चाहे जैसे मुद्दे बनते रहे हों और राजनीति वक्त की चाशनी के साथ अलग.अलग पर्तों में जमती रही पर सच यह है कि जन्म भूमि के मूल निवासी यही चाहते थे कि मंदिर अयोध्या में ही बने और रामलला जहां थे वहीं विराजें।

अब तो राम मंदिर देश की आस्था और अस्मिता से भी जुड़ गया तभी तो 130 करोड़ की आबादी में 150 लोगों को भेजा गया निमंत्रण पूरे देश को भेजे निमंत्रण जैसा लग रहा है इसमें सबसे खास निमंत्रण जो पूरे देश को सच में अच्छा लगा वह है बाबरी मंदिर के पक्षकार हाजी महबूब इकबाल अंसारी को बुलाया जाना उनकी खुशी और भावना को इसी से समझी जा सकती है कि वह प्रधानमंत्री को रामचरित मानस और रामनामी गमछा भेंट करेंगेण् सैकड़ों वर्षों के विवाद के घटनाक्रम में इससे सुन्दर दूसरा पल शायद और कभी हो भी नहीं हो सकता यही तो भारत की खासियत हैण् यूं तो इस पूरे विवाद में हाजी इकबाल से पहले उनके पिता हाशिम अंसारी राम जन्मभूमि.बाबरी मस्जिद विवाद के सबसे पुराने पक्षकार थे जिनके 2016 में निधन के बाद इकबाल अंसारी बनेण् लेकिन इस पूरे मामले में देश में जहां.तहां भले ही कई बार तनाव की स्थितियां बनीं परन्तु बावरी मस्जिद के दोनों पक्षकारों की मित्रता हमेशा चर्चाओं में रहीण् सभी ने देखा कि कई मौकों पर इस विवाद के दोनों पक्षकारों की करीबी मित्रता हैरान करती रही। लेकिन यह सच है कि परस्पर विरोधी पक्षकार होकर भी अभिन्न मित्र अंत तक बने रहे मंदिर हर भारतीय का है यह बात इससे भी साबित होती है कि डेढ़ सौ आमंत्रितों में एक दूसरे मुस्लिम भी हैं जिन्हें लावारिश लाशों के अंतिम संस्कार के लिए पद्म श्री भी मिल चुका है।

वह हैं पद्म श्री मोहम्मद शरीफ यही तो भारत की रवायत है वाकई मंदिर सबका है कुछ भी हो जो सर्वमान्य हल सर्वोच्च न्यायालय ने दिया निश्चित रूप से एक नजीर भी है और समाधान भी 5 अगस्त बुधवार को उसी नजीर पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीए राम मंदिर की आधार शिला रख लंबे समय से विवादित मुद्दे के समाधान की बुनियाद पर नई इमारत की आधारशिला रख स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक नई इबारत लिखेंगे राम सबके हैं देश राम का है यही भावना इस कार्यक्रम में भी साफ झलक रही है महज 150 आमंत्रितों को इतने बड़े देश से चुनना बेहद मुश्किल भरा काम था जिसे आयोजकों ने बखूबी निभाया इन चुनिंदा लोगों को भेजे गए आमंत्रण भी अपने आप में देश का एक ऐतिहासिक दस्तावेज होने जा रहा है जो भारत का एक यादगार व हमेशा संजोकर रखा

जाने वाला आमंत्रण होगा जिसको देखने के लिए भी लोग उमडेंगे यह भी एक ऐतिहासिक सत्य है कि भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्याए सरयू के तट पर स्थित देश के सुन्दर नगरों में शुमार है जिसकी भव्यता पहले भी कम न थी और अब देखते ही बनेगी वैसे भी अयोध्या का इतिहास बेहद संपन्न रहा है यह देश के धर्म निरपेक्ष ढ़ांचे के लिए भी एक मिशाल जैसे है क्योंकि जहां बौध्द धर्मावलंबी इस जगह को साकेत कहते हैं वहीं सिख और जैन भी अपने.अपने रिश्ते बताते हैं। जबकि साढ़े 400 सालों से ज्यादा वक्त तक बाबरी मस्जिद भी यहीं रही कुल मिलाकर अयोध्या भारत की सर्वधर्म समभाव की पावन स्थली बन चुकी है और कहा जा सकता है कि भगवान राम की ही महिमा थी जो सभी धर्मों की आस्था यहां जुड़ती चली गई और अंत में वापस भगवान अपने धाम में भव्यता से खुली हवा में विराजमान होकर अलग संदेश देकर देश के लिए एक नए युग का सूत्रपात करेंगे ।

समय के चक्र के साथ अयोध्या में रामलला विराजमान ने भी कई दौर देखे जहां 1990 में करीब सवा महीने तक अडवाणी जी की रथयात्रा के चलते एकाएक हुए सांप्रदायिक तनाव से 300 लोगों की मृत्यु तक हो गई तो बिहार के समस्तीपुर में रथ को रोक कर जबरदस्त तनाव उत्पन्न कर दिया गया इसके बाद 1992 में 6 दिसंबर को बाबरी विध्वंस से भी तनाव व इससे हुई मौतों ने दुनिया भर में भारत के खिलाफ इस घटना पर एक नयी बहस को जन्म दिया लेकिन समय के साथ सब कुछ बदलता चला गया और अंततः 9 नवंबर 2019 को देश के इतिहास में आए पहले बहुप्रतीक्षित महा ऐतिहासिक फैसले ने जैसे बड़ी सहजता से सब कुछ हल कर दिया और रामजन्म भूमि विवाद का पटाक्षेप कुछ यूं हुआ कि कई दिनों तक लगा कि जैसे कोई सपना तो नहीं।

कोरोना के चलते आयोजन की भव्यता में तो कोई कमीं नहीं आई लेकिन साक्षात उपस्थिति पर जरूर विराम लग गयाण् बावजूद लाखों लोगों की उपस्थिति के कोशिश यह दिखी कि वे लोग जरूर शामिल हों जो सीधे तौर पर पूरे मामले से किसी न किसी रूप में जुड़े रहे हैं। तभी तो अयोध्या में रहने वाले उन परिवार के सदस्यों को भी बुलाया गया जिनके परिवार के लोग उस दौरान गोलियों से मार दिए गए थे सिखए बौद्ध आर्यसमाजीए जैनए वैष्णव सभी परंपरा के लोग भूमि पूजन में आ रहे हैं उम्रदराज लोगों को जरूर स्वास्थ्य कारणों के चलते उन्हें बताकर दूर रखा गया है इस कार्यक्रम में देश के लगभग 2000 पावन तीर्थ स्थलों की पवित्र मिट्टी और लगभग 100 पवित्र नदियों का जल पहले ही भूमिपूजन के लिए जन्म स्थल पर पहुंच चुका है। शिलान्यास के लिए 5 अगस्त की तारीख के संयोग को जरूर देखना चाहिए लेकिन इस पर हल्की राजनीति या नुक्ताचीनी की जरूरत नहीं जम्मू.कश्मीर से धारा 370 के प्रतिबंधों को 5 अगस्त 2019 को हटाया गया था जिससे कश्मीर को जो स्वायत्तता मिलती थी जो अलग अधिकार मिलते थे कानून भी प्रभावहीन हो गया हां अनुच्छेद 370 का खंड एक लागू है जो कहता है कि जम्मू.कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है लगातार दो बरस और एक सी तारीखए महीना यह इतिहास के विद्यार्थियों के साथ ही प्रशासनिक चयन के प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लोगों के साथ देश के लिए सुनहरे अक्षरों में लिखी जाने वाली तारीख जरूर होगी।

ऋतुपर्ण दवे

www.womenexpress.in

आराध्य राम

वर्ष पाँच सो बाद सफलता
मिली अयोध्या धाम कों
मिले हमें आराध्य हमारें
नमन प्रभु श्री राम कों
आज अयोध्या नगरी सारी
सजी दुल्हन सी लगती हैं
वर्षो का संघर्ष झेलना
प्रभु राम की भक्ति हैं
धेर्य और विश्वास लिऐ हम
आस लगाए बेठे थे
कार सेवकों की सेवा का
उपवास लिऐ हम बेठे थे
आज पुनः वह अवसर आया
घर घर दीप जलाएंगे
राम लला की अगुवाई में
फिर भगवा लहराएंगे

विमल राव
भोपाल, मध्यप्रदेश ।

जीवन अधूरा

लाख सुविधा हो जीवन में ,
जीवन अधूरा रहता है ।
कुछ और सुविधा मिल जाए ,
मन बार बार यूं कहता है !!
इस काया को रखो महल में ,
किन्तु मेरी बात सुनो ।
वक़्त आने पर ये ,
काया का महल भी ढहता है !!

सुनील पोरवाल
नीमच (मध्यप्रदेश)।

www.womenexpress.in

सदी के श्रेष्ठ कार्यो में अंकित राम मंदिर निर्माण

भारत की एकता संप्रभूता और आस्था को एक नई गाथा अयोध्या नगरी में लिखी जाएगी जब भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण कार्य की नींव रखी जाएगी।सदी के महानतम कार्यो में से एक यह दो सदी के संघर्षो का इतिहास समेटने हुए खड़ा होने को उत्सुक है।वही पूरा भारतवर्ष राममय नजर आ रहा है।अदभूत और मनोरम है यह दृश्य जिसको हमारी न्यायपालिका ने यह गौरव हासिल करने का सौभाग्य तमाम सबूतो और साक्ष्यों के आधार पर देकर करोडो भक्तों का मान बढ़ाया है।आज पूरा भारतवर्ष खुश है।हर कोई इस सदी के इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनना चाहता है।भारत ही नहीं कई देशों में भी इसका सीधा प्रसारण होगा।

जिनके हृदय श्रीराम वसै तिन और का नाम लियो न लियो।।यह पंक्ति हमारे अराध्य की महत्ता को दर्शाता है। दो अक्षर का यह नाम पूरे ब्रह्माण्ड पर भारी है।इनके नाम लेने मात्र से ही व्यक्ति का मोक्ष है।यहाँ तक परमपिता परमेश्वर शिव भी इनके नाम का जप करते हैं।जीवन की सत्यता का सार है राम नाम, मोक्ष का द्वार है राम नाम, सभी कष्टो के निवारण इन्हीं नामो में निहित है। ऐसे मर्यादा पुरूषोत्तम के मंदिर निर्माण के अवसर पर हम भारतवासी उनके भक्ति में नहाकर हमारे गौरवशाली इतिहास को चार चाँद लगा रहा है । आज की आस्था तथा इतिहास की यह गौरव गाथा का परिचायक युगो युगो तक याद रखा जाएगा। वेद पुराण और धार्मिक ग्रंथो और हिन्दू कलेंडर के अनुसार प्रभू श्री राम को भगवान् विष्णु जी की 10वीं अवतारों में से 7वां अवतार माना गया है। भगवान् श्री राम की अराधना घरो में भी करते हैं और अपने परिवार और जीवन की सुखशांति और समृद्धि की कामना करते हैं। पूरे देश में लोग मर्यादा पुरूषोत्तम की लीलाओ का बखान करते हैं उनके प्रति अपार श्रद्धा और विश्वास के साथ लोग उन्हें मर्यादा पुरूषोत्तम मानते है।

सभी लोग प्रभू श्री राम का दर्शन मंदिरो में करने को कई वर्षो से उत्सुक है।भक्त हमेशा रामचरितमानस का अखंड पाठ करते हैं और साथ ही मंदिरों और घरों में धार्मिक भजन, कीर्तन और भक्ति गीतों के साथ पूजा आरती भी करते है। आज विश्व पटल पर उनकी महिमा वखानऔर भक्ति में लीन अयोध्या,नगरी अदभूत लग रही है। प्रभू राम को घर मिले प्रतीक्षा में हैं भक्त पीड़ाहार,की पीड़ा दूर करते रामभक्त।

आशुतोष
पटना, बिहार ।

www.womenexpress.in

बंदउँ अवध पुरी अति पावनि

अंततः सामाजिक सौहार्द के साथ श्री राम लला जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण का अवसर आ गया। अयोध्या में श्रीराम जन्म स्थान के प्रति करोड़ों हिंदुओं की आस्था रही है। इसके अलावा यहां मंदिर होने के पुरातात्विक प्रमाण भी उपलब्ध हैं। यह सराहनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने सभी का संज्ञान लिया। इसके बाद निर्णय दिया कि जन्म भूमि पर मंदिर निर्माण किया जा सकेगा।

तत्कालीन चीफ जस्टिस रंजन गगोई की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के पांच जजों ने सर्वसम्मति से यह फैसला दिया है। कहा गया कि अयोध्या में विवादित भूमि पर राम मंदिर बनेगा। इसके लिए तीन महीने के अंदर एक ट्रस्ट बनाया जाएगा, जो मंदिर बनाने के तौरतरीके तय करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि मुस्लिमों को मस्जिद बनाने के लिए दूसरी जमीन दी जाएगी। उसने कहा कि मस्जिद बनाने के लिए मुस्लिम पक्ष को पांच एकड़ जमीन अयोध्या में ही दी जाएगी।

हिंदू हमेशा से मानते रहे हैं कि मस्जिद का भीतरी हिस्सा ही भगवान राम की जन्मभूमि है। इस बात के सबूत हैं कि अंग्रेजों के आने के पहले से राम चबूतरा और सीता रसोई की हिंदू पूजा करते थे। रेकॉर्ड्स बताते हैं कि बाबरी मस्जिद का निर्माण खाली जगह पर नहीं हुआ था और जमीन के नीचे का ढांचा इस्लामिक नहीं था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिंदुओं की आस्था है कि भगवान राम का जन्म गुंबद के नीचे हुआ था। हिंदुओं की यह आस्था और उनका यह विश्वास कि भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ था, निर्विवाद है। लेकिन फैसले के लिए उन्होंने क़ानून

और साक्ष्यों को सर्वोपरि माना। मुख्य न्यायधीश ने यह भी कहा कि भारतीय पुरातत्व विभाग का सर्वे संदेह से परे है। इसके अध्ययन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सबसे बड़ा मामला जमीन विवाद का था। यह विवाद 2.77 एकड़ की जमीन को लेकर था। चार सौ वर्षों से इसे लेकर विवाद था। दो हजार दस में हाई कोर्ट के फैसले में विवादित जमीन को तीन हिस्सों में बांट दिया गया था। इसमें एक हिस्सा राम मंदिर, दूसरा सुन्नी वक्फ बोर्ड और तीसरा निर्मोही अखाड़े को मिला था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाई थी।

स्कन्दपुराण,वाल्मीकि रामायण, वशिष्ठ संहिता, रामचरित मानस जैसे सैकड़ों ग्रंथों में श्री राम जन्मभूमि का उल्लेख है।

गौरतलब है कि अठारह सौ चौवन के एडवर्ड थॉर्नटन गजेटियर, अवध के तत्कालीन कमिश्नर कार्नेगी,अठारह सौ सतहत्तर में डब्लू सी बैनेट के गजेटियर ऑफ द प्रोविंस ऑफ अवध,अठारह सौ नवासी के आर्कियोलॉजी सर्वे ऑफ नार्थ वेस्ट प्रोविंस ऐंड अवध,गजेटियर ऑफ फैजाबाद उन्नीस सौ अट्ठाइस इम्पीरियल यूनाइटेड प्रोविंस ऑफ आगरा ऐंड अवध उन्नीस सौ सैंतीस उत्तर प्रदेश डिस्ट्रिक्ट गजेटियर फैजाबाद उन्नीस सौ आदि में कहा गया है कि श्रीराम जन्म स्थान पर प्राचीन मंदिर का विध्वंस करके मस्जिद का निर्माण किया गया था।

भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षणों का भी यही निष्कर्ष रहा है। विवादित ढांचे की दीवार पांच क्रमांक पांच में मकर चिन्ह था। निर्माण हिन्दू कला के अनुरूप शुंग काल से प्रारंभ हुआ था। सिविल इंजीनियरिग के हिसाब से भी पुराने ढांचे पर मस्जिद का निर्माण हुआ था। यह गोलाकार हिन्दू धार्मिक स्थल था। इसकी रचना श्रावस्ती के चेरीनाथ शिव मंदिर की तरह है। चन्द्रेह रीवा का शिवमन्दिर, कुरारी फतेहपुर का शिवमन्दिर, तिण्डुलि सूर्य मंदिर की रचना भी जन्मभूमि मंदिर की तरह थी।

पुरातत्व प्रमाण ऐसे हैं कि राजपूत काल तक मंदिर सुरक्षित था। इसके आस पास रिहायशी बस्ती नहीं थी। स्थापत्य के हिन्दू चिन्ह उपलब्ध रहे हैं जिनमें घट पल्लव, स्तम्भ, पुष्प, गरुण स्तंभ,देवी देवताओं के चित्र,नागरी लिपि के शिलालेख, बीस लाइन का विष्णु हरि शिलालेख है। बताया जाता है कि पन्द्रह सौ अट्ठाइस में बाबर के सेनापति मीरबाकी ने मंदिर का विध्वंस करके मस्जिद का निर्माण कराया था।

अच्छी बात रही कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले से जुड़े सभी साक्ष्यों और पक्षों को धैर्य से सुना और विचार करके कानूनसम्मत और जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय दिया। इस निर्णय से लम्बे समय से चले आ रहे इस मामले के समाधान के साथसाथ सामाजिक सद्भाव का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है।

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

www.womenexpress.in

आज बूढ़ी अयोध्या फिर से जवान हो गयी

रमानाथ जहाँ राजा सो सुर
बरनि की जाई
अनिमादिक सुख संपदा रहि
अवध सब छाई

स्वयं लक्ष्मीपति भगवान जहाँ राजा हो, उस नगर का कहीं वर्णन किया जा सकता है। अभी अणिमा आदि आठो सिद्धियाँ और समृद्ध सुख संपत्तियाँ अयोध्या में छा रही है।

राम नाम का जय जयकार पुरी अयोध्या में गूँज रही है। पूरी अवध राममय हो गयी है, आज बूढ़ी अयोध्या फ़िर से जवान हो गयी है। सिर्फ अयोध्या ही क्यूँ पूरा भारत राममय हैं। मैं भी आज अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ,आखिरकार हमारे श्री राम को झोपड़ी से महल की तैयारी की भूमि पूजन जो है आज।मैं भी तो उसी मिथिला से आती हूँ जहाँ हमारी देवी सीता अवतरित हुई थी।हमारे मिथिला की प्रसिद्ध गीत जनक किशोरी मोरी लगथीन बहिनिया हे मिथिला के नाते रामजी पहुनमा लगथीन मोर हे सिया के नाते। एक स्त्री और मैथलानी होने के नाते हमारी खुशियों का तो कोई छोड़ नहीं इस शुभ घड़ी का इंतज़ार तो हम सब कब से कर रहे थे,पाँच सौ पुराना विवाद खत्म कर आज हमारे श्री राम की मंदिर का भूमि पूजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। और हमारे राम की अयोध्या फिर से सजने और सँवरने लगी है। श्री राम की सौम्यता और सरलता स्वभाव का पूरी राष्ट सिद्धांत का अनुयायी है।राम कथा का जीवन पर प्रभाव अदभुत है,तुलसी दास जी ने राम कथा को रचा ही नहीं उन्होनें जीया हैं। कहा जाता है राममय होना है तो सौमनस्य, सौहार्द, परोपकार, कृतज्ञता आदी गुणों का संकल्प से धारण करना और उनकी उपासना करना रामभक्ति का प्रभावी सूत्र है। पिता पुत्री, पत्नी, प्रजा के प्रति कर्तव्य ही धर्म है।मेरे राम भाव के भूखे है,मेरे राघव कहते हैं,मुझे मित्र भाव से कोई मुझे प्राप्त होता है,तो मैं उसका त्याग नहीं करता।मेरे राम भाव में वशिभुत होकर भीलनी सवरी की जुठी बेर खाए थे। हमारे साँवरे पाहुन की सुंदर छवि की जितनी भी बड़ाई करूँ कम हैं। वो अनंत है,जिनका कोई अंत नहीं है। उन्होनें मित्रता निभाई थी।वो मैत्री धर्म का निर्वाह करते हैं।

सब जानत प्रीति रीति रघुराई
केवट मीत कहे सुख,मानत
वानर बंधु बड़ाई

हमारे राघव कहते हैं,जब कोई हमे केवट का मीत कहता है तो हमे बड़ा सुख मिलता है।

जब प्रभु श्री राम वानर राज़ बाली का वध कर देते हैं तो,सुग्रीव और वानर राज बाली की पत्नी व पुत्र को रोते देख प्रभु विह्वल हो जाते हैं,और भी उनके साथ बैठ रो पड़ते है।उन्हें रोता देख भाई लक्ष्मण जी पूछते है, हे!भ्राता सुग्रीव और उन्की पत्नी और पुत्र इसलिय रो रहे हैं,की बाली उनका महाराज और रिश्ते से बँधे थे,तो विलाप कर रहे पर आप क्यूँ? श्री राम कहते है,सुग्रीव और उसके परिजनों का दुख मेरा दुख है।इसलिए मैं भी रो रहा हूँ हे तात। मेरे राम के शरण में जो भी आता है,उसे भवसागर पार करते हैं। जब लंका कुमार मेघनाथ ने वीरघातीनि शक्ति चलाकर भ्राता लक्ष्मण को बेसुध कर दीया तो ये पालनहार अपनी सुधी बुद्धि खो बैठते है,भाई की दशा पर भावुक हो जाते हैं।

सुत बीत नारी भवन परिवारा
होंहि जाहिं जग बारहिं बारा
अस विचारि जिएं जागहु ताता
मिलई न जगत सहोदर भ्राता

पुत्र, धन, स्त्री, घर और परिवार ये तो जगत में बार बार होते जाते हैं,परंतु जगत में सहोदर भाई नहीं मिलता। हे तात उठो,अपने धनुष वाण को उठाओ,हे तात मैं माता सुमीत्रा को क्या मुँह दिखाऊँगा । उनका भातृ प्रेम और मातृ प्रेम हम सबको वो एक परिवार का प्रेम और दायित्व को सीखाता है। उनका वनगमन धैर्य ,निष्ठा,का प्रतीक है,एक राजकुमार अपने महल और राज्य को त्याग चौदह वर्ष जीवन जंगल में व्यतीत करते हैं। ये राम कथा हमे सत्य मार्ग और निज धर्म पर चलना सीखाती है रामकथा हमे रिश्तों के आदर्श पेश करती हैं। इस कलयुग मे एक राम मात्र का जाप ही सबसे बड़ा मूल मंत्र है।

कलिजुग सम जुग आन नहीं जौं
न कर विश्वास।
गाई राम गुन गण विमल भव तर
बिनहीं प्रयास।।

प्रियंका रानी
बहादुरगढ़ हरियाणा
www.womenexpress.in

सिक्के हो पर खोटे हो

बदले भेस में दिखते हो वो
अगली ही राहों में,
तुम अपने चेहरे पर रखते
बदले हुए मुखोटे हो।

तुम ही स्वेटर बांट रहे थे
गर्मियों में गरीबों को,
अक्ल के घोड़े दौड़ाते पर बुद्धि
से थोड़े मोटे हो।

छोटी छोटी दीवारें हैं तुममें न
जाने कितनी ही,
दर्शाते हो ये भाषण में जैसे कि
द्रढ़ परकोटे हो।

माना तुम हो नाम बड़े पर
दर्शन देते छोटे हो,
कभी कभी लगता है कि बिन
पेंदी के लोटे हो।

चलने को चल जाते हो यूं
बाजारों दुकानों में,
पर तुममें वो बात नही सिक्के हो
पर खोटे हो।

जिनसे तुम मिल जाते हो उन
की लुटिया डूबे,
ये चुनाव में बुद्धू से तुम अपने
घर को लौटे हो।

संजय कुमार भारद्वाज
www.womenexpress.in

राम का चरित्र

राम शब्द अपने आप में इतनी पवित्रता लिए हुए हैं, की रोमरोम पुलकित हो जाता है। राम शब्द सुनते ही मन में एक नया आभास होता है। राम का वर्णन अतुलनीय है। राम के जीवन से जुड़ी सम्पूर्ण कथा रामायण नामक महाकाव्य में मिलती है। रामायण हिंदू धर्म का एक विशेष ग्रंथ है। आज तक विश्व में ऐसा महाकाव्य उपलब्ध नहीं हुआ। रामकथा के आदेश स्त्रोत वाल्मीकि रामायण है वाल्मीकि जी ने इसके आरंभ से ही एक ऐसे आदर्श पुरुष को रखा है जो मानवता के गुणों से सर्व संपन्न, मर्यादाओं से भरपूर, चरित्र से सुंदर व इक्षवाकु वंश में उत्पन्न महापुरुष हैं। रामायण से हर नागरिक को कुछ ना कुछ सीखने को मिलता है । रामायण हिंदू धर्म का ऐतिहासिक ग्रंथ हैं। रामायण का हर पात्र अपने आप में एक नई सीख देता है। रामायण एक ऐसा महाकाव्य हैं जिसको पढ़ने से मन में नई जागृति आती है। मन प्रफुल्लित हो जाता है। रामायण कार्यक्रम को हम परिवार के साथ देख सकते हैं । रामायण में मर्यादाओं से भरपूर राम की आदर्शता, लक्ष्मण का त्याग, भरत का भाई प्रेम, शत्रुघ्न की कर्तव्यनिष्ठता, सीता की सहनशीलता और पतिव्रता , उर्मिला का त्याग, हनुमान जी की अद्भुत भक्ति, सुग्रीव की मित्रता, आदि सभी पात्रों से भी कुछ ना कुछ सीख मिलती है। जीवन में आने वाले छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी परिस्थितियों में भी मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी ने बखूबी निर्वाह किया। उनको जीवन में अनेक बार विशाल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। अयोध्या नगरी के युवराज होने के बावजूद भी पिता के वचन के लिए उन्होंने 14 वर्ष का वनवास स्वीकार किया। राजधर्म निभाने के लिए अपनी पवित्र (बेदाग) प्रिय पत्नी का परित्याग किया। राम सब कुछ जानते हुए भी उन्होंने राजा का धर्म को सर्वोपरि समझा और अपनी पत्नी को त्याग दिया था। और राजा होते हुए भी आजीवन दूसरा विवाह न करके मर्यादा पुरुषोत्तम राम कहलाए। राम के चरित्र का जितना बखान किया जाए उतना कम है । राम एक गृहस्थी, एक संत, एक साधु , साध्य , एक साधना, युगों युगों का एक गान भी है। राम का चरित्र चित्रण को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। राम का सादा जीवन , बड़ों का आदर सम्मान, पिता के वचन, छोटे भाइयों से अथाह प्रेम, प्रजा के पालक, मर्यादाओं से भरपूर, कोमल स्वभाव, आदि सभी गुणों से युक्त आज की मानव जाति के लिए प्रेरणा है।

प्रकाश कुमार खोवाल
सीकर (राजस्थान)।
www.womenexpress.in

सपने सजा लिए

मेहनत से अपना आशियाँ सजाया।
देखूँ जब खुद से लगाए पोधे क़ो
अति असीम आनंदअनुभूति होती।

तरहतरह के रंगबिरंगे फूल खिलते
प्यारेप्यारे ,शो प्लांट भी पोर्टिको
की खूब शोभा बढ़ाते।
पल दो चार कभी उन संग मैं बिताती।

वक़्त कैसे बीतता जाता
लगे हो उनमें पंख मानो।
इन्ही भागते लम्हों को पकड़ा
गिरफ़्त किया साकार किया
और सपने सजा लिए।।
ख़्वाब था एक ,चाहत थी एक।
हाथो से अपने सजाऊँ
प्यारी बगिया एक।
खूबसूरत वो पल है भी आया।

निहारा करती उनकी सुंदरता
बातें उन संग सखि करती।
हमारी गुफ़्तगू के साक्षी होता,
संग हमारे होता,साथ भी देता
वो खुला आसमाँ, अम्बर
वो नीला।।

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।
www.womenexpress.in

कुछ अनकहा सा

सावन की बूंदों में भीगना
अच्छा लगता,,
तुम्हारे सँग चलना अच्छा लगता।
कभी तेज धूप कभी वो छाया,,
बादलों में सूरज का छिपना
अच्छा लगता।
वो मेरी तुम्हारी बाग की परछाई,,
तुम्हारा वो तस्वीर लेना अच्छा लगता।
वो मेरे केशुओ को रुख़सारो से हटाना
तुम्हारा वो मुझे निहारना अच्छा लगता।
बारिश की बौछार का थमना
बुरा लगता,,
सावन के ये मौसम तुम संग
अच्छा लगता।
तेरा वो भीगते रहने की मनुहार करना
सच मे वो पल खूबसूरत सा लगता।
इंद्र धनुषी से वो खूबसूरत
लम्हो को,,
की यादों को सहेज कर रखना
अच्छा लगता।
वो मेरा मंद मंद मुस्कुराना और,,
तेरा वो चुपके चुपके देखना
अच्छा लगता।
आ जाओ फिर से वही
खुशनुमा मौसम,,
तुझे देखने को अब मन बेचैन
सा लगता।

अंजू जांगिड़
पाली, राजस्थान।

विश्व शांति मानवता और भाईचारे का संदेश

नफरतों के शहर में भाईचारा
और मानवता के दिए से उजाला
कर देंगे

जिस तरह रेल के डिब्बे चेन
से मिलकर ट्रेन बनती है और पटरी
पर चलती है।
इसी तरह हाथ से हाथ मिला
कर चल देंगे,

जो आगे निकल गया उसे
सम्मान दो
और जो जीवन की कठिनाइयों
से पीछे रह गया उसका
हाथ थाम लो।

नेक कार्य कभी बेकार नहीं
जाते है,
बंनकर शुभचिंतक वापस लौट
कर आते हैं,

हे प्रभु विनती है मेरी दे दो एक
ऐसी जादुई छड़ी जिससे सब को
एक समान कर दूं ,
अमीरी और गरीबी का जहां से
नामोनिशान मैं मिटा दूं।

प्रभु शांति का दूत बना दो मुझे
सद्भावना को फैलाऊंगी
जो आपस में बैर और घृणा है
उसको मै मिटाऊगी ।
द्वेष के दलदल से बाहर निकले सब
मिलकर सब मानवता और
शांति की पहल करो।
शुरुआत कहीं और से नहीं
पहले खुद से पहल करो।

देखना एक दिन अच्छाई बुराई
को निगल जाएगी।
धर्म और राजनीतिक झगड़ों से
दूर रहते हैं जो लोग,उनकी ही
अच्छाई काम आएँगी।

देखना एक दिन हम सब
मिलकर विश्व में शांति और मानवता
को वापस लाएंगे।
फिर से जीवन में खुशहाली का
झंडा फहराएँगे।
जय हिंद जय भारत

रश्मि शर्मा
शिक्षाविद एवं लेखक
नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

कण कण में राम...

फूलों की खुशबू में हर राहीं की
मस्ती में राम
पिता के मान में माँ के
सम्मान में राम
भाई के प्यार में बहन की
राखी में राम
दोस्तों की खुशी में सावन
की बहार में राम

शंकर के कंकर में गंगा के कण
कण में राम
हिमालय की आन में रक्षक की
शान में राम
अयोध्या की गली में हर साधु
की जटा में राम
गंगा के जल में मथुरा के कण
कण में राम

महाकाल की बस्ती में हर
दु:खी की कश्ती में राम
हर दरबार में हर महाराजा की
शान में राम
मातृभूमि के मस्तक में हिमालय
के रक्षक में राम
मीरा के गिरधर में सबरी के
मीठे बेर में राम

चित्रकूट के कण कण में हर
सखी के मन में राम
गीता के हर वचन में महाभारत
के कृष्ण में राम
मेहनत करते किसान में रक्षा
करते विरों में राम
घर के आंगन में दादा दादी की
कहानियों में राम

गुरु के ज्ञान में छात्र के
अनुशासन में राम
हर कणकण में सीता के मन में राम
रावण के ज्ञान में हनुमान के हर
ह्रदय में राम
लक्ष्मण की रेखा में मयार्दा की
बात में राम

कवियों के शब्दों में प्रीतम की
कविताओं में राम
हर नगर बस्ती में सब बच्चों
की मस्ती में राम

प्रीतम गिरधारी राठौड़
बड़वानी, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

प्रकृति की ओर लौटो

न जाने इन्सान ने क्या क्या बनाए
बम बनाये , मिसाइले बनाये
पर यह सब धरें रह गए

जब एक छोटे से वायरस के आगे
इसनें आत्मसमर्पण कर दिया
पर प्रकृति के आगे हम कुछ नहीं
आज प्रकृति ने खींच दी
लक्ष्मण रेखा तेरे घरों के आगे

खूब उजाड़े जँगल
पर परवाह नहीं की प्रकृति की
बाघों से लेकर चमगादड़ों को
भी नहीं छोड़ा
लालच की कोई सीमा होती हैं
आज वहीँ जगह बदली
अस्पतालों मे

आजाद कर दिया परिंदों को
आजाद कर दिया वन्यजीवों को
पर आज केद हैं इंसान घरों
प्रकृति ने अपने हिसाब से
सजा दी इंसान को
इंसान अपने कर्मों की सजा
भुगत रहां है

अभी वक्त है इंसान तेरे पास
वरना आगे और अंजाम बुरा होगा
तु लौट जा प्रकृति की ओर
तु लौट जा प्रकृति की ओर

भँवर लाल लवा
राजस्थान ।
www.womenexpress.in

राम लला विराजेंगे

छँट चुका है बादल मिट चुका
है अँधेरा,
खत्म हुआ वनवास हमारे
आराध्य प्रभु श्रीराम का,
समाप्त हुई दरबदर भटकने की
वो नसम पीड़ा,
अब श्री राम लला जल्द ही
विराजेंगे अपने घर पर।
न जाने कितने ही रोड़े आये थे
मंदिर के मार्ग में,
कितनों की कपट विद्या झेला
हमारे आराध्य प्रभु ने,
अंततः आज जीत हुई सत्य की
फिर से असत्य पर,
अब श्रीराम लला जल्द ही
विराजेंगे अपने घर पर।
आज होगा सपना पूरा हर कट्टर
हिन्दू के मन का,
अब तो हुआ श्रीराम प्रभु के
मंदिर का संकल्प पूरा,
अयोध्या की पावन धरती पर
होगा फिर से उत्सव,
अब श्रीराम लला जल्द ही
विराजेंगे अपने घर पर।
न तो है आज कार्तिक महीने
की शीतल रात,
न ही है आज अमावश्या की
वो तिमिर भरी रात,
मगर फिर भी आज हम सब
मनाएँगे दीवाली,
क्योंकि अब श्रीराम लला जल्द
ही विराजेंगे अपने घर पर।

बिप्लव कुमार सिंह,
फ़रीदाबाद, हरियाणा।
www.womenexpress.in

अवध में राम पधारे

पाँच अगस्त को इतिहास अमर
हम बनायेंगे
अवध संग पूरे भारत को दियो
से जगमगायेंगे
देव लोक से करेंगे देवी देवता
पुष्प वर्षा
हिंद में पैदा होना अब होगा
सिद्ध हमारा
जब सदियों बाद कौशल्या
नंदन घर को अपने आयेंगे
बाबर कि छाती पर भगवा
लहरा कर
राखी के अगले दिन दिवाली
हम मनायेंगे
राम नाम से फिर पत्थर पानी में
तर जायेंगे
मंदिर विरोधी दशानन तो अब
जीते जी मर जायेंगे
हिंदु हिंदुस्तान की अलख हम
जगायेंगे
घर घर होगा फिर रामायण का गान
जब सदियों बाद कौशल्या
नंदन घर को अपने आयेंगे
सौगंध राम कि खाते हैं खंडर
ताजमहल हम बनायेंगे
प्रेम निशानी सेतु अजूबा
आठवाँ हम बनायेंगे
पाँच अगस्त को इतिहास अमर
हम बनायेंगे
जब सदियों बाद कौशल्या
नंदन घर को अपने आयेंगे
मंदिर नही विश्व विरासत हम
बनायेंगे
अवध में सौन्दर्य की खुशबू
हम महकायेंगे
जनकपुरी से अवध फिर दुल्हन
सी सजायेंगे
देव मुनि दानव मानव किन्नर
गन्धर्व पंछी
मिल सब भजन प्रभू के गायेंगे
सदियों रखा प्रभू को वनवास
उनका अस्तित्व हम मिटायेंगे
मंदिर विरोधी दशानन तो पूरे
जीवन अब सौ नही पायेंगे
जब सदियों बाद कौशल्या
नंदन घर को अपने आयेंगे
प्रभू राम सदियों से तंबू में ना
पड़े होते
बीच अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम
कब के खड़े होते
प्रभू राम तो आ जाते कब के
अयोध्या नगरी
यदि गांधी के ये गद्दार बाबरी
के लिये ना लड़े होते

दिनेश कुमार (दिनू)
नागोला, अजमेर ।
www.womenexpress.in

बाढ़ से ग्रस्त संपूर्ण संसार

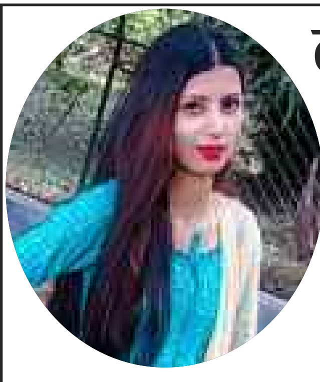

है यह कैसा बाढ़ का प्रकोप,
की संपूर्ण जनता है इससे ग्रस्त,
बाढ़ ने मचा रखा है पूरी
दुनिया में हाहाकार ,
आफत आ पड़ी है जोरदार!!

जिंदगी हो गई है लाचार,
सारे काम बंद हो गए हैं,
पानी ने मचा रखा है प्रहार,
कि दानेदाने को मोहताज हू आज!!

इस पानी ने न केवल घर छीना,
बल्कि सारी कमाई ,खून
पसीना सबको कर दिया तारतार,
पहले कोरोना महामारी ने मचा
रखा था हाहाकार,
और अब पानी ने मचा रखा
है प्रहार!!

कोरोना महामारी से मर गए
करोड़ों लोग ,
और अब बाढ़ के प्रकोप से ही
मर जाएंगे लाखों लोग,
इस बाढ़ के आगे मजबूर हो
गए हैं, हैं यह कैसी महामारी की
संपूर्ण संसार है इससे प्रभावित!!

इस नुकसान का अंदाजा ना
लगा सकता कोई ,
ना कर सकता उसकी कोई भरपाई,
ना दे सकता कर्ज का उधार कोई!!

है यह कैसा बाढ़ का प्रकोप ,
कि समस्त जीव भी है इससे परेशान,
कितने मर गए ,कितने इस
पानी में दह गए,
कितनी जिंदगियां हो गई बर्बाद!!

अब इसे ईश्वर का प्रकोप समझे,
या प्रकृति का कहर जिस ने ढाया
है दुनिया में हाहाकार!!

भ्रष्टाचार ने भी दिखाया अपना रंग,
जो कहते थे कि कल हम आपके
साथ है,
वह देख कर भी अनदेखा
करने लगे अब,
मजबूर हो गया है पानी के
प्रहार से,
भूखे पेट ही नाव में सोना
पड़ता है अब!!
है यह कैसा बाढ़ का प्रकोप...

सोनी खातून
पानागढ़ (पश्चिम बंगाल)।
www.womenexpress.in

देश की अस्मिता से जुड़ा है राम मंदिर का निर्माण

देश में अनेक ''आक्रांता आए और अपने चिन्ह छोड़ गए जिन्हें देखकर ''वेदना होती है तथा ऐसे में राम मंदिर का बनना ''राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है। ''अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर का निर्माण केवल आस्था के एक केंद्र या एक और मंदिर की स्थापना नहीं बल्कि देश की अस्मिता और मानव कल्याण से जुड़ा विषय है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण केवल एक मंदिर की स्थापना नहीं है।देश में भगवान राम के हजारों मंदिर हैं। इन मंदिरों की श्रृंखला में एक और मंदिर बन जाए, यही केवल अयोध्या आंदोलन का भाव नहीं रहा।इस मंदिर के निर्माण के संदर्भ में भिन्न दृष्टि से देखने और भगवान राम के जीवन को महसूस करने की जरूरत है जो अनुकरणीय आदर्श हैं।भगवान श्रीराम के मंदिर का निर्माण एक नये परिवर्तन की शुरूआत है।

श्री राम नादिर निर्माण के लिए आयोध्या में काफी उल्लास तो है ही इसके साथ साथ पूरे देश में भी त्योहार जैसा माहौल सा प्रतीत हो रहा है,हालांकि अभी कोरोना महामारी के चलते समूचे देश में ये उल्लास थोड़ा फीका हो गया है फिर भी लोगो के उत्साह से ये लग रहा है कि उनकी श्रद्धा भगवान राम के प्रति कितनी अधिक है। अयोध्या में खास तैयारी है।

समूची अयोध्या रामलला के भव्य मंदिर निर्माण के उल्लास में डूबी नजर आ रही है। घरघर में तैयारी और उल्लास का माहौल है। भूमिपूजन से पहले अयोध्या राममय है। मंदिरों का रंगरोगन किया गया है। सड़कोंगलियों से लेकर छतों पर केसरिया पताके लहरा रही है। दीवारों पर रामायणकालीन नयनाभिराम दृष्य रामनगरी की अलौकिकता बयां कर रहे हैं। ट्रस्ट की ओर से जगहजगह तोरण द्वार सजाए गए हैं। सभी तिराहेचौराहों पर दीपोत्सव की तैयारी के साथ लाइटिंग भी सजाई है। लाखों दिए जलाए जाएंगे। वहीं आम लोग भी अपने घरों के बाहर दिए जलाएंगे। श्रीरामजन्मभूमि में सजावट से लेकर खास दीपोत्सव की तैयारी भी की जा रही है।

गोपाल कृष्ण पटेल
दीनदयाल कॉलोनी
जांजगीर, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

चलो अयोध्या धाम

चलो अयोध्या धाम,
विराजेंगे अपने श्रीराम।

कभी राम झुठलाये जाते।
नकली चरित बताये जाते।
आतंकी बाबर के सम्मुख
मनगढ़ंत कहलाये जाते।।
कैसी भी हो रात,
किन्तु होती है सुबह ललाम।

वंशज बहुधा जीते हारे।
अनुयायी के वारे न्यारे।
रक्तपात के छद्म खेल में
रामभक्त तन मन धन वारे।।
हुआ बहुत बलिदान,
साक्ष्य है पावन सरयू धाम।

राम अदालत में भी आए।
साक्ष्य साक्षी भी थे लाए।
अधिवक्ता बन सच दिखलाए।
न्यायमूर्ति उर स्वयं समाए।।
जय जय जय श्रीराम,
अवधपति अवध नयन अभिराम।

डॉ अवधेश कुमार
मैक्स सीमेंट, ईस्ट जयन्तिया
हिल्स, मेघालय ।
www.womenexpress.in

राम नाम

राम नाम से हर इक बंदा
भवसागर को पार करे ।
राम नाम में तेज समाया हर
इक जन जयकार करे।

राम नाम बस सच्चा
लगता,बाक़ी सब आभासी हैं,
इंसां तो निज अंत समय भी
राम नाम श्रृंगार करे ।।

राम नाम तो सत्य समेटे,पापों
का संहार करे।
प्रभुता, गुरुता, वृहत
उच्चता,रोशन घर और व्दार करे।
कलियुग में बस राम
सहारा,रोशन होती ज़िन्दगी,
उसको लगता हर इक प्यारा,जो
राघव से प्यार करे ।।

सांसों में खुशबू बस जाती,जो
मन पर अधिकार करे।
वह हरदम मंगलमय होता,रघु
का जो सत्कार करे।

कहता सबसे शरद आज
यह,अंतर्मन में भक्ति भरो,
राम नाम में है वह गरिमा,पापों
पर जो वार करे ।।

प्रो.शरद नारायण खरे
मंडला (मध्यप्रदेश) ।
www.womenexpress.in

IPL-13: यूएई जाने से पहले 5 बार कोरोना टेस्ट से गुजरेंगे मुंबई इंडियंस खिलाड़ी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 04 अगस्त। आईपीएल की मौजूदा विजेता मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी एक जगह एकत्रित होना शुरू हो गए हैं। कई घरेलू खिलाड़ी मुंबई आ गए हैं और कुछ अगले सप्ताह तक आ जाएंगे। भारतीय स्टार भी अगले सातआठ दिन में टीम के साथ जुड़ जाएंगे। मुंबई इंडियंस के एक अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों का आना शुरू हो गया है और इस तरह से सख्त नियम बनाए गए हैं कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई कोरोनावायरस से संक्रमित न हो।

उन्होंने कहा, 'घरेलू खिलाड़ियों का आना शुरू हो गया है और इन सभी को 14 दिन क्वारंटीन के लिए भेज दिया गया है। उन्हें बाहर तब ही आना होगा जब उनका कोविड19 टेस्ट कराया जाएगा। इसके अलावा सभी तरह की सुविधाएं कमरे के अंदर ही दी जाएंगी।' अधिकारी ने बताया, 'भारतीय खिलाड़ीयों के भी जल्दी आने की संभावना है और उन्हें भी

क्वारंटीन के नियम से गुजरना होगा। एक बार जब खिलाड़ी का क्वारंटीन समय खत्म होगा वो मैदान पर ट्रेनिंग शुरू कर सकता है।'

कोविड के टेस्ट को लेकर जब अधिकारी से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जाने से पहले खिलाड़ियों के पांच कोविड19 टेस्ट होंगे। उन्होंने कहा, 'हमने खिलाड़ियों से कहा कि वह मुंबई आने से पहले अपनेअपने शहरों में दो राउंड कोविड19 टेस्ट कराएं। और फिर हम तीन राउंड के टेस्ट कराएंगे जो हमें लगता है कि काफी होंगे। एक या दो मामले ऐसे भी हो सकते हैं कि जहां सही सुविधाएं न हों और खिलाड़ी एक टेस्ट ही करा पाए, लेकिन हम कुल मिलाकर आईपीएल के लिए यूएई रवाना होने से पहले पांच राउंड के कोविड19 टेस्ट कराएंगे, खिलाड़ियों के भी स्टाफ के भी।' अधिकारी से जब मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह मुश्किल समय है और फ्रेंचाइजी का मानना है कि बीसीसीआई के साथ काम करना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'हम बीसीसीआई की एसओपी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन हम समझते हैं कि यह मुश्किल समय है और बोर्ड पर पहले से ही काफी दबाव है।

हमने भी अपना रोडमैप बना लिया कि हम टूर्नामेंट में किस एप्रोच के साथ जाएंगे और इसे बीसीसीआई की एसओपी के साथ मिलाकर लागू करेंगे, जो हमे अगले कुछ दिनों में मिल जाएगी। धैर्य ही कुंजी है क्योंकि इस तरह की चीज के लिए कोई भी तैयार नहीं था।'

मेरा भी स्ट्रगल है, लेकिन 10 रुपये के साथ ट्रेन में बैठकर इंडस्ट्री में आने वाला नहीं: करीना

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 04 अगस्त। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड के बाद सोशल मीडिया पर अलग अलग मुद्दों पर बहस छिड़ी हुई है। इसी बीच, नेपोटिज्म को लेकर भी बात हो रही है, जिसमें स्टार किड्स को निशाने पर भी लिया जा रहा है। इस संदर्भ में कई स्टार्स की प्रतिक्रिया भी सामने आई है, जिसमें करीना कपूर का नाम भी जुड़ गया है। अब करीना कपूर ने भी नेपोटिज्म को लेकर अपना पक्ष रखा है और कहा है कि नेपोटिज़्म से कुछ खास प्रभाव नहीं पड़ता है।

करीना कपूर ने हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू में कहा है कि नेपोटिज़्म पर जारी बहस अजीब है और सिर्फ एक ऑडियंस है, जो किसी इंसाइडर को स्टार बनाती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनका स्ट्रगल उन लोगों की तरह उतना रोचक नहीं है, जो 10 रुपये लेकर ट्रेन में आते हैं और इंडस्ट्री में आ जाते हैं। मोजो स्टोरी को दिए एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया, '21 साल तक काम सिर्फ नेपोटिज़्म से नहीं होता। यह संभव नहीं है। मैं उन सुपरस्टार्स के बच्चों की लंबी सूची बना सकती हूं, जो इस तरह से कुछ खास नहीं कर पाए।' अपने बैकग्राउंड को लेकर करीना कपूर ने कहा, 'यह अजीब लग सकता है लेकिन शायद मैंने भी वही स्ट्रगल किया है। मेरा स्ट्रगल है, लेकिन यह उतना दिलचस्प नहीं है, जितना उस शख्स का होता है, जो ट्रेन में सिर्फ

10 रुपये लेकर आता है। हां, यह ऐसा नहीं है और मैं इसके बारे में क्षमाप्रार्थी नहीं हो सकती। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी इंसाइडर और आउटसाइडर को रखने की ताकत ऑडियंस के पास होती है। करीना ने ये भी कहा कि कोई भी किसी को अच्छे बैकग्राउंट की वजह से फिल्म देखने के लिए मजबूर नहीं कर सकता।

एक्ट्रेस ने कहा, 'दर्शकों ने हमें बनाया है, किसी और ने हमें नहीं बनाया है। आज उंगलियां उठाने वाले वो ही लोग हैं, जिन्होंने नेपोटिस्टिक स्टार्स को बनाया है। आप जा रे हो ना फिल्म देखने? मत जाओ। किसी ने आपको मजबूर नहीं किया। इसलिए मैं यह नहीं समझती। मुझे लगता है कि यह पूरी बहस पूरी तरह से अजीब है। बात यह है कि आज हमारे कई सबसे बड़े सितारे है, चाहे वो अक्षय कुमार हों या शाहरुख खान या आयुष्मान खुराना या राजकुमार राव, वो सभी बाहरी हैं।' एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वो सफल अभिनेता हैं, क्योंकि उन्होंने कड़ी मेहनत की है। चाहे वो आलिया भट्ट हो या करीना कपूर, हमने भी कड़ी मेहनत की है। आप हमें देख रहे हैं और हमारी फिल्मों का आनंद ले रहे हैं। इसलिए, सिर्फ दर्शक ही हैं, हमारे बनाते हैं।'

आयुष्मान ने कहा, मैं किशोर कुमार का बहुत बड़ा फैन हूं

मुंबई। आयुष्मान खुराना ने मंगलवार को दिग्गज गायक किशोर कुमार के 91वें जन्मदिन पर उन्हें याद किया। उन्होंने कहा कि मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। आयुष्मान ने इंस्टाग्राम पर एक थ्रोबैक वीडियो साझा किया, जहां वह 1972 की फिल्म 'मेरे जीवन साथी' से 'ओ मेरे दिल के चैन' गाते नजर आ रहे हैं। आयुष्मान ने कहा, 'मैं किशोर किशोर कुमार का बहुत बड़ा फैन हूं और यह मेरे सबसे पसंदीदा में से एक है। मैं दिन में कुछ समय के लिए इसे लूप में सुन लेता हूं।' उन्होंने कहा, 'किशोर कुमार के पास एक जादुई आवाज थी। वह हर प्रकार के गाने गा सकते थे, चाहे वह भावपूर्ण संगीत हो, जोशिला हो या उदासी भरा संगीत हो।

उनके पास जीवन में एक अलग दृष्टिकोण और सेंस ऑफ ह्यूमर था।' 'बाला' स्टार ने कुछ साल पहले रिकॉर्ड किया हुआ वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया। उन्होंने कैप्शन देते हुए लिखा, 'हैप्पी बर्थडे किशोर दा। यह वीडियो जुलाई 2018 का है, जब मैं और अक्षय वर्मा पोलैंड के क्राको में अंधाधुन के शूटिंग के दौरान शॉट्स के बीच जाम थे।' वर्कफ्रंट की बात करें तो, आयुष्मान खुराना अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित आगामी फिल्म में एक एथलीट के रूप में नजर आएंगे।

हां! मैं एक स्त्री हुं

जो बिना स्वार्थ के
नौ महीने तुम्हें अपनी
कोख में रखती हूं।।
मैं वहीं स्त्री हूं जो एक मां है
एक बेटी है एक पत्नी है
और मुझे अभिमान है
कि मैं एक स्त्री हूं।।
मैं अपना धर्म निभा रही हूं
तुम भी अपना धर्म निभाओ
मुझे सम्मान दो
अपनी नजरिया बदलो।।
मैं वहीं स्त्री हूं
जो गर लक्ष्मी के रूप में
पुजी जा सकती हूं, तो
दुर्गा बनकर दुर्गामासुर का अंत
भी कर सकती हूं,
और काली बनकर
नरसंहार भी कर सकती हुं
हां! मैं वहीं स्त्री हूं।।
हां! मैं वहीं स्त्री हूं।।
मुझे गर्व है मेरे इस अस्तीत्व पर
और मैं हर जन्म में
एक स्त्री बनना चाहुंगी।।
हां! मैं एक स्त्री हूं।।

हां! मैं एक स्त्री हुं
वही स्त्री जो एक
पुरूष का ही अंश है।।
वही पुरुष जो स्त्री
को केवल संभोग मात्र मानते हैं।।
वहीं पुरुष जो स्त्री
को अपनी दासी मानते हैं।
मैं उसी पुरूष का अंश हुं।।
हां! मैं एक स्त्री हुं।।
मुझे गर्व है कि मैं एक स्त्री हुं।।
भले ही मुझे इस समाज में
प्रताड़ित किया जाता है
पर फिर भी मुझे गर्व है
कि मैं एक स्त्री हुं।।
क्योंकि इस पुरूष सत्ता
समाज में पुरुष को
जन्म देने वाली भी मैं ही हूं।।
हां! मैं वहीं स्त्री हूं।।
मुझे जितना गिराओगे
मैं उतनी ही सबल बनूंगी
मैं उतनी ही प्रबल बनूंगी।।
मैं वहीं स्त्री हूं।

संध्या कुमारी साव
बुदबुद (पुर्व बर्दवान)
पश्चिम बंगाल ।
www.womenexpress.in

गीत विधा

गावें बधाई सारे,
अवध में राम पधारे हो रही ...
जबजब पाप बड़े धरती पर,
प्रभु आए सदा वेश बदलकर,
विश्व लगाए जयकारे,
अवध में राम पधारे । हो रही...
सत्य पताका लहरा है,
राम प्रभु के गुण गा रही है,
काँपे हैं शत्रु सारे हो..ओ....ओ,
तरसे थे नैना हमारे,
अवध में राम पधारे । हो रही ...

सजी अयोध्या नगरी सारी,
बज रहे ढोलनगाड़े,
हो रही जयजयकार,
अवध में राम पधारे । हो रही ...
मंगलाचरण की बेला आई,
धन्य अवध, धरती मुस्काई,

भावना 'मिलन' अरोड़ा
कालकाजी, नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

एक घी का दीपक जला देना

मंदिर मस्जिद संघर्ष में ,
लाखों लोगों ने लहू बहाया है।
न्याय मिला है आज उन्हें,
खुशियों का समां अब छाया है।।

पांच अगस्त के भूमि पूजन का,
शिलान्यास का डंका बाजा है।
न्याय मिला खुश हुआ है भारत,
प्रभु श्री राम का मंदिर बनने वाला है।।

वर्षो पुरानी प्रतीक्षा का,
खत्म अब इंतजार हुआ।
राम के भव्य मंदिर का,
हर हिन्दू का सपना साकार हुआ।।

सरयू तट पर बसी ये नगरी,
अति पावन,पवित्र भूमि है।
पावन भूमि अयोध्या की,
युग युग से राम की जननी है।।

तुम भी इस पावन अवसर पर,
अपनी सहभागिता दिखा देना।
राम मंदिर के शिलान्यास में,
एक घी का दीपक जला देना।।

नीता तायल
कासगंज, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

मेरा हमदम न कोई

जिसे सब कुछ हैं मिला ।।
डर ना तन्हाई से 'ए' दिल,
मिलती नहीं सबको प्रीत ।
मेरा हमदम ना कोई ,
नहीं कोई अपना मीत ।।

साया अपना भी मुझे ,
जाने कब छोड़ चले ।
किस पे एतबार करू ,
नीले आसमां के तले ।।

किस के लिए गज़ल करू,
किस को लिखू मैं ये गीत ।
मेरा हमदम ना कोई ,
नहीं कोई अपना मीत ।।

माँगे नहीं मौत मिले ,
कैसी ये दुनियां की रीत ।
मेरा हमदम ना कोई ,
नहीं कोई अपना मीत ।।

तुम से शिक़वा ना कोई,
नहीं कोई तुमसे गिला ।
ऐसा दुनिया में हैं कौन,

जगदीश गुलिया
नजफगढ़ (दिल्ली) ।
www.womenexpress.in

मां के चरणों में है चारों धाम

बेटियों का स्वाभिमान होती,
मां का आंचल सुख देता।
मां स्वयं स्वर्ग का द्वार
पाते उसके सेवा से पुण्यअपार।
जिसने मुझे बनाया,
मुझे अपना अस्तित्व दिखाया।
मां देती हर पल हौंसला
उसके रहते रहता खुशियों का
घोंसला।
मां के चरणों में है चारों धाम
उसके बिना कहीं और कहां आराम।
हर राह की हमसफ़र मां बन जाती,
जीवन के पतझड़ में बहार सी
मां होती ।
अपनों के दर्द में पिघलती,
रूत आए रुत जाए,हर दौर में
एक सी होती मां।
मां के लिए क्या लिखूं??
जिसने खुद मुझको लिखा।
मेरी नज़र से देखोगे,
तो जानोगे, ईश्वर का रुप है मां।

मां तो मां होती
सारे सुखों की छांव होती,
शीतल पनाह देती।
धरती पर जन्नत होती,
अपनी पीड़ा भूल जाती।
अपनों का ख्याल रखती
निस्वार्थ सेवा करती।
खुद भूखी सो जाती,
भरपूर दुलार लुटाती।
हर मर्ज की दवा बन जाती
जीवन को राह दिखाती।
चांद जैसी रोशनी देती,
संघर्षो से लड़ना सीखाती।
ममता की मूरत होती
त्याग की जिंदा सूरत होती।

रेखा पारंगी
बिसलपुर, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

छन्द-वीर (आल्हा)

पर अब वह गौरव भी आया,
जिसका था मन में अरमान,
विश्व ये पूरा चाहके उठा था,
सुप्रीम कोर्ट दिया फरमान।
अमर हुए रंजन गोगोई, जिसने
खींची ऊँची तान,
वहाँ राम का मन्दिर होगा, नहिं
मस्जिद का कोई निशान।
इक आतंकी ने तब बोला, नदी
बहेगी होगा खून,
तब हुंकार भरी मेरी सेना,
बरफ हो गया सारा खून।
उनकी गीदड़ भभकी को मैं,
समझूँ जैसे बोले काग,
घर में घुसकर फिर मारूँगा,
बरसाऊँगा फिर से आग।
सबसे स्वर्णिम अवसर आया,
नयन निहारे सबहीं देख,
भक्ति राम की चढ़ी मुड़ेरी,
दिल में स्वाभिमान की रेख।
समय प्रतीक्षा खतम हुई है,
अब गर्भगृह में आये राम,
जय जय जय जयकार
लगाओ, मिलकर बोलो सीताराम।
शहीद कारसेवकों को तो, मिल
गई है श्रद्धांजलि आज,
करता देखो देश है पूरा,
करतल ध्वनि से तुम पर नाज।
जयराम जयराम सब बोलो,
कट जाएंगे कष्ट अपार,
इस भव से छुटकारा होगा,
खुल जायेगा फिर मुक्ति द्वार।

सनातन धर्म आस्था पे थी,
बड़ी तेज वो गहरी चोट,
जब बाबर के मन में बैठी
मन्दिर पर मस्जिद की खोट।
जहाँ विराजे रामलला जी,
अवध में जाकर जल्द उजाड़,
फतवा दिया मीर को जाके,
वहाँ पे मस्जिद कर निर्माण।
सदी सोलहवीं तुम देखो, शुरू
हुआ था कैसा काम,
उसको लेकिन नहीं पता था,
क्या होगा इसका अंजाम।
समय पे रक्षक फिर से जागे,
गर्जन कर भर ली हुंकार,
सिंघल के संग अडवाड़ी थे,
श्री तोगड़िया औ कटियार।
उमा साथ थीं ऋृुम्भरा
जी,विजय राजमाता तैयार,
मुरली जोशी अड़े हुए थे,
कल्याण मंत्री भी तैयार।
बजरंग विहिप बीणा थामे, खड़े
रहे बनकर तलवार,
जुड़ने लगे संग बहुतेरे, बना
बना खुद को पतवार।
सदी बीसवीं अंतिम में थी,
मिली मस्जिद विध्वंस की शान,
स्वयं किया था कितनो ने ही,
अपने जीवन का बलिदान।

नीरज कुमार द्विवेदी
बस्ती, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

दर्द को भी

या सब जमापूँजी का कर्म है
लेकिन दोनो ही सूरतों में
यह टीस कम नहीं देता
या अपना प्रारब्ध बदल नहीं लेता

दर्द अगर बहकर निकल जाए
तो क्या यह सुख बन जाता है?
या, फिर किसी संक्रामक रोग
की तरह फैल जाता है?
जिससे दर्द बाँटने की हिमायत है
बात सोचने की है,कि
दर्द को उससे कितनी राहत है

दर्द रूप बदल कर भी आता है
पहचाने वाले सतर्क रहें,तो भी क्या
दर्द का सामना करना इतना
आसान नहीं होता,
जितना इसको भुलाना;
और इन्सान बहुत कुछ भूल कर
बहुत लम्बा जी सकता है।

नदी की तरह बहना आना चाहिए
वर्ना एक जगह पर जमा होकर
यह दर्द, कीचड़ बन जाता है
जो गीला हो या सूखा है
बस केवल बदबू देता है

दर्द को सहेजने का मतलब है
किसी उमड़ती हुई नदी पर बाँध बनाना
जो आवेग और आवेश में आकर
किसी भी दिन बाँध को तोड़कर
कितने की अन्जाने प्रान्तों में
घुस सकता है
और एक दिन कोढ़,नहीं तो
नासूड़ बन सकता है
दर्द अपने कर्मों की जमापूँजी है,

सलिल सरोज
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

मजदूरी...

गुस्सा उसे भी आता होगा
सोचकर अपने घर वालों का
मन ही मन सिसकता होगा!!

क्यों मजदूरों को मिली ना मजदूरी
क्यों उनकी इज्ज़त को शर्म सार किया
क्यो Ac में बैठे नेताओं ने
हर जगह उनका तिरस्कार किया!

मजदूरी कि थी साहब उसने
मेहनत से सारा काम किया
आयी बारी हिसाब कि तो
क्यों सबने प्रशनो का निर्माण किया!

गलती उसकी क्या थी बस
मेहनत से उसने काम किया
वो भी बन जाता अफसर बड़ा
पर मजबूरी ने थाम लिया..!!!
आखिर वो भी एक मजबूर था साहब
जिस ने मजदूरी को चुन लिया।।

आखिर वो भी एक मजबूर था साहब
जिस ने मजदूरी को चुन लिया।।
दूसरों के अरमानों को पूरा कर
खुद के अरमानों को दफ़न किया
बचाकर अपनी झोपड़ी को
दूसरों के महलों का रोशन किया।।

गर्मी कि धूप में जलता रहा
सर्दी कि रातों में तड़पता रहा
गैरो पर आस लगाकर वो
मजदूरी का काम करता रहा।

मिला ना मेहनत का फल उसे
हर जगह वो गिड़गिड़ाता रहा
देकर हिसाब अपनी मजदूरी का
दर दर गलियों में भटकता रहा!!!
इंसानों कि तरह वो भी था

प्रियंका अखावत
किशनगढ़, अजमेर।
www.womenexpress.in

ओ मेरे आराध्य देव राम

असत्य को तूने मिट्टी में मिलाया।
शबरी की कुटिया में जाकर,
दिए अपने वचन निभाया।
जूठे बेर उससे तूने खाया,
लक्ष्मण को कोपभाजन बनाया।

लोग कहते हैं तुझे पुरुषोत्तम,
सीता को तूने वनवास भिजाया।
क्या कसूर था माँ सीता की?
प्रसव पीड़ा उसे वन में कराया?

ओ मेरे आराध्य देव राम,
करता हूँ सुबहशाम प्रणाम।
मेरे दिल में बसे हो राम,
दर्शन दे दो मेरे प्यारे राम।

जैसे तूने अहिल्या को तारा,
उसके लिए उसके घर पधारा।
चरण स्पर्श कर दे दी मुक्ति,
आकर फिर दिखाओ न शक्ति!

सुग्रीव और बाली का तूने,
भाई भाई का अंतर्द्वंद्व मिटाया।
सत्य को तूने गले लगाया,

जब अयोध्या आपकी
जन्मभूमि थी,
तो फैसला इतने दिन बाद
क्यों आया?
हम सभी भक्तों को तूने,
अपनी दर्शन को कितना तड़पाया?

कोई अगर अब उठाए अंगुली,
तो सबक सीखा दो मेरे राम।
रग रग और कणकण में बसे हो,
ओ मेरे आराध्य देव राम।

पुनीत साव
www.womenexpress.in

मेंहदी

मेरे अस्तित्व को कुचला जाता है
मैं ये सब भी सहन कर लेती हूँ...
निर्दयता से मुझे पत्थरों की
चोट देकर पीसा जाता है.....
कौन सह सकेगा खुद के साथ
इतना कटु व्यवहार.......
मैं सहती हूँ....मिटने के बाद भी
मुझे गोल गोल घुमाकर घोलते हैं..
रात भर अकेला छोड़ते हैं..
और फिर रच दी जाती हूँ
किसी दुल्हन की हथेली पर..
सूखकर मिटा दी जाऊँगी
ये मालूम है मुझे.....
इसीलिए हाथों पर छोड़ जाती हूँ
रक्तिम लाली..... जिसे देख वो
बार बार खुश होती है..
संतोष है मुझे मिटाकर मैं खुद को
किसी का संसार बसा जाती हूँ
हाँ.... मैं मेंहदी हूँ

मैं मेंहदी हूँ....
मेरी कहानी बहुत दर्द भरी
मेरी जुबानी सुनकर
भावुक हो जाती है जमीं
मैं प्यार के पुष्पों सी
वन वाटिका में खिलती हूँ
मेरे तन से कोमल पंखुड़ियों को
एकएक कर चुना जाता है
मैं अथाह दर्द सहती हूँ......
खुद को टूटता देखकर
बेबाक हो हंसती हूँ
बेरहमी से मेरे नरम और
मुलायम पत्तों को नोचकर
टुकड़े टुकड़े किया जाता है
और कठोर पत्थर की रगड़ से

शिवानी त्रिपाठी
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

श्री राम नाम की लहर

वह प्रतिक्षित सुनहरी घड़ी अब आई,
जिसके राहें सदियों से हम सब देखें।
यह शुभ दिवस की मंगल खुशी छाई
मन प्रफुल्लित राम जन्म हुआ है जैसे।।

आज श्री राम भूमि पूजन जब होगी,
इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में
तिथि बनेंगी।
दीवाली जैसे पूरे देश में श्री
राम नाम गूंजेगी,
जय श्री राम शंखनाद स्वर की
ध्वनि बजेंगी।।

श्री राम नाम की लहर अवध
में छाएगी,
सब जन जन बस जय श्री
राम गाएंगे।
ये सुनहरा अवसर 5 अगस्त आएगी,
सबके चेहरे पर हर्ष उल्लास के
गीत बजेंगे।।

आया बहुत सुनहरा अवसर,
चारों ओर लग रहा है उत्सव।
श्री राम शिला न्यास हो रहा,
देश में खुशी का है महोत्सव।।

अयोध्या नगरी है बड़ी उत्सुक,
यहाँ घर घर दीप होगें प्रज्वलित।
कितना मनोहर सुन्दर दृश्य होगा,
सारी दुनिया अब होगी पुलकित।।

श्री राम रूप व नाम दूजा ना कोई,
इनकी पूजा से सारे हो जाए काम।
जीवन में अब इससे सुन्दर ना होई,
सबके हृदय में बस एक राम नाम ।।

भावना गौड़
ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

मेरी अनपढ़ माँ

मेरी अनपढ़ माँ ।
हां नहीं है उन्हें किताबी ज्ञान ,
तो क्या हुआ जो गई नहीं वो
स्कूल!
पर, देती तो वही है ना हम
बच्चों को अपनी पहचान ।
भेजती तो वही है ना हम बच्चों
को अपने स्कूल ।।
लाख हंसे जग उन पर ।
संकट जो आए कभी हम बच्चों पर
सबसे पहले आगे बढ़कर
करती उनका नाश ।।
तो क्या हुआ सीखा नहीं उन्होंने
अंग्रेजी पढ़ना और बोलना ,
बिन सीखे ही सिखाया हमें
ABCD पढ़ना ।।
मेरी अनपढ़ माँ ! हां है वो अनपढ़
तभी तो जब भी मांगू रोटी एक ,
परोसती थाली में दो रोटी सेक ।।

कितने ताने देता उन्हें यह
पुरुषसत्तात्मक समाज ,
कुछ पढ़ लिया होता तो
बुद्धिजीवी होती आज ।।
और धकेल देता उन्हें गंवार
कह कर रसोई के भीतर
कह कर की जाना नहीं यहाँ से
कहीं इधरउधर ।
यही है तुम्हारी असली जगह हर
रोज की
इतनी ही छोटी सोच है इस
समाज की ।।
हां नही है उसे डाक्टरी ज्ञान ।
फिर भी बच्चों को हो गर
कभी बीमारी ,
अपने उसी अनपढ़ बुद्धि से ही
रखती हमारा खयाल ।।
ऐसी ही है मेरी अनपढ़ माँ
जिसका जीवन रसोई से शुरू और
रसोई पर ही खतम करता ये जहाँ ।।
नहीं समझता कोई उनका दर्द,
हो चाहे कितना भी गुणी मर्द,
पर, वह भूल ही जाता कि इसी
माँ की कोख से वो इस जहाँ में है
आता ।।
जन्म से कुछ पल की खुशी देकर ,

हम बच्चे छीन लेते माँ से
उनकी खुशी ,
फिर भी माँ हमारे खातिर
न्यौछावर करती अपनी खुशी ।।
जीवन की प्रारंभिक शिक्षा देती
हमें यही अनपढ़ माँ ,
सम्भालती हुई घर बाहर का
संसार भी माँ ।।
होते हम बड़े ; जो हो जाता
जब अक्षर ज्ञान
समझ कर खुद को श्रेष्ठ ,
फेंक देते घर से बाहर ,
उन्हें समझ कर कोई बोझिल सामान ।।
क्यों भूल जाते हम
उन्होंने ही दिलाया हमें जग में सम्मान
जिनके कारण बनी हमारी पहचान ।।
सोचती हूं मैं जब इन बातों को
आती नहीं नींद, गिरते हैं आँसू रातों को
अनुरोध है मेरा इस जग से ,
ना करें प्रताड़ित किसी माँ को
अब से ,
वही अमूल्य वस्तु है इस जहाँ
में सबसे ।।

पूर्णिमा रॉय
बर्द्धमान, पश्चिम बंगाल ।
www.womenexpress.in

बारिश की रूमानी फुहार

बारिश की आई रूमानी फुहार,
हुआ है मदहोश दिल बेकरार।

प्रेमी संग प्रेमिका गाए
प्रेमगीत मल्हार,
आसमां भी हो रहा खूब गुलज़ार।

मौसम अंगड़ाई लेता आती बहार,
वो पगली मुस्कुराती बार बार।

प्रेमप्रसून खिल रहे हृदय में,
सावन में बरसे बेशुमार
प्यार ही प्यार।

अरमान9ए9गुल खिले दिल
लगा महकने
प्यार की रौनक है प्यार ही उपहार

अतुल पाठक
हाथरस(उत्तर प्रदेश)।

एक नजर

अगले महीने से ब्रिटेन के लिए उड़ान शुरू करेगी स्पाइसजेट

मुंबई । बजट विमानन कंपनी स्पाइसजेट को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर 'स्लॉट' मिल गया है। इससे एयरलाइन अगले महीने से लंदन के लिए उड़ानें शुरू कर सकेगी। स्पाइसजेट ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि 'एयर बबल' करार के तहत उसे ये स्लॉट मिले हैं। अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने के बाद इसका विस्तार कर उसे नियमित उड़ान सेवा की अनुमति दी जाएगी। एयर बबल एक द्विपक्षीय व्यवस्था है, जिसमें दो देशों की एयरलाइंस कुछ नियमनों और अंकुशों के साथ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन कर सकती हैं। स्पाइसजेट ने कहा, ''उसे एक सितंबर से उड़ानों के परिचालन के लिए हीथ्रो हवाई अड्डे पर स्लॉट मिल गया है। यह भारत और ब्रिटेन के बीच बबल करार के तहत है। यह गर्मियों की सारिणी समाप्त होने यानी 23 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा।'' एयरलाइन ने कहा कि नियमित परिचालन शुरू होने के बाद इसका विस्तार किया जाएगा। कोविड19 महामारी की वजह से भारत में 22 मार्च से सभी अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक उड़ानें बंद हैं। हालांकि, इस दौरान दूसरे देशों में फंसे अपने नागरिकों को लाने के लिए तथा चार्टर उड़ानों का परिचालन किया जा रहा है। स्पाइसजेट ने कहा कि सर्दियों की समयसारिणी में नियमित परिचालन को स्लॉट लेने के लिए उसकी बातचीत अग्रिम चरण में है। भारत में एयरलाइंस के लिए सर्दियों की सारिणी अक्टूबर के आखिरी शनिवार को शुरू होकर मार्च के आखिरी में समाप्त होती है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने दीया, मास्क व सैनिटाइजर का किया वितरण

नई दिल्ली। श्री राम मंदिर भूमि पूजन के पूर्व दिवस पर कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम में आज दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दीया, मास्क और सैनिटाइजर का वितरण किया और सभी से 5 अगस्त की संध्या को दीया जलाने की अपील की। कार्यक्रम का आयोजन मीडिया पैनेलिस्ट शिवम छावड़ा ने किया। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष सुनील यादव, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा सहित जिले व मंडल के पदाधिकारी उपस्थित थे।

आदेश गुप्ता ने बताया कि दीया वितरण अभियान के तहत दिल्ली भाजपा के सभी कार्यकर्ता अपने अपने बूथों से कुल 11 लाख दीयों का वितरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग श्री राम मंदिर भूमि पूजन को लेकर बहुत ही उत्साहित है क्योंकि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद अंततः वह दिन आ गया है जब श्री राम मंदिर का भूमि पूजन होने के बाद मंदिर निर्माण कार्य शुरू होगा। कल जब माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से भूमि पूजन होगा उस समय पूरी दिल्ली भी उस पवित्र और ऐतिहासिक क्षण की सहभागी और साक्षी बनेगी। श्री गुप्ता ने कहा कि इससे ज्यादा हर्ष की बात नहीं हो सकती जब सभी धर्मों ने शांति और सौहार्दपूर्ण तरीके से श्री राम मंदिर निर्माण के फैसले को अपनी सहमति दी है।

हरियाणा में असंगठित श्रमिकों की जिंदगी बदल देगा नया पोर्टल

हर परिवार तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार का मकसद: दुष्यंत चौटाला

(आलोक सांगवान)

चंडीगढ़, 4 अगस्त। अब प्रदेश में असंगठित क्षेत्र से जुड़ा कोई भी श्रमिक सरकार की ओर मिलने वाली योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहेगा। इतना ही नहीं सरकार स्वयं कामगारों को सूचित कर घर बैठे ही उनका हक पहुंचाने का काम करेगी, बस इसके लिए असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाना होगा।

प्रदेश उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने पंचकुला में मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा लॉन्च किए गए पोर्टल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के असंगठित श्रमिकों के हित के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए उनके पंजीकरण के लिए एक वेब पोर्टल लॉन्च किया है। इस पोर्टल के माध्यम से जहां राज्य के असंगठित श्रमिकों का पंजीकरण करके डाटा तैयार होगा तो वहीं उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

डिप्टी सीएम ने कहा कि आज असंगठित श्रमिकों का डाटा न होने की वजह से उन्हें कोई भी मॉनिटर नहीं कर पाता है और वे सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते है। उन्होंने कहा कि अब इसके लिए हरियाणा सरकार ने बड़ा ऐतिहासिक कदम उठाया हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा लॉन्च किए गये इस नये वेब पोर्टल के जरिये प्रदेश भर असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों का डाटा तैयार होगा और जिससे सरकारी

योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता आएगी। दुष्यंत चौटाला ने बताया कि पोर्टल पर पंजीकृत होने के बाद असंगठित क्षेत्र के कामगारों को उनकी जरूरत के मुताबिक उन्हें निपुण करने, नए रोजगार के नए अवसर देने तथा अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ देने में मदद मिलेगी। वहीं उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि इसके साथसाथ आज हरियाणा सरकार ने एक और ऐतिहासिक कदम उठाया है। उन्होंने परिवार पहचान पत्र योजना को लेकर कहा कि यह योजना परिवारों को समृद्ध बनाने की दिशा में सार्थक व ऐतिहासिक कदम हैं और इससे सरकार की योजनाओं का प्रभावी तरीके से प्रत्येक प्रदेशवासी तक पारदर्शिता से लाभ पहुंचाने में पूरी सहायता मिलेगी। डिप्टी सीएम ने कहा कि उनका मानना है कि आने वाले समय में प्रदेश सरकार की अलगअलग योजनाओं को प्रभावी तरीके से प्रत्येक प्रदेशवासी तक पहुंचाने में परिवार पहचान पत्र की अहम भूमिका होगी और यह योजना रीढ़ की हड्डी साबित होगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस योजना को लागू कर बड़ा बदलाव लाने का कार्य किया है और प्रदेश को इसकी लंबे समय से जरूरत थी।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि इसका फायदा हमने कोरोना महामारी के शुरूआत में जब हरियाणा सरकार ने श्रम कल्याण बोर्ड में निर्माण क्षेत्र से जुड़े सभी श्रमिकों को एक हजार रूपये प्रति सप्ताह की सहायता राशि देने का निर्णय लिया था, उसमें देखने को मिला। उन्होंने बताया कि जितने भी सरकार के पास रजिस्टर्ड वर्कर थे, उन्हें परिवार पहचान पत्र के डाटा से सिंक किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान यह भी देखने को मिला कि कई जगहों पर टेक्नोलॉजी न होने की वजह से अन्य लोग फायदा उठा रहे थे और जिन्हें यह मदद मिलनी चाहिए थी वे वंचित रह गये। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के संकट के बीच सरकार ने जनता तक पहुंचाने वाली सुविधाओं में आने वाली परेशानियों को अवसर बनाया और इन्हें दुरुस्त करने की दिशा में मजबूती के साथ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि कोविड19 के दौरान चाहे डिस्ट्रेस राशन टोकन वितरित करने की बात हो या रोजगार पोर्टल, मिस्त्री एप आदि लॉच करना हो, सरकार ने ऐसे तमाम कदम जनहित में उठाए।

डिप्टी सीएम ने बताया कि इसी वर्ष 26 जनवरी, 2020 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर गांव सिरसी को लाल डोरा से मुक्त करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश सरकार ने परिवार समृद्धि योजना को लॉच किया था।

प्रभाताई ओझा स्मृति आरोग्य कार्ड का वितरण

(संजय जोशी/वूमेन एक्सप्रेस)

नागपुर। प्रभाताई ओझा स्मृति सेवा संस्था एवं विप्र फाउंडेशन नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में प्रभाताई ओझा स्मृति विप्र आरोग्य कार्ड का वितरण महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एंव महसूल मंत्री महाराष्ट्र राज्य बालासाहेब थोरात के कर कमलों से किया गया।

इस अवसर पर नितिन राऊत, पालकमंत्री नागपुर, मंत्री सुनील केदार उपस्थित थे। रामकिशन ओझा, महासचिव महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी व अध्यक्ष प्रभा ताई संस्था ने आरोग्य कार्ड की जानकारी मे बताया कि यह कार्ड अस्पतालों में इलाज के लिए आर्थिक छुट प्राप्त करने में सहायक होंगे।

इससे नागपुर के जाने माने हॉस्पिटल में चिकित्सा सुविधा में विशेष छुट मिलेगी। अपने उद्बोधन में बालासाहेब थोरात ने प्रभाताई ओझा स्मृति सेवा संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की और इसे नियमित जारी रखने की अपील की। नितिन राऊत ने आज के समय मे आरोग्य कार्ड को जनता की जरुरत बताया। साथ ही कहा, इससे अधिक अस्पतालों में इस आरोग्य कार्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है। नागपुर शहर के ज्यादा से ज्यादा अस्पतालों को इसमें शामिल किया जा रहा है। इस अवसर पर मंत्री सुनील

हॉस्पिटल में होने वाले इलाज मे सहयता मिलेगी। इस कार्ड के माध्यम से समाज के लोग अलग अलग अस्पतालों में विभिन्न तरह की चिकित्सा या दवाईयों पर आर्थिक छुट प्राप्त कर सकते हैं। विप्र फाउण्डेशन नागपुर इकाई के अध्यक्ष विश्वजीत भगत परिवार ने बताया कि अबतक नागपुर शहर के लगभग 70 से केदार, आमदार विकास ठाकरे, आमदार वजाहत मिर्ज़ा, आमदार राजू पारवे, आमदार सहसराम कोराटे, माज़ी मंत्री राजेंद्र मुलिक़, माज़ी मंत्री रमेश बंग, अतुल कोटेचा, महेंद्र शर्मा, महेश पुरोहित, जयप्रकाश पारीक, संजय पालीवाल, हेमंत शर्मा, रीतु आनन्द शर्मा आदि अनेक सदस्य गण एवं महिलाएं उपस्थित थे।

अब रिहायशी क्षेत्र के साथ-साथ दूसरी सम्पति का भी होगा सर्वे

हरियाणा के डिप्टी सीएम ने दिए अधिकारियों को आदेश

(विशेष संवाददाता)

चंडीगढ़, 4 अगस्त। अब प्रदेश में आबादी वाले क्षेत्र के साथसाथ कृषि सहित अन्य भूमि व जायदाद का भी ड्रोन सर्वे होगा। यह आदेश मंगलवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने दिए। वे मंगलवार को चंडीगढ़ में अपने कार्यालय में 'हरियाणा लार्ज स्केल मैपिंग एंड स्वामित्व प्रोजेक्टस' से संबंधित अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आबादी देह के साथसाथ राजस्व संपदा का भी ड्रोनसर्वे किया जाए ताकि लोगों को उनके मालिकाना हक की संपत्ति का ऑनलाइन रिकार्ड मिल सके। उन्होंने महात्मा गांधी जयंती 2 अक्तूबर 2020 तक लक्षित 242 गांवों में आबादी देह के सर्वे को जल्द से जल्द पूरा करने के भी निर्देश दिए, उस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे देश में हर जिला के एक गांव को लाल डोरा मुक्त करने की घोषणा करके डीड टाइटल वितरित करेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में प्रत्येक जिला से 11

गांवों अथवा कुल 242 गांवों को 2 अक्तूबर तक लाल डोरा मुक्त किए जाने का लक्ष्य है। बैठक में डिप्टी सीएम को जानकारी दी गई कि उक्त 242 गांवों के अतिरिक्त 8 अन्य गांवों में भी ड्रोन सर्वे का कार्य तो पूरा कर लिया गया है बाकि कार्य भी तेजी से किए जा रहे हैं। यही नहीं 214 गांवों में डाटाप्रोसेसिंग भी पूरा हो गया है। यह भी बताया कि 123 गांवों के मैप जिला प्रशासन को सौंप दिए गए हैं। जब उपमुख्यमंत्री को जानकारी दी गई खराब मौसम के चलते कुछ ड्रोन खराब हो गए थे तो उपमुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिरिक्त ड्रोन मंगवा कर कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

दुष्यंत चौटाला ने सर्वे ऑफ इंडिया के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आबादी देह के साथसाथ राजस्व संपदा का भी सर्वे किया जाए ताकि एकएक इंच जमीन के मालिकाना हक का पता चल सके। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश के लोगों को यह लाभ होगा कि वे अपनी जमीन का डिजिटली रिकॉर्ड कभी भी ले सकेंगे। इससे उनके समय व संसाधनों की बचत होगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने सर्वे ऑफ इंडिया से जो समझौता किया था, इसमें ड्रोन सर्वे से जहां गांवशहर, राजस्व की संपत्तियों की हद को सुरक्षित किया जाएगा, वहीं किसी भी प्रकार के अतिक्रमण से निपटना सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि इससे व्यवस्था में पादर्शिता आएगी।

बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजय वर्धन, भूमि रिकार्ड हरियाणा की निदेशक कुमारी आमना तसनीम, उपमुख्यमंत्री के विशेष कार्यकारी अधिकारी कमलेश कुमार भादू, सर्वे ऑफ इंडिया चंडीगढ़ के निदेशक श्री प्रशांत कुमार समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विधायक सुभाष त्रिपाठी ने आलू प्रक्षेत्र बालापुर में किया कार्य का शुभारंभ, पौधे लगाए

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत राजकीय आलू प्रक्षेत्र बालापुर में पौधरोपण कार्य का शुभारंभ बालापुर कृषि फार्म पर क्षेत्रीय विधायक सुभाष त्रिपाठी ने किया। विधायक सुभाष त्रिपाठी ने लोगों में पौध वितरण भी किया।

इस अवसर पर क्षेत्र वासियों से अपने घर आंगन में खाली पड़ी भूमि पर प्रत्येके वर्ष औषधीय, फलदार व छायादार पेड़ लगाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि मानव जीवन को जीवंत रखने के लिए वृक्षों का होना अति महत्त्व पूर्ण है। यदि पृथ्वी पर पेड़ नहीं होंगे तो जीवन असंभव हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आज दूषित पर्यावरण को बचाने के लिए पौधरोपण करना आवश्यक है। जहां भी हरियाली होती है वहां खुशहाली होती है। प्रभारी आलू प्रक्षेत्र बालापुर आर के वर्मा ने भी वृक्ष लगाओ स्वास्थ्य बनाओं का आह्वन किया। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष राजकुमार शुक्ल,महामंत्री संतोष गौतम ,आईटी संयोजक प्रमोद शुक्ल,बरिष्ठ कार्यकर्ता मनोज शुक्ल,बलराम शुक्ल,आनंद शुक्ल,विकास पाण्डे, रविंद्र प्रताप सिंह सहित सभी लोग फेसकवर के साथ सोशल डिस्टनसिंग का पालन करते हुए उपस्थित रहे।

परिषदीय विद्यालयों में कहीं शिक्षक नही मौजूद, कहीं लटकता मिला ताला

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । वीकेंड लॉकडाउन के पश्चात जब जब परिषदीय विद्यालयों की रियालटी चेक किया गया वही पुराना रवैया देखने को मिला, कहीं विद्यालय बन्द तो कहीं शिक्षक नदारद और अब तो कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप का हवाला देकर शिक्षकों ने बचने का उपाय ढूँढ लिया है तो क्या अन्य शिक्षक जो कर्मठता से अपनी ड्यूटी कर रहे है, क्या कोरोना नामक वायरस उनसे डरता है जो उन्हें खतरा नही है । मामला जनपद के विकासखंड बिशेश्वरगंज अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों का है पूर्वाह्न 10:35 पर प्राथमिक विद्यालय सरबदी में सहायक अध्यापक अवधेश पाण्डेय पिछ्ली बार की तरह नदारद मिले इसबार उन्हें सी एल पर होना बताया गया । पूर्वाह्न 11: 00 पर प्राथमिक विद्यालय बेलभरिया में अरविंद कुमार व विभा देवी नदारद उन्हें प्रशिक्षण में होना बताया गया ।

पूर्वाह्न 11:38 पर बालापुर खास में आज वही सुषमा सिंह नदारद मिली

जो बड़े बड़े दावों के साथ विद्यालय में प्रवेश लेने से पहले पत्रकारों का साक्षात्कार लिया करती थी तब स्वयं प्रभारी थी और आज मौजूदा प्रभारी को महज़ फोन से सूचना देकर नदारद हो लॉक डाउन के नियमों का कड़ाई के साथ घर पर रहकर सोशल डिस्टेंसिंग के तहत पालन कर रही है ।

अपराह्न 12: 09 पर कन्या प्राथमिक विद्यालय तकिया द्वितीय में सुशील कुमार विद्यार्थी व प्रभारी प्रशांत यादव मौजूद नहीं मिले, सुशील कुमार विद्यार्थी को हाट स्पॉट के अंतर्गत होना बताया गया ।

अपराह्न 12:17 पर जो नज़ारा देखने को मिला वह शिक्षा विभाग की ही नहीं सरकार की छवि भी धूमिल करने के लिए पर्याप्त थी, पूर्व माध्यमिक विद्यालय तकिया में गेट के बाहर बड़ा सा ताला लटकता मिला जिसके बारे में लिखने से ज्यादा समझने की बात है कि पूरा विद्यालय बन्द करके किस कर्तव्य का निर्वाहन किया जा रहा है ।

अपराह्न 12: 24 पर प्राथमिक विद्यालय तकिया प्रथम में अरुणाभ सिंह व सैयद अकबर जावेद मौजूद नहीं मिले ।

बेतिया: बाढ़ पीड़ितों की सेवा में लगी एक महिला

(आदित्य दुबे/ वूमेन एक्सप्रेस)

बेतिया। बाढ़ का समुंदर बना बिहार में, जहां लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने में प्रशासन फेल है । वहीं दूसरी ओर महिला समाज सेवी मिसाल कायम कर रही है। पश्चिमी चंपारण जिला की महिला समाज सेवी मेरी ऐडलीन जिला में बाढ़ के कारण अपना सब कुछ बर्बाद कर चुके , लोगों तक अब राहत सामग्री पहुंचाने में जुटी हुई है। आज जिले के पिपरासी प्रखंड के सेमरा लेबदहा पंचायत के बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुँची। बाढ़ से प्रभावित लोगों के बीच सूखा राशन, खाद्य सामग्री चूड़ा, बिस्किट, चीनी आदि का वितरण किया। इस प्रकार से इस महिला समाजसेवी का बाढ़ पीड़ितों के प्रति सेवा, समर्पण होना, जिला के लिए ही नहीं ,बिहार के लिए मिसाल कायम कर रही है ।

साथ ही इस प्रकार से महिला समाजसेवी का कार्य करना बाढ़ पीड़ितों के लिए यह कहीं ना कहीं पश्चिमी चम्पारण के प्रशासन पर करारा तमाचा भी है । प्रशासन को इस महिला समाजसेवी सेवा , समर्पण का शिक्षा भी लेना ।

नई शिक्षा नीति से बढ़ी दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता: प्रो के एन सिंह

(विनोद मिश्रा/वूमेन एक्सप्रेस)

प्रयागराज, 4 अगस्त । नई शिक्षा नीति के आने से दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता एवं प्रमाणिकता बढ़ी है। भारत एवं भारतीयता को केंद्र में रखकर तैयार की गई नई शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस नीति में ऑनलाइन तथा ऑफलाइन शिक्षा के मध्य समन्वय एवं सामंजस्य बैठाते हुए शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन पर विशेष जोर है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति का हार्दिक स्वागत करता है। इस चिर प्रतिक्षित नीति के क्रियान्वयन से हर क्षेत्र एवं हर वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है एवं 2035 तक उच्च शिक्षा के नामांकन अनुपात को 50त्न तक पहुंचाने का भारत सरकार का लक्ष्य पूरा होगा। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार को बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि कोविड19 महामारी के इस दौर में उच्च शिक्षा के अध्ययन का स्वरूप बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का बोलबाला है। ऐसे में हमें

सीमित संसाधनों के माध्यम से अधिक/ से अधिक लोगों को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान करना है।हमें प्रवेश में विविधता लानी है। विश्वविद्यालय ने इसी सत्र से कोविड19 पर जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम में महामारी के प्रकोप से बचने के उपायों को बताया गया है। प्रोफेसर सिंह ने समन्वयक उनसे कहा कि शिक्षार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम केंद्रों पर चलाए जाएं। अध्ययन केंद्रों पर ही समस्या समाधान दिवस आयोजित किए जाएं, जिससे शिक्षार्थियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके एवं शिक्षार्थी इस कोरोना काल में दूरस्थ माध्यम से प्रवेश लेकर बिना किसी अवरोध के अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकें। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला का संचालन डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का स्वागत डॉ आर बी सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, बरेली क्षेत्रीय केंद्र ने किया। विषय प्रवर्तन तथा कार्यशाला के बारे में क्षेत्रीय निदेशक डॉ आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा पर जोर देते हुए कौशल युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में बरेली क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 29 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

सर्पदंश पीड़ित लड़के को रात्रि में NDRF ने रेस्क्यू किया

अब तक 11,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला

(विशेष संवाददाता/वूमेन एक्सप्रेस)

पटना 4 अगस्त। विगत सोमवार/मंगलवार की रात 9वीं वाहिनी एनडीआरएफ की पूर्वी चम्पारण जिले के मोतिहारी में तैनात टीम सूचना मिलते ही त्वरित कार्यवाही करके जिले के बंजरिया प्रखण्ड में स्थित बाढ़ प्रभावित सिसवनिया गाँव से एक सर्पदंश पीड़ित लड़का को रेस्क्यू कर सुरक्षित अस्पताल तक पहुँचाने में मदद किया। 9वीं बटालियन एनडीआरएफ के कमान्डेंट विजय सिन्हा ने बताया कि जिला प्रशासन पूर्वी चम्पारण द्वारा 03 अगस्त को रात लगभग 1030 बजे मोतिहारी में तैनात एनडीआरएफ के टीम कमान्डर बिरेन्द्र कुमार राठौड़ को बूढ़ी गंडक नदी बाढ़ प्रभावित गाँव सिसवनिया में एक सर्पदंश पीड़ित के बारे में सूचना मिली। एनडीआरएफ की टीम त्वरित कार्यवाही करते हुए सहायक उप निरीक्षक जितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में 02 मोटर बोटों की मदद से रात के अँधेरे में 04 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करके सिसवनिया गाँव पहुँची। एनडीआरएफ के बचावकर्मियों ने सर्पदंश पीड़ित 17 वर्षीय लड़का कौशिक आलम, पिता रियाज़ आलम के बाढ़ प्रभावित गाँव पहुँचकर उनके परिवार के सदस्यों के जानकारी के अनुसार पीड़ित की स्थिति सामान्य बताया गया है। कमान्डेंट विजय सिन्हा ने बाढ़ प्रभावित इलाके में रहने वाले लोगों को सर्प से बचने को डराएं नहीं बल्कि उसे लगातार सांत्वना दें। कमान्डेंट विजय सिन्हा ने आगे जानकारी दिया कि अब तक बिहार राज्य के बाढ़ प्रभावित जिलों में

साथ सुरक्षित तरीके से भोला चौक, बंजरिया पहुँचाया। इस दौरान रास्ते में पीड़िता को सांत्वना देने का काम भी एनडीआरएफ के बचावकर्मी करते रहे। भोला चौक पर जिला प्रशासन मोतिहारी द्वारा पहले से ही एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई थी। तत्पश्चात बिना समय गँवाये देर रात एम्बुलेंस की मदद से पीडित लड़के को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बंजरिया पहुँचाया गया। प्राप्त की सलाह दिया। उन्होंने कहा कि रात के अंधेरे में टॉर्च लाइट का इस्तेमाल जरूर करें। यदि किसी व्यक्ति को साँप काट लेता है तो उस पीड़ित व्यक्ति को जितनी जल्दी हो सके नजदीकी अस्पताल पहुंचाए। रूढ़िवादी परम्परा के तहत स्थानीय तांत्रिक, मंत्र आदि के चक्कर में कदापि ना पड़े। पीड़ित व्यक्ति को ज्यादा चलने या हरकत करने से रोकें। साथ ही, सर्पदंश पीड़ित व्यक्ति प्रशासन के सहयोग से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर एनडीआरएफ के बचावकर्मियों ने ग्यारह हजार से अधिक बाढ़ आपदा में फँसे लोगों को रेस्क्यू करके सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाया है। मंगलवार को मुख्यरूप से एनडीआरएफ टीमों द्वारा सारण जिले के तरैया और पानापुर प्रखण्ड के अन्तर्गत बाढ़ प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़बचाव ऑपरेशन चलाया गया।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारी:
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

उप्र में शराब तस्करों का पीछा करते 2 पुलिसकर्मी घायल

बागपत (उत्तर प्रदेश)। शराब तस्करों द्वारा अपने वाहनों के नीचे कुचल दिए जाने से खुद को बचाने की कोशिश में एक सबइंस्पेक्टर सहित एक कॉन्स्टेबल को गंभीर चोटें आई हैं। यह घटना सोमवार को बागपत के निवाड़ा गांव के पास हुई। घायल पुलिसकर्मियों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें अब खतरे से बाहर बताया गया है। खबरों के मुताबिक, बागपत पुलिस को सीमा क्षेत्र में शराब की तस्करी की सूचना मिली थी। निवाड़ा चेकपोस्ट पर गाड़ियों की चेकिंग करते वक्त पुलिस ने एक विशेष वाहन को रोकने के लिए कहा। हालांकि गाड़ी ने बैरिकेड को तोड़कर भागने की कोशिश की, जिसके चलते चैकी प्रभारी बलराम सिंह ने कॉन्स्टेबल रोहित कुमार के साथ उस गाड़ी का पीछा किया और कुछ किलोमीटर की दूरी पर अपनी मोटरसाइकिल से गाड़ी के ठीक सामने आकर उनका रास्ता रोका। कार चालक ने बाइक के ऊपर अपनी गाड़ी चढ़ा दी, जिससे दो पुलिसकर्मी सड़कों के किनारे गिर पड़े और जख्मी हो गए। बागपत के एएसपी अजय कुमार ने कहा, हमने गाड़ी का पता लगाने के लिए टीमों का गठन किया है। दो पुलिसकर्मियों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हरियाणा बॉर्डर के करीब होने के कारण इलाके में सीमा पार से अवैध शराब की तस्करी बड़े पैमाने पर की जा रही है।

कमल नाथ ने किया हनुमान चालीसा पाठ, ट्विटर पर दिखे भगवाधारी

भोपाल । मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमल नाथ ने मंगलवार को प्रदेश की खुशहाली के लिए अपने आवास पर हनुमान चालीसा का पाठ किया। साथ ही उनके आह्वान पर कई अन्य नेताओं ने भी अपने घरों और देवालयों में विशेष रूप से हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया। कमल नाथ के श्यामला हिल्स स्थित आवास पर मंगलवार को हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर कांग्रेस के कई नेता मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने सोमवार को एक वीडियो संदेश जारी किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे प्रदेश की खुशहाली के लिए मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ करने वाले हैं। प्रदेशवासी इस मौके पर अपने घर में रहकर या नजदीक के मंदिर में जाकर प्रदेश की खुशहाली के लिए हनुमान चालीसा का पाठ करें। इसी तरह, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव और पूर्व कृषि मंत्री सचिन यादव ने खरगोन जिले के बौरांवा गांव में विशेष अनुष्ठान के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया। एक तरफ जहां पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ किया तो वहीं उनके ट्विटर हैंडल की प्रोफाइल भी बदल गई। प्रोफाइल में जो तस्वीर लगी है, उसमें कमल नाथ भगवाधारी नजर आ रहे हैं। साथ ही हनुमान चालीसा पाठ का जिक्र किए जाने के साथ कमल नाथ हनुमान जी की प्रतिमा के सामने नजर आ रहे हैं।

मुंबई में भारी बारिश, भूस्खलन से यातायात प्रभावित

मुंबई । मुंबई सहित आसपास के इलाकों में आज रात हुई भारी बारिश ने सड़क और रेल यातायात को प्रभावित किया है। अधिकारियों ने इसकी सूचना दी है। सोमवार देर रात से लगातार हो रही बारिश ने मुंबई की रफ्तार धीमी कर दी है क्योंकि सड़कों और रेल की पटरियों पर जलजमाव के कारण यहां यातायात प्रभावित हुई है। उपनगरीय क्षेत्रों की रेल सेवाएं परिश्चम रेलवे और मध्य रेलवे के विभिन्न स्थानों पर या तो रोक दी गई है या रूकरूक कर चल रही है जबकि? कुर्ला से लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस तक हार्बर लाइन पर रेल सेवा पूरी तरह से बाधित है। शहर के विभिन्न हिस्सों की सड़कों पर भारी जलजमाव के चलते यातायात बुरी तरह से प्रभावित है, सड़कों पर वाहनों की लंबीलंबी कतारों से जाम की स्थिति उत्पन्न हुई है। मलाड में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर कई टन मलबों के साथ पहाड़ी पर एक भारी भूस्खलन हुआ है जिससे इससे संबंधित सड़कों पर जाम लगने के साथ लोग सड़कों पर फंसे हुए हैं। सायन, किंग्स सर्कल, वडाला, दादर, कुर्ला, मुलुंड, बोरीवली से जलभराव की सूचना मिली है, इसके अलावा अंधेरी, कांदिवली और दहिसर में भी भारी जलभराव है।

आडवाणी का छलका दर्द, एक सपना था राम मंदिर

श्री राम मंदिर भारत का प्रतिनिधित्व करेगा, जहां सबके लिए न्याय होगा

कोई भी बहिष्कृत नहीं होगा, ताकि हम राम राज्य की ओर अग्रसर हों

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली , 4 अगस्त भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भूमि पूजन की पूर्व संध्या पर एक संदेश जारी कर कहा कि जीवन के कुछ सपने पूरा होने में बहुत समय लेते हैं, किन्तु जब वो चरितार्थ होते हैं, तो लगता है कि प्रतीक्षा सार्थक हुई। ऐसा ही एक सपना, जो मेरे ह्दय के समीप है, अब पूरा हो रहा है।

अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्री राम मंदिर का भूमिभूजन हो रहा है। निश्चित ही, केवल मेरे लिए ही नहीं, बल्कि समस्त भारतीय समुदाय के लिए ये क्षण ऐतिहासिक है और भाव पूर्ण भी। श्री राम जन्मभूमि पर श्री राम के भव्य मंदिर का निर्माण भारतीय जनता पार्टी का एक स्वप्न रहा है और मिशन भी।

आडवाणी ने आगे कहा कि मैं विनम्रता का अनुभव करता हूं कि नियति ने मुझे वर्ष 1990 में राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान सोमनाथ से अयोध्या तक राम रथ यात्रा का दायित्व प्रदान किया ओर इस यात्रा ने असंख्य लोगों की आकांक्षा, ऊर्जा और अभिलाषा को प्रेरित किया। इस शुभ अवसर पर मैं उन सभी संतों, नेताओं और देश विदेश के जनमानस के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं, जिन्होंने राम जन्म भूमि आंदोलन में मूल्यवान योगदान और बलिदान दिया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि मूझे इस बात की भी प्रसन्नता है कि नवम्बर 2019 में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए स्पष्ट निर्णय के स्वरूप श्रीराम मंदिर का निर्माण बहुत शांतिपूर्ण वातावरण में प्रारंभ हो रहा है। यह भारतीयों के परस्पर संबंधों को मजबूत करने में बहुत सहायक होगा।

श्री राम का स्थान भारतीय संस्कृति और सभ्यता की धरोहर में सर्वोच्च है, और वे विनीत, मर्यादा और शिष्टाचार के मूर्तरूप हैं। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि श्रीराम का यह मंदिर हम सभी भारतीयों को श्रीराम के इस गुणों को आत्मसात करने की प्रेरणा देगा।

उन्होंने कहा कि मुझे यह भी विश्वास है कि श्री राम मंदिर एक शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण राष्ट्र के रूप में भारत का प्रतिनिधितव करेगा, जहां सबके लिए न्याय होगा और कोई भी बहिष्कृत नहीं होगा, ताकि हम राम राज्य की ओर अग्रसर हों, जो सुशासन का प्रतिमान है।

आडवाणी ने कहा कि श्रीराम का आर्शीवाद भारत और भारतवासियों को सदैव प्राप्त हो, यही मेरी कामना है। जय श्रीराम।

बंगाली महिलाओं को किया जा रहा परेशान, पुलिस ने जांच शुरू की

सुशांत मामला: सोशल मीडिया पर

कोलकाता,4 अगस्त । अभिनेता सुशांत ड्क्षसह राजपूत की मौत के मामले में उनके पिता द्वारा अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद सोशल मीडिया पर अज्ञात लोग पश्चिम बंगाल, खासकर कोलकाता निवासी महिलाओं को पिछले एक सप्ताह से परेशान कर रहे हैं और बंगाली होने के कारण उनके लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कोलकाता पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है।

पश्चिम बंगाल महिला आयोग को महिलाओं की ओर से मेल पर कम से कम चार शिकायत मिली हैं जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आयोग की अध्यक्ष लीना गंगोपाध्याय ने कहा, पिछले एक सप्ताह से हमें सोशल नेटर्विकंग साइटों पर इस तरह की गालीगलौज के बारे में महिलाओं की शिकायतें मिल रही हैं।

हमें मेल पर कम से कम चार शिकायत मिली हैं। हमने इन्हें आवश्यक कार्रवाई के लिए कोलकाता पुलिस को भेज दिया है।'' इस संबंध में एक महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है जिसमें उसने कहा है कि उसके बंगाली होने के कारण सोशल मीडिया पर अज्ञात लोग उसे गाली दे रहे हैं।

पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने मामले की जांच शुरू कर दी है।'' अधिकारी ने बताया कि महिलाओं ने शिकायत की है कि सोशल मीडिया पर उन्हें गालियां दी जा रही हैं और उन्हें धन के लिए संबंध बनाने वाली तथा काला जादू करने वाली करार दिया जा रहा है।

तीस साल बाद आज पूरी होगी पीएम मोदी की कसम

अयोध्या में श्रीराम मंदिर भूमि पूजन, तो काशी में जगमगाएंगे दीप

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मस्थली आयोध्या में 5 अगस्त को भूमि पूजन के साथ भव्य श्रीराम मंदिर की नींव रखी जाएगी। इस खुशी में हर भारतीय उत्साहित होकर झूम रहा है। हर कोई अपनेअपने स्तर पर इस कार्य में सहायक बनना चाहता है। इस पल को सुननादेखना चाहता है। इसे जीना चाहता है। यही वजह है कि अयोध्या के साथसाथ देशभर में दीवाली मनाने की तैयारी है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी भला कैसे अछूता रह सकता है। खास तौर से तब जब 30 साल बाद उनकी मंदिर निमर्ण की कसम पूरी हो रही हो। राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन कर रहे हो। यही वजह है कि मंगलवार से ही पूरी काशी दीवाली मनाने की तैयारी में जुट गयी है। कोई गंगा घाट पर अपनी रचनात्मकता के जरिए श्रीराम को पुष्पांजलि अर्पित कर रहा है तो कोई घरों की मुंडेर पर दीए सजा रहा है। मतलब साफ है काशी में भी हर तरफ देव दीपावली जैसा दीपमाला का नजारा दिखेगा। या यूं कहे पूरी काशी दीपों से जगमगायेंगी। हर आंगन रोशनी से नहाने को बेमाब है। बाजारों में हर कोई दीयों की खरीदारी करते देखा जा रहा है। सभी राम लला की

खुशियों में सराबोर हैं। इसके अलावा कुछ सामाजिक संस्थाएं भी ढोल नगाड़ा के साथ उत्सव मनाने की तैयारी में जुट गए हैं।

बता दें, साल 1991 में जब नरेन्द्र मोदी बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी के साथ अयोध्या गए थे और वहां रामजन्मभूमि परिसर में राम जन्मोत्सव के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। तब एक फोटोग्राफर ने मुरली मनोहर जोशी से सवाल पूछा कि उनके बगल में खड़ा व्यक्ति कौन है, तो उन्होंने ये जवाब दिया कि ये गुजरात से आए हैं और इनका नाम नरेंद्र मोदी है। उस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी संगठन में काम करते थे। और जब उनसे पूछा गया कि वो रामलला के दर्शन करने दोबारा कब अयोध्या आएंगे तो उन्होंने यही कहा था कि जब राम मंदिर बनेगा तभी वो रामलला के दर्शन करने अयोध्या आएंगे। अब इसके 29 वर्ष बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ये कसम 5 अगस्त को पूरी होने वाली है। राम मंदिर आंदोलन से प्रधानमंत्री का पुराना रिश्ता रहा है। जब 1990 में बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने रथयात्रा की तो उसकी तैयारी मोदी ने ही की। मोदी की देखरेख में मंदिर निर्माण की मांग के लिए सोमनाथ से अयोध्या के लिए रथयात्रा निकाली गई थी। उस वक्त मोदी गुजरात बीजेपी के संगठन सचिव के तौर पर थे, आज प्रधानमंत्री है।

काषी के लोगों का कहना है कि बुधवार को पूरी काशी श्रीराम दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। अयोध्या में भूमि पूजन के बाद छतों पर शंख, घंटघड़ियाल, ढोल थाली बजाने की तैयारी की है। घरों और मंदिरों में दीप जलाए जाएंगे। तो मानस की चैपाइयां व सोहर आदि भी गूंजेंगी। चाहे घर हो मंदिर या सड़क सहित हर जगह दीपों से रोशन करने की तैयारी है।

हर कोई दिवाली की तरह इस उत्सव को मनाने की योजना बनाई है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने भी लोगों से भूमिपूजन के अवसर पर चार व पांच अगस्त को पूजन, अनुष्ठान और शाम को दीपोत्सव का आह्वान किया है।

पेट्रोल पम्प पर काम करने वाले का बेटा बना आईएएस अधिकारी

(विशेष संवाददाता)

इंदौर (मध्यप्रदेश), 4 अगस्त । वर्ष 2019 की सिविल सेवा परीक्षा में देश भर में 26वां स्थान हासिल करने वाले इंदौर के प्रदीप सिंह के पिता मनोज सिंह साल भर पहले तक यहां एक पेट्रोल पम्प पर नौकरी करते हुए वाहनों में पेट्रोल डीजल भरते थे।

लेकिन परिवार के संघर्ष के गवाह रहे उनके बेटे की आंखों में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) का अधिकारी बनने का सपना बचपन से ही उड़ान भर चुका था। गुदड़ी के इस लाल ने अपने दूसरे प्रयास में केवल 23 साल की उम्र में इस सपने को सच कर दिखाया। संयोग है कि सिविल सेवा परीक्षा 2019 में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले उम्मीदवार का नाम भी 'प्रदीप ड्क्षसह' ही है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में 26वां स्थान हासिल करने वाले इंदौर के प्रदीप ड्क्षसह (23) ने मंगलवार को 'पीटीआईभाषा' के साथ अपनी सफलता की कहानी साझा की। उन्होंने बताया, 'मैंने सिविल सेवा परीक्षा 2018 में अपने पहले प्रयास में देश भर में 93वां स्थान हासिल किया था। हालांकि, मैं आईएएस अफसर बनने से केवल एक स्थान से चूक गया था। लिहाजा मैंने इस बार और मेहनत की।' ड्क्षसह ने बताया कि वर्ष 2018 की सिविल सेवा परीक्षा में उनका चयन भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) में हुआ था। इसके बाद उन्हें नागपुर की राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी (एनएडीटी) में प्रशिक्षण के लिये भेजा गया था। हालांकि, फिलहाल उन्होंने इस प्रशिक्षण से अवकाश ले रखा है। उन्होंने याद किया कि महाविद्यालयीन पढ़ाई तक उनके परिवार का जीवन संघर्षों से भरा था क्योंकि उनके पिता मनोज सिह शहर के एक पेट्रोल पंप पर काम करते थे और उनकी तनख्वाह खर्चों के मुकाबले कम पड़ती थी।

सिह ने बताया, 'कक्षा सात से ही मैंने ठान लिया था कि मुझे एक दिन आईएएस अफसर बनना है। स्नातक की पढ़ाई तक मेरा यह संकल्प और मजबूत हो गया। मैंने स्कूल से लेकर कॉलेज तक इसी लक्ष्य के मुताबिक तैयारी की है।' केवल 23 साल की उम्र में आईएएस अफसर बनने वाले उम्मीदवार के पिता मनोज सिह ने बताया कि उन्होंने सतत 28 वर्ष तक शहर के देवास नाका क्षेत्र में पेट्रोल पम्प में नौकरी के बाद साल भर पहले ही खुद का छोटासा ट्रांसपोर्ट कारोबार शुरू किया है। सिविल सेवा परीक्षा में बेटे की कामयाबी से प्रसन्न पिता ने कहा, 'बाबा महाकाल की कृपा से मेरा बेटा आईएएस अफसर बन गया है।

ऑक्सफोर्ड की कोरोना वैक्सीन 'कोविशील्ड' का ट्रायल चंडीगढ़ के पीजीआई में भी होगा

चंडीगढ़, 04 अगस्त । चंडीगढ़ का पीजीआई हॉस्पिटल ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा विकसित वैक्सीन कोविशिल्ड के परीक्षणों के दूसरे और तीसरे चरण के लिए भारत के 17 ट्रायल साइट में से एक है। इसके निदेशक ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस ट्रायल के लिए देशभर के 17 स्थलों में 1,600 स्वस्थ वयस्कों को शामिल किया जाएगा। पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के निदेशक जगत राम ने कहा, 'कोविशील्ड वैक्सीन के दूसरे और तीसरे चरण परीक्षण के लिए ट्रायल साइट में से एक होने की इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को सौंपा जाना एक सम्मान है।' उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में पहले चरण के ट्रायल के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं और कोई भी गंभीर प्रतिकूल दुष्प्रभाव सामने नहीं आया। परीक्षण मानव में कोविड के खिलाफ इसका प्रभाव और अपेक्षित सुरक्षा को देखने के लिए एक बड़ी मानव आबादी पर किया जाएगा। निदेशक ने कहा कि जैसा कि परीक्षणों के परिणामों का दूरगामी प्रभाव पड़ेगा, हम अपनी क्षमताओं को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि 'ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया' की वांछित अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए समयसीमा के साथसाथ तौरतरीकों और व्यापक योजना को तैयार करने के लिए एक कोर समूह का गठन किया जाएगा और महामारी से निपटने में हम सर्वश्रेष्ठ क्षमताओं के साथ योगदान देंगे। इससे पहले, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के तहत कोविड19 के विशेषज्ञों की एक समिति ने 'ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया' को दूसरे और तीसरे चरण के परीक्षण के लिए 'सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया' को मंजूरी देने की सिफारिश की थी। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के अलावा, परीक्षणों के लिए अन्य स्थलों में दिल्ली का एम्स, पुणे का एबीजे मेडिकल कॉलेज, पटना का राजेंद्र मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जोधपुर का एम्स, गोरखपुर का नेहरू अस्पताल, विशाखापट्टनम का आंध्र मेडिकल कॉलेज और मैसूर का जेएसएस एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च भी शामिल हैं।

अब पानी बचाने के लिए मैदान में उतरेंगे सचिन तेंदुलकर

सचिन तेंदुलकर ने कहा-जल है तो कल है, आज से बचाएं

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 4 अगस्त केंद्र सरकार के जलशक्ति अभियान से भारत रत्न और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर जुड़ गए हैं। वह अब पानी बचाने के लिए मैदान में उतरेंगे और लोगों को जागरुक करेंगे। तेंदुलकर ने जल संरक्षण का एक संदेश भी दिया है और कहा है कि जल है तो कल है...। तेंदुलकर ने कहा कि आने वाले कल के लिए आज ही कोशिश करनी होगी, क्योंकि जल है तो कल है। अपने संदेश में मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने कहा कि जब सोसायटी के बाहर नोटिस लगता है कि पानी जाने वाला है तो कैसे हम बाल्टियों में, डिब्बों में पहले से ही पानी भरकर रख लेते हैं। सोचिए, अगर धरती पर भी पानी खत्म हो गया तो क्या करेंगे? इसका नोटिस कोई नहीं देगा। इसलिए पानी को अभी से बचाने की जरूरत है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग से बारिश के पानी को बचाकर उसे पौधों के लिए, सफाई के लिए और बाकी कामों के

इस्तेमाल में लाया जा सकता है। आने वाले कल के लिए आज ही कोशिश करनी होगी, क्योंकि जल है तो कल है। अगर हम सब एकजुट होकर कदम उठाएं तो जल का संरक्षण मुमकिन है, क्योंकि जनशक्ति में ही जलशक्ति है। इस बावत केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सचिन तेंदुलकर के साथ जुड्ने पर खुशी जताई। साथ ही उनका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कहा कि बारिश के पानी को बचाने के लिए महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का ये संदेश जल संकट की समस्या का हल बन सकता है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग के विविध तरीके अपनाकर यदि हम सब बारिश का पानी बचाएं और फिर उसका सही उपयोग करें तो आने वाली पीढ़ी के भविष्य को जल सुरक्षित बनाया जा सकता है।

क्वारंटीन के नाम पर आईपीएस अधिकारी को 'हाउस अरेस्ट' किया गया: डीजीपी

पटना, 04 अगस्त (वेबवार्ता)। सुशांत सिंह राजपूत से जुड़े आत्महत्या मामले की जांच करने मुंबई गई बिहार पुलिस टीम के आईपीएस अधिकारी विनय तिवारी को क्वारंटीन किए जाने के बाद बिहार पुलिस के प्रमुख गुप्तेश्वर पांडेय खासे नाराज हैं। बिहार डीजीपी ने यहां तक आरोप लगाया कि क्वारंटीन के नाम पर मुंबई पुलिस ने एक आईपीएस अधिकारी को 'हाउस अरेस्ट' कर लिया है। पांडेय यह भी कहा कि मुंबई पुलिस आरोपी रिया चक्रवर्ती की भाषा बोल रही है। पांडेय ने साफ तौर पर कहा कि मुंबई पुलिस इस मामले में बिल्कुल भी सहयोग नहीं दे रही है और उसका यह कृत्य आज पूरा देश देख रहा है।

बिहार डीजीपी ने कहा, 'आईपीएस अधिकारी की एक गरिमा होती है। आखिर मुंबई पुलिस अपने जूनियर अधिकारियों को क्या संदेश देना चाहती है। चोर की तरह जाकर एक आईपीएस को हाउस अरेस्ट कर लिया जाता है। कुछ दिन पहले ही हमारे पुलिस अफसर को धक्का देते हुए कैदी वैन में बैठा दिया गया था। मैंने मीडिया को मुंबई पुलिस की इज्जत बचाने के लिए बताया कि ऐसा कुछ नहीं हुआ था। पर एसा हुए था क्योंकि यह नजारा सबने देखा था।'

पांडेय ने कहा क आज मुम्बई में हालात इतने खराब हो गए हैं कि अगर वह भी इस मामले में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए मुम्बई जाते हैं तो उन्हें भी हाउस अरेस्ट किए जाने का खतरा है। उन्होंने कहा, ' अब तो स्थिति यह है क अगर मैं भी जाउंगा, तो मुंबई पुलिस मुझे भी हाउस अरेस्ट कर लेगी।' पांडेय ने कहा कि सुशांत के कथित आत्महत्या के बाद से वह कई बार मुम्बई पुलिस प्रमुख से बात करने का प्रयास कर चुक हैं लेकिन एक बार भी उनका फोन रिसीव नहीं हुआ और ना ही उनके संदेश का जवाब दिया गया। पांडेय ने कहा, 'जिस दिन सुशांत का शव उनके कमरे से बरामद हुआ था, उसके दूसरे दिन मैंने मुम्बई पुलिस कमिश्नर परम बीर सिंह से बात करने की कोशिश की थी लेकिन उन्होंने मेरा फोन नहीं उठाया और ना ही काल बैक किया।

राम सबके हैं, राष्ट्रीय एकता और बंधुत्व का कार्यक्रम बनना चाहिए राम मंदिर का भूमि पूजन

प्रदेश कांग्रेस राम मंदिर निर्माण के लिए चांदी की 11 ईंटें भेजेगी, धर्म की राजनीति नहीं

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 4 अगस्त । कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को कहा कि भगवान राम सबके हैं और ऐसे में बुधवार को अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए होने जा रहा भूमि पूजन राष्ट्रीय एकता, बंधुत्व और सांस्कृतिक समागम का कार्यक्रम बनना चाहिए।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कारण मंदिर का सपना साकार होने जा रहा है और प्रदेश कांग्रेस कमेटी राम मंदिर निर्माण के लिए चांदी की 11 ईंटें भेजेगी। गौरतलब है कि अयोध्या में बुधवार को राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका ने एक बयान में कहा, दुनिया और भारतीय उपमहाद्वीप की संस्कृति में रामायण की गहरी और अमिट छाप है। भगवान राम, माता सीता और रामायण की गाथा हजारों वर्षों से हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक स्मृतियों में प्रकाशपुंज की तरह आलोकित है।

उनके मुताबिक, भारतीय मनीषा रामायण के प्रसंगों से धर्म, नीति, कर्तव्यपरायणता, त्याग, उदारता, प्रेम, पराक्रम और सेवा की प्रेरणा पाती रही है। उन्होंने कहा उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम तक रामकथा अनेक रूपों में स्वयं को अभिव्यक्त करती चली आ रही है। श्रीहरि के अनगिनत रूपों की तरह ही रामकथा हरिकथा अनंता है।'' उन्होंने कहा, युगयुगांतर से भगवान राम का चरित्र भारतीय भूभाग में मानवता को जोड्ने का सूत्र रहा है।

भगवान राम आश्रय हैं और त्याग भी। राम सबरी के हैं, सुग्रीव के भी। राम वाल्मीकि के हैं और भास के भी। राम कंबन के हैं और एषुत्तच्छन के भी। राम कबीर के हैं, तुलसीदास के हैं, रैदास के हैं। सबके दाता राम हैं।'' प्रियंका ने कहा, गांधी के रघुपति राघव राजा राम सबको सन्मति देने वाले हैं। वारिस अली शाह कहते हैं जो रब है वही राम है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त राम को निर्बल का बल' कहते हैं। महाप्राण निराला वह एक और मन रहा राम का जो न थका' की कालजयी पंक्तियों से भगवान राम को शक्ति की मौलिक कल्पना' कहते हैं।''उन्होंने इस बात पर जोर दिया, राम साहस हैं, राम संगम हैं, राम संयम हैं, राम सहयोगी हैं। राम सबके हैं, राम सबमें हैं। भगवान राम सबका कल्याण चाहते हैं। इसीलिए वे मर्यादा पुरुषोत्तम हैं।'' कांग्रेस महासचिव ने कहा, आगामी 5 अगस्त, 2020 को रामलला के मंदिर का भूमिपूजन का कार्यक्रम रखा गया है। भगवान राम की कृपा से यह कार्यक्रम उनके संदेश को प्रसारित करने वाला राष्ट्रीय एकता, बंधुत्व और सांस्कृतिक समागम का कार्यक्रम बने। जय सियाराम।'' कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, राम मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन से एक दिन पहले मैं कोई राजनीति टिप्पणी नहीं करूंगा, लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि राजनीति का धर्म होना चाहिए, धर्म की राजनीति नहीं। यह भगवान राम की मर्यादा है।'' मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि कि प्रदेश कांग्रेस अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए चांदी की 11 ईंटें भेजेगी। कमलनाथ ने भोपाल में अपने निवास पर राम दरबार सजाकर हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन भी किया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम राम मंदिर निर्माण का स्वागत करते हैं। हम राम मंदिर निर्माण के लिये प्रदेश की जनता की ओर से चांदी की 11 ईंट शिला भेज रहे हैं। ये ईंट प्रदेश के नागरिकों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सहयोग से चंदा एकत्रित कर खरीदे गये हैं।'' कमलनाथ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने वर्ष 1985 में इसकी शुरुआत की थी और वर्ष 1989 में उन्होंने ही इसका शिलान्यास करवाया था। उन्होंने दावा किया, राजीव गांधी जी के कारण ही राम मंदिर का सपना आज साकार हो रहा है।

आज राजीव जी होते तो यह सब देखते।'' कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी ने कहा कि वह राम मंदिर के लिए भूमि पूजन के अवसर पर सभी देशवासियों और श्रद्धालुओं को बधाई देते हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने कहा कि वह और उनका परिवार अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए 21 हजार रुपये का दान देंगे।